● वर्ष-3
● अंक-231
रायपुर, मंगलवार
07 मई 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› वैशाख माह में खोले जाते हैं केदारनाथ..

छगः 7 लोस सीटों पर आज मतदान

1 करोड़ 40 लाख मतदाता करेंगे प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला

15 हजार से अधिक मतदान केंद्रों में होगी वोटिंग

रायपुर। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में 12 राज्यों की 94 सीटों पर 7 मई को वोटिंग होगी. छत्तीसगढ़ के 7 सीटों में वोट डाले जाएंगे. जिसमें रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, दुर्ग, रायगढ़, सरगुजा, जांजगीर-चांपा लोकसभा क्षेत्र में वोट डाले जाएंगे. वहीं आज मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर लोकसभा चुनाव 2024 के तीसरे चरण की तैयारियों के संबंध में जानकारी दी. उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ की 7 लोकसभा सीटों के 58 विधानसभा क्षेत्रों में सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान होगा.

इन लोकसभा क्षेत्रों में मतदाताओं की कुल संख्या 1 करोड़ 39 लाख 01 हजार 285 है. पिछले चरण की तुलना में इस बार मतदाताओं की संख्या में 9.34 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. इस बार के चुनाव में 11 लाख 87 हजार 470 मतदाता नए हैं. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने बताया कि कल राज्य में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है.

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि तीसरे चरण में कुल 15701 मतदान केन्द्रों में से 7887 मतदान केन्द्रों पर वेबकास्टिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है जिसके जरिए निर्वाचन आयोग उन मतदान केन्द्रों पर नजर रखेगा। मतदान केन्द्रों में गर्मी को देखते हुए शीतल पेयजल, नींबू पानी, ओआरएस घोल की व्यवस्था की गई है।

उपलब्धता के आधार पर मतदाताओं के लिए कूलर की भी व्यवस्था की गई है। मतदान केन्द्रों में वेटिंग हॉल की व्यवस्था की गई है और मेडिकल किट की भी व्यवस्था की जा रही है। मतदाता मतदान केन्द्रों में फोटो पहचान पत्र के अतिरिक्त 12 अन्य वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेज दिखाकर मतदान कर सकेंगे।

महिला मतदाताओं की संख्या पुरूषों की तुलना में ज्यादा है। 69 लाख 67 हजार 544 महिला मतदाता हैं तो पुरुष मतदाताओं की संख्या 69 लाख 35 हजार 121 है। प्रति मतदान केन्द्र औसत मतदाताओं की संख्या 885 है। इन सीटों पर 2809 संगवारी मतदान केन्द्र, 58 दिव्यांगजनों द्वारा संचालित मतदान केन्द्र और 235 युवाओं द्वारा संचालित केन्द्र बनाए गए हैं। 306 मतदान केन्द्र आदर्श बनाए गए हैं। 15 हजार 701 मतदान दलों को नियुक्त किया गया है।

मतदान केंद्रों में मतदाताओं के लिए सुविधाएं- गर्मी को देखते हुए इस बार मतदान केंद्रों में वेटिंग हाल की अतिरिक्त व्यवस्था व्यवस्था की गई है. कूलर की भी व्यवस्था की गई है. मतदान केंद्रों में पंडाल लगाए जायेंगे. पेयजल, नींबू पानी और ओआरएस घोल की व्यवस्था की जाएगी. वहीं मेडिकल कीट के साथ मितानिनें भी मौजूद रहेंगी.

मेडिकल सुविधा के लिए हेली एंबुलेंस की तैनाती- मुख्य निर्वानच अधिकारी ने कहा है कि किसी भी मतदान दल के कर्मचारी को चिंता करने की जरूरत नहीं है. अगर किसी कर्मचारी की तबीयत खराब होती है तो उसको तत्काल बेस्ट से बेस्ट मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी.

चुनाव आयोग के मुताबिक अगर दूर दराज के मतदान केंद्र पर किसी कर्मचारी की तबीयत बिगड़ती है तो रायपुर से तुरंत हेली एंबुलेंस को वहां के लिए रवाना किया जाएगा.

रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों को मतदाताओं के सुविधा अनुरूप तैयार किया गया है। तेज पड़ रही गर्मी से मतदाताओं को बचाने मतदान केंद्रों में विश्राम स्थल सुविधा के साथ ही पानी, चिकित्सा सुविधा व नींबू पानी और ओरआरएस घोल की भी व्यवस्था की गई है।

इन सात लोकसभा सीटों पर कांग्रेस-भाजपा आमने-सामने

- सरगुजा - (अजजा) शशि सिंह (कांग्रेस), चिन्तामणि महाराज (भाजपा)
- रायगढ़ - (अजजा) डॉ. मेनका सिंह (कांग्रेस), राधेश्याम राठिया (भाजपा)
- कोरबा- ज्योत्सना महंत (कांग्रेस), सरोज पाण्डेय (भाजपा)
- जांजगीर-चांपा - डॉ. शिव डहरिया (कांग्रेस), कमलेश जांगड़े (भाजपा)
- बिलासपुर - देवेन्द्र यादव (कांग्रेस), तोखन साहू (भाजपा)
- दुर्ग - राजेन्द्र साहू (कांग्रेस), विजय बघेल (भाजपा)
- रायपुर - विकास उपाध्याय (कांग्रेस), बृजमोहन अग्रवाल (भाजपा)

7 लोकसभा सीटों में मतदाताओं का आंकड़ा

- कुल मतदाता 1 करोड़ 39 लाख 01 हजार 285
- पुरुष मतदाता 69 लाख 33 हजार 121
- महिला मतदाता 69 लाख 67 हजार 544
- तृतीय लिंग मतदाता 620
- फर्स्ट टाइम वोटर्स की संख्या 3 लाख 98 हजार 416

मतदान केंद्र और ड्यूटी में तैनात कर्मियों की जानकारी-

- तीसरे चरण में मतदान के लिए 77592 मतदान कर्मियों की नियुक्ति की गई है.
- कूल 2809 संगवारी मतदान केंद्र बनाये गए हैं.
- 306 आदर्श मतदान केंद्र बनाए गए हैं.
- 235 मतदान केंद्र युवाओं द्वारा संचालित होंगे.
- तृतीय चरण में कुल 25 मतदान केंद्र को असुरक्षित, 1072 मतदान केंद्र को संवेदनशील घोषित किया गया है. इन मतदान केंद्रों में अतिरिक्त सुरक्षा के लिए वेब कास्टिंग, वीडियोग्राफी की व्यवस्था की जाएगी. कुल 283 मतदान केंद्र शेडो एरिया के रूप में चिन्हांकित किए गए हैं.
- 15 हजार 701 मतदान केंद्रों में से 7887 मतदान केंद्रों पर वेब कास्टिंग की सुविधा उपलब्ध होगी.
- रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, दुर्ग, जांजगीर-चांपा, सरगुजा, रायगढ़ के 15 हजार 701 मतदान केंद्र में 37855 बैलट यूनिट, 19097 कंट्रोल यूनिट, 20984 वीवीपैट से मतदान होगा.

देश के 93 सीटों पर आज वोटिंग

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के तीसरे चरण के लिए मंगलवार को 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 93 सीटों पर मतदान की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। तीसरे चरण में 120 महिलाओं सहित 1351 प्रत्याशियों की किस्मत तय होना है। जिन प्रत्याशियों का भविष्य दाव पर है उनमें केंद्रीय मंत्री अमित शाह, ज्योतिरादित्य सिंधिया, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, दिग्विजय सिंह, सांसद डिंपल यादव और सुप्रिया सुले समेत कई दिग्गज नेता शामिल हैं। तीसरे चरण का चुनाव प्रचार अभियान रविवार शाम छह बजे थम गया था। मतदान के लिए दूरदराज के मतदान केंद्रों पर मतदान सामग्री के साथ चुनाव अधिकारियों के दल को समय से रवाना कर दिया गया था। मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। चुनाव आयोग ने वृद्ध और दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध करने के साथ साथ मतदाताओं गर्मी से बचाने के लिए पोलिंग बूथ पर छाया और जल की सुविधाएं की हैं। चुनाव आयोग मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए मतदाता जागरूकता अभियान के कई कार्यक्रम कर रहा है। तीसरे चरण में 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 93 लोकसभा सीटों के लिये वोट पड़ेंगे। इनमें बिहार की 5, मध्य प्रदेश की 9, असम की 4, छत्तीसगढ़ की 7, कर्नाटक की 14, गोवा की 2, गुजरात की 25, महाराष्ट्र की 11, उत्तर प्रदेश की 10, बंगाल की 4, दमन और दीव की दो सीट शामिल हैं।

पश्चिम बंगाल की चार सीटों मालदा उत्तर, मालदा दक्षिण, जंगीपुर, मुर्शिदाबाद पर मतदान होगा। चुनाव आयोग ने जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग रजौरी सीट पर मतदान की तारीख में बदलाव किया है। अब यहां 25 मई को छठे चरण में वोटिंग होगी। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी पश्चिम बंगाल की बहरामपुर सीट से चुनाव लड़ रहे हैं समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव मैनपुरी से मैदान में हैं। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी कर्नाटक के धारवाड़ से और उद्योगपति पल्लवी डेम्पो भाजपा के टिकट पर दक्षिण गोवा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

राधिका खेड़ा का मामलाः सुशील और उसके साथियों ने कमरे में बंदकर बदतमीजी की

नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व नेता राधिका खेड़ा ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर कांग्रेस पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राधिका खेड़ा की माने तो कांग्रेस पार्टी के बारे में जब उनसे लोग कहा करते थे कि वो हिंदू विरोधी है तो किसी की भी बातों का यकीन नहीं करती थी.बल्कि कांग्रेस पार्टी में रहकर जनता के मुद्दों को अक्सर वो उठाती थी।

कांग्रेस पार्टी से अपने इस्तीफे पर राधिका खेड़ा ने कहा कि 30 अप्रैल को जब मैं छत्तीसगढ़ कांग्रेस के मीडिया चेयरमैन सुशील आनंद शुक्ला से बात करने गई थी, लेकिन उन्होंने मेरे साथ दुर्व्यवहार करना शुरू कर दिया और मुझे गालियां दीं। मैं बहुत चिल्लाई, फिर लोगों से कहा कि नीचे जाओ और महासचिव को बुलाओ। लेकिन कोई नहीं हटा, फिर जब मैंने अपना फोन निकाला और कहा कि मैं आपकी रिकॉर्डिंग कर रही हूं। राधिका खेड़ा ने बताया कि सुशील आनंद शुक्ला ने इशारा किया और उस कमरे में मौजूद 2 और लोगों ने अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। लगभग एक मिनट तक कमरा बंद रहा और मेरे साथ दुर्व्यवहार किया गया. तीनों आदमी उठकर मेरी ओर आए मैं चिल्लाती रही लेकिन किसी ने दरवाजा खोलने की कोशिश नहीं की।

क्या था मामला ?

आपको बता दें कि मल्लिकार्जुन खड़गे ने पिछले दिनों शिव डहरिया के समर्थन में जांजगीर चांपा में दौरा किया था। इस दौरान मल्लिकार्जुन खड़गे के बयानों को लेकर रायपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई थी। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया कॉर्डिनेटर राधिका खेड़ा भी मौजूद थी। इसी बीच किसी बयान को लेकर छत्तीसगढ़ मीडिया प्रभारी सुशील आनंद शुक्ला से राधिका खेड़ा की कहा सुनी हो गई. इस दौरान पीसीसी चीफ दीपक बैज के साथ दोनों की मीटिंग भी हुई. लेकिन मीटिंग का कोई हल नहीं निकला। हर बार राधिका खेड़ा ने सुशील आनंद शुक्ला पर कार्रवाई नहीं करने लेकर छत्तीसगढ़ कांग्रेस के बड़े नेताओं को घेरा।

प्रमुख समाचार

मुख्यमंत्री साय ने जनता से की मतदान की अपील

रायपुर। लोकसभा चुनाव के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में तीसरे व अंतिम चरण में बची हुई 7 सीटों पर कल मतदान होगा। जिसके साथ प्रदेश में चुनाव संपन्न हो जाएंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ की जनता से मतदान में शामिल होने की अपील की है। अपने अपील में उन्होंने कहा कि - सभी मतदाता भाईयों-बहनों को जोहार, राम-राम, नमस्कार। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में 7 मई को छत्तीसगढ़ की 7 सीटों पर मतदान होना है। मैं इन सीटों के सभी मतदाताओं से अपील करता हूं कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की गारंटियों के अनुरूप विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए अधिक से अधिक संख्या में भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान करें। पहले और दूसरे चरण की चार सीटों में वहां के मतदाताओं ने बहुत उत्साह के साथ वोटिंग की है, उन सभी को धन्यवाद। जय जोहार, जय छत्तीसगढ़। गौरतलब है कि कल लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में प्रदेश की 7 सीटों सहित देश के 93 सीटों पर मतदान होगा। इसके साथ छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव संपन्न हो जाएंगे। कल दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, सरगुजा, जांजगीर-चांपा लोकसभा सीटों के लिए मतदान होगा।

अकाली दल के उम्मीदवार ने टिकट लौटाई; पार्टी भी छोड़ी

नई दिल्ली। चंडीगढ़ लोकसभा सीट से शिरोमणि अकाली दल के उम्मीदवार हरदीप सिंह बुटेरला ने पार्टी छोड़ने की घोषणा करते हुए पार्टी प्रधान सुखबीर बादल को अपना टिकट लौटा दिया। बुटेरला ने आरोप लगाया कि चुनाव लड़ने से पहले पार्टी के सामने मांग रखी थी कि इस बार अकाली दल चंडीगढ़ में अकेले चुनाव लड़ रहा है। ऐसे में यहां प्रचार और समर्थन के लिए सीनियर नेताओं की जरूरत पड़ेगी। सुखबीर बादल 13 सीटों पर प्रचार कर रहे हैं लेकिन 14वीं चंडीगढ़ सीट को भूल गए हैं। पहले चंडीगढ़ में भाजपा और अकाली दल मिलकर चुनाव लड़ते थे। अकाली दल ने इस बात पर अलग होकर हरदीप सिंह बुटरेला को मैदान में उतारा था। वो कई दिन से प्रचार भी कर रहे थे। आज अचानक उन्होंने पूरी प्रदेश कार्यकारिणी के साथ इस्तीफा दे दिया। टिकट भी लौटा दी है। चंडीगढ़ प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में हरदीप सिंह बुटेरला ने कहा कि पार्टी के सहयोग के बिना वह चुनाव नहीं लड़ सकते। वहीं, इस घटनाक्रम से अकाली दल की मु?श्किलें बढ़ गई हैं। बुटेरला ने कहा कि मुझे चुनाव लड़ने के लिए फंड की जरूरत थी लेकिन पार्टी ने फंड नहीं दिया। मैं एक किसान परिवार से हूं और अकेले चुनाव नहीं लड़ सकता।

आतंकी भुल्लर की रिहाई का वादा 134 करोड़ की खालिस्तानी फंडिंग

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नई और बड़ी मुसीबत में फंस गए हैं। एलजी विनय सक्सेना ने आतंकी जांच की सिफारिश की है। आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस से फंड लेने का आरोप अरविंद केजरीवाल पर लगा है। ये पूरा आरोप 16 मिलियन अमेरिकी डॉलर फंड लेने का है। हिंदुस्तान के राजनीतिक पार्टी के खिलाफ एनआईए जांच की सिफारिश किया जाना अपने आप में बड़ी घटना है। वजह ये है कि एक प्रतिबंधित आतंकी संगठन से 16 मिलियन डॉलर की फंड लेकर सरकार में आने पर सजा माफ करने की बात है। आपको याद होगा सिख फॉर जस्टिस वाला आतंकी गुरुवतपंत सिंह पन्नू जिसके अक्सर गीदड़भभकी वाले वीडियो सामने आते रहते है। जिसमें वो कभी भारत को धमकी देता तो कभी खालिस्तान के सपोर्ट की बातें करता नजर आता है। पन्नू ने एक वीडियो बनाया था जिसमें उसने दावा किया था कि अरविंद केजरीवाल के अमेरिका दौरे के दौरान उससे मुलाकात हुई थी व उसे 16 मिलियन डॉलर यानी 134 करोड़ रुपए सिख फॉर जस्टिस की तरफ से दिया गया था।

जगन मोहन सरकार ने आंध्र प्रदेश को कर्ज में डुबोयाः मोदी

राजमुंदरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के चुनावी रैली में राज्य की जगन मोहन सरकार पर जमकर निशाना साधा. पीएम मोदी ने कहा कि, आंध्र प्रदेश में YSRCP ने 5 साल बर्बाद कर दिए. उन्होंने कहा कि, जगन मोहन सरकार को पांच साल क्षमता दिखाने का मौका दिया गया था लेकिन उन्होंने आंध्र प्रदेश की क्षमता को भी बर्बाद कर दिया. उन्होंने पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू की प्रशंसा करते हुए कहा कि, जब वे सत्ता में थे, तब प्रदेश में विकास चरम पर था. लेकिन वाईएसआरसीपी सरकार ने राज्य की प्रगति को पटरी से नीचे लाने का काम किया. उन्होंने जगन सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि, राज्य सरकार लोगों के कल्याण के लिए काम करने के बजाय, आंध्र प्रदेश को कर्ज में डूबो दिया. पीएम मोदी ने कहा कि, कल्याण की एक ही गारंटी है, और वह है एनडीए गारंटी पीएम मोदी ने रैली को संबोधित करते हुए आगे कहा कि, आंध्र प्रदेश उभरती हुई युवा प्रतिभाओं वाला स्थान रहा है. दुनिया भर में यहां की तकनीक को मान्यता मिली है. पीएम ने कहा कि, आज, जब देश विकास की राह पर है, तो यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि, आंध्र प्रदेश राज्य आगे रहे. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि, वर्तमान सरकार में विकास केवल एक सपना है.

मंत्री के निजी सचिव के घर छापेमारी में मिला 30 करोड़ नगदः ईडी

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में करोड़ों रुपये कैश मिलने से सनसनी मची हुई है। प्रवर्तन निदेशालय ने रांची में कुल छह जगहों पर छापेमारी की है। ईडी की इस छापेमारी में मिले कैश के साथ-साथ एक चिट्ठी की भी काफी चर्चा हो रही है। ईडी अधिकारियों ने कहा है कि झारखंड सरकार के मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव संजीव लाल के नौकर के घर से अभी तक 30 करोड़ रुपये मिल चुके हैं। यह छापेमारी अभी भी जारी है। ईडी अधिकारियों ने बताया है कि उन्होंने मंत्री आलमगीर आलम से जुड़े छह ठिकानों पर रेड मारी है। एक बड़ी हैरानी की बात यह भी है कि राजधानी रांची में एक नौकर के घर से नोटों का पहाड़ मिला है लेकिन राज्य के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने इस पूरे मामले से ही अनभिज्ञता जता दी है। सीएम चंपई सोरेन से जब उनके ग्रामीण विकास मंत्री के निजी सचिव के नौकर के घर ईडी की कार्रवाई के बारे में पूछा गया तब उन्होंने मीडिया के कैमरों के सामने साफ कह दिया कि वो सब कि अभी हमें जानकारी नहीं है। बीजेपी ने इस पूरे मामले में ना सिर्फ मंत्री आलमगीर आलम को पद से हटाने की मांग की है बल्कि सीबीआई से जांच की भी मांग की है।

मध्यप्रदेश में कड़े मुकाबले वाली सीटों पर भाजपा ने बदली रणनीति

राहुल संपाल

मध्यप्रदेश में तीसरे चरण में होने वाले मतदान के लिए भाजपा और कांग्रेस एक्टिव हो गए हैं। इस चरण में 9 सीटों पर वोटिंग होगी। भाजपा ने स्थानीय कार्यकर्ताओं के अलावा स्थानीय नेताओं को मतदान की शाम तक अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं। जबकि बूथ प्रभारियों से लेकर पन्ना और अर्ध पन्ना प्रभारियों को भी सक्रिय कर दिया है। इस पूरी कवायद की मॉनिटरिंग प्रदेश भाजपा कार्यालय से की जाएगी। इधर, कांग्रेस ने भी मतदान वाले क्षेत्रों के लिए रणनीति तैयार की है। कांग्रेस कार्यकर्ता टोलियों में प्रचार के लिए निकल रहे हैं।

आज है मतदान

सात मई को लोकसभा चुनाव की तीसरे चरण की वोटिंग होगी। इसमें मध्यप्रदेश की भिंड, मुरैना, ग्वालियर, गुना, राजगढ़, भोपाल, सागर, विदिशा और बैतूल लोकसभा सीट पर मतदान होगा। पिछले दो चरण में मतदान प्रतिशत कम होने के बाद इस बार भाजपा का जोर मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर है। पार्टी का इनमें भी उन तीन सीटों पर ज्यादा जोर है। जहां मुकाबला टक्कर का माना जा रहा है। राजगढ़, मुरैना और भिंड तीन ऐसी हैं, यहां भाजपा और कांग्रेस दोनों का ही ज्यादा फोकस नजर आ रहा है।

राजगढ़ सीट से भाजपा की तरफ से तीसरी बार रोडमल नागर मैदान में है। जबकि कांग्रेस ने इस सीट से पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को उम्मीदवार बनाया है। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह साइलेंट मोड में चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस ने ग्राउंड पर ज्यादा फोकस किया है। सिंह भाजपा के पैटर्न पर चुनाव लड़ते दिख रहे हैं। सिंह ने बूथ लेवल पर फोकस किया है। स्थानीय जातीय समीकरणों को साधने सचिन पायलट और अशोक गहलोत की सभा हुई हैं। महिला वोटर्स को साधने के लिए पत्नी अमृता सिंह और बहू श्रीजम्या सिंह भी मैदान में हैं।

मुरैना में भी कांटे का मुकाबला नजर आ रहा है। इस सीट पर जातीय फैक्टर काम करता है। पूर्व सांसद नरेंद्र तोमर से नजदीकी के चलते भाजपा ने शिव मंगल तोमर को उम्मीदवार बनाया है। क्षेत्र में शिव मंगल की अपनी कोई पहचान नहीं है। कांग्रेस प्रत्याशी सत्यपाल सिकरवार की जौरा, सबलगढ़, सुमावली, अम्बाह और श्योपुर विधानसभा में अच्छी पकड़ है। विधानसभा चुनाव में इस लोकसभा की पांच सीट भाजपा गंवा चुकी है। भाजपा ने लोकसभा चुनाव में समीकरण ठीक करने के लिए कांग्रेस नेताओं को अपने पाले में शामिल किया है।

भिंड सीट पर भी कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है। इस लोकसभा सीट में सबसे अधिक 30 फीसदी दलित वोटर हैं। इस सुरक्षित सीट पर भाजपा ने मौजूदा सांसद संध्या राय को प्रत्याशी बनाया है। राय मुरैना की रहने वाली हैं। उनके खिलाफ एंटी इनकम्बेंसी दिख रही है। कांग्रेस ने भांडेर से विधायक फूल सिंह बरैया को टिकट दिया है, लेकिन बसपा के देवाशीष उनका समीकरण बिगाड़ रहे हैं। विधानसभा में भाजपा-कांग्रेस दोनों के पास बराबर 4-4 सीटें हैं।

प्रदेश के राजनीतिक जानकार और वरिष्ठ पत्रकार ऋषि पांडेय अमर उजाला से चर्चा में कहते हैं कि ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में आने वाली चारों लोकसभा सीटें ग्वालियर, गुना, भिंड और मुरैना पर पिछली बार भाजपा का कब्जा था। इस बार इनमें से केवल एक सीट गुना को छोड़ दिया जाए, तो बाकी तीन पर मुकाबला आसान नजर नहीं आता। कांग्रेस पिछली बार के मुकाबले इस बार कुछ सीटों पर कड़ी टक्कर देती हुई नजर आ रही है। राजगढ़ में पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के मैदान में उतरने से मुकाबला रोचक हो गया है। वे इमोशनल कार्ड खेल रहे हैं। स्थानीय लोगों से आखिरी चुनाव कहकर वोट मांगते हुए नजर आ रहे हैं। इस सीट पर प्रचार कर गृहमंत्री अमित शाह ने भी माहौल बदलने की कोशिश की है। क्योंकि भाजपा प्रत्याशी रोडमल नागर के खिलाफ एंटी इनकम्बेंसी है। जबकि ग्वालियर, मुरैना और भिंड में बसपा के चुनाव मैदान में उतरने से लड़ाई त्रिकोणीय हो गई है। ये इन तीनों सीटों पर उतरे प्रत्याशी कांग्रेस के बागी हैं। इससे कांग्रेस को नुकसान हो सकता है।

प्रदेश भाजपा के नेताओं का कहना है कि जिन सीटों पर मुकाबला टक्कर का माना जा रहा है। वहां भाजपा ने मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए भाजपा ने बूथ प्रभारियों के साथ ही पन्ना और अर्ध पन्ना प्रभारियों को अब मतदान खत्म होने तक सक्रिय रहने के लिए कहा है। पार्टी ने स्थानीय विधायक, पूर्व विधायक, पूर्व सांसद, पूर्व पार्षद और वर्तमान पार्षद सहित वार्ड के नेताओं को भी मतदान के दिन तक अलर्ट रहकर एक-एक घर में संपर्क करने के लिए कहा गया है। सभी से मतदान वाले दिन एक-एक वोटर्स को वोट करवाने के लिए प्रयास करने को भी कहा गया है। इधर, कांग्रेस ने भी तैयारियां पूरी कर ली है।

लोकसभा का तीसरे चरण का चुनाव आज, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

लोकसभा चुनाव के लिए मतदान की तैयारी पूरी, मतदान दल रवाना

गौरेला पेंड्रा मरवाही। लोकसभा चुनाव में आज तीसरे चरण में होने वाले मतदान में छत्तीसगढ़ के कोरबा और बिलासपुर लोकसभा में भी वोटिंग होनी है। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में दोनों ही लोकसभा क्षेत्र के मतदाता एवं केंद्र हैं जिसको लेकर प्रशासन की तैयारी पूरी हो चुकी है। मतदान दल मतदान सामग्रियों के साथ रवाना किया जा रहा है।

गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के 306 मतदान केदो में निष्पक्ष शांतिपूर्ण मतदान करने के लिए मतदान कर्मियों का दल आज सुबह जिला निर्वाचन कार्यालय परिसर स्थित केंद्रों में पहुंच रहा था जिन्हें सभी प्रकार की मतदान सामग्रियां देकर मतदान केंद्र भेजने की तैयारियां प्रशासन ने कर ली है एवं लगातार मतदान कर्मियों को विदा किया जा रहा है। प्रशासन ने 74 रूट बनाए हैं जिसके लिए लगभग 100 छोटे वाहन जबकि 150 बस अधिगृहित किए गए हैं, जिसके लिए लगभग 1500 मतदान कर्मियों की तैनाती प्रशासन द्वारा की गई है।

चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस प्रशासन ने केंद्रीय बल, सशस्त्र बल, पुलिस बल, वन कर्मियों सहित तमाम तरह के सुरक्षाकर्मियों को लगाया गया है वही आपातकालीन व्यवस्था से लेकर लगातार पेट्रोलियम की व्यवस्था भी पुलिस प्रशासन द्वारा की गई है साथ ही 1000 से अधिक सशस्त्र सुरक्षा बल की 10 कंपनियों के रूप में जिला प्रशासन को प्राप्त हुए हैं जिन्हें सीमावर्ती क्षेत्र के साथ-साथ संवेदन एवं अतिसंवेदन शील संवेदनशील क्षेत्रों में भी लगाया गया है। साथ ही सशस्त्र बल से एरिया डोमिनेशन भी पुलिस प्रशासन कर रहा है, वही जिले में 30

संगवारी केंद्र बनाए गए हैं जिसमें सुरक्षाकर्मियों से लेकर मतदान कर्मी सभी महिला कर्मचारियों की तैनाती की गई है जिसका उद्देश्य अधिक से अधिक महिला वोटरों को मतदान केन्द्रों की ओर आकर्षित करना है।

आईटी कॉलेज से रवाना मतदान दल 8 हजार कर्मचारी कराएंगे वोटिंग

कोरबा। कोरबा में लोकसभा चुनाव के मतदान को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। सात मई को होने वाले मतदान के लिए सोमवार को आईटी कॉलेज परिसर से मतदान दलों को रवाना किया गया। पुलिस और जिला प्रशासन के कुल 8 हजार कर्मचारी मतदान की प्रक्रिया को संपन्न कराएंगे। 249 बूथों में महिला कर्मचारियों की ड्युटी लगाई गई है,जो मतदान की प्रक्रिया को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराएंगे। लोकसभा चुनाव के तहत तीसरे चरण को होने वाले मतदान के लिए कोरबा जिले में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। मंगलवार को वोट डाले जाएंगे जिसके लिए सोमवार को आईटी कॉलेज स्थित स्ट्रॉंग रुप से मतदान दलों को रवाना किया गया। कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी के साथ ही एसपी की मौजूदगी में सभी कर्मचारी सामानों को लेकर अपने अपने बूथों के लिए रवाना हुए। इस चुनाव में कुल 8 हजार जिला व पुलिस प्रशासन के कर्मचारियों की ड्युटी लगाई है,जो शांतिपूर्ण ढंग से मतदान को संपन्न कराएंगे। कलेक्टर अजीत वसंत ने बताया,कि 249 बूथ ऐसे हैं,जहां महिला कर्मचारी वोटिंग की प्रक्रिया को संपन्न कराएंगी। जिले में ऐसे कई केंद्र हैं जो हाथी प्रभावित क्षेत्र में आते हैं,ऐसे क्षेत्रों में वन विभाग का अमला लगा हुआ है ताकी वोटिंग के दौरान हाथी मतदान केंद्र तक न आ सके।

मतदाल के दलों के रवानगी के दौरान मौके पर मौजूद एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने बताया,कि पुलिस और अर्द्धसैनिक बल के करीब 2400 जवान शांतिपूर्ण ढंग से मतदान को संपन्न कराएंगे। मतदान के दिल 118 पेट्रोलिंग पार्टी लगातार गश्त करती रहेगी। तीन स्तर की सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। बाहर से कुल 17 कंपनियां अर्द्धसैनिक बलों की कोरबा पहुंची है इसके साथ ही दूसरे राज्यों से भी पुलिस बल को बुलाया गया है।

तीसरे चरण के मतदान के लिए पोलिंग पार्टी रवाना

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ में तीसरे चरण अंतर्गत सात मई को मतदान होगा। दुर्ग लोकसभा सीट में आने वाले बेमेतरा जिले में सोमवार सुबह 7 बजे से पोलिंग पार्टी को मतदान केंद्र के लिए रवाना किया गया। बेमेतरा जिले की तीन विधानसभाओं के लिए तीन हजार और रिजर्व बल के एक हजार कर्मचारियों को ड्यूटी पर लगाया गया है।

जिले में कुल वोटर 6.68 लाख मतदाता और 750 मतदान केंद्र हैं। वहीं पोलिंग पार्टी को मतदान सामग्री देने के लिए बेमेतरा जिला प्रशासन ने एक नवाचार किया है। दरअसल, इस बार नवाचार करते हुए पोलिंग पार्टी को टेबल पर मतदान सामग्री दी जाएगी। बेमेतरा शहर के कृषि मंडी प्रांगण में तीनों विधानसभा क्षेत्र बेमेतरा, साजा और नवागढ़ के 3000 मतदानकर्मियों के लिए कुर्सी-टेबल की व्यवस्था की गई है।

इस बार मतदान दलों को वितरण काउंटर में लाइन लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, बल्कि मतदान दलों के पास जाकर उनको मतदान सामग्री प्रदान किया जाएगा। आज सोमवार को कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी रणबीर शर्मा ने इस प्रक्रिया का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि इस नई प्रक्रिया से पोलिंग पार्टी को राहत मिलेगी।

इसके अलावा कलेक्टर ने मतदानदलों के लिए वाहन व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के सीएमएचओ को सभी मतदान दल को प्राथमिक उपचार से संबंधित मेडिकल किट देने के निर्देश दिए है। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर जीएल जगत, डॉ. अनिल बाजपेयी समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में तीसरे चरण की वोटिंग सात मई 2024 को सुबह सात बजे से शुरू हो जाएगी। तीसरे चरण में छत्तीसगढ़ की 7 लोकसभा सीटों पर मतदान होगा। जिसमें सरगुजा, रायगढ़, जांजगीर-चांपा, कोरबा, बिलासपुर, दुर्ग और रायपुर सीट शामिल हैं।

नक्सलियों ने काकूर-टेकामेट्टा मुठभेड़ में 6 नक्सलियों व 4 ग्रामीण की मौत होना बताया

नारायणपुर। काकूर-टेकामेट्टा के जंगल में 30 अप्रैल को हुए मुठभेड़ केबाद सोमवार को नक्सलियों के पश्चिम सब जोनल ब्यूरो गढ़चिरौली, दंडकारण्य के प्रवक्ता श्रीनिवास ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर उक्त मुठभेड़ को झूठा करार देते हुए कहा कि हजारों की तादाद में पंहुचे पुलिस ने पूजा-पाठ में आए ग्रामीणों पर की ताबड़तोड़ फायरिंग कर ग्रामीणों को मारा और 10 नक्सलियों के मारे जाने की झूठी खबर प्रसारित करवाई।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि उस दिन सुबह काकुर और मंगवेड़ा के ग्रामीण अपने पारंपरिक पूजा पाठ करने इकट्ठा हुए थे, पुलिस अचानक वहां पर पहुंची और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी जिसमे 4 ग्रामीण शहीद हुए जिसमे कॉमरेड्स पाडू कोवासी, रामलू नरोटी, मैनू कोरचा, लालसू कोवासी शामिल थे। अलग-अलग जगहों पर हुई मुठभेड़ में नक्सलियों के 6 साथी की मौत हुई है। पश्चिम सब जोनल ब्यूरो ने मुठभेड़ को फर्जी बताते हुए जनता में दहशत फैलाने किए जा रहे बर्बर हमलों की निंदा किया है।

वहीं पुलिस ने टेकामेटा जंगल में 30 अप्रेल को हुए मुठभेड़ में मारे गए दस में से आठ नक्सलियों की शिनाख्त कर मारे गए नक्सलियों का विवरण जारी करते हुए नाम जारी किया था, जिसमें जोगन्ना एलियास उर्फ घीसू एसजेडसीएम इनामी 25 लाख निवासी करीमनगर तेलंगाना, मल्लेश उंगा मडकाम डीवीसीएम इनामी आठ लाख निवासी बस्तर छग, विनय एलियास उर्फ रवि डीवीसीएम इनामी आठ लाख निवासी आदिलाबाद तेलंगाना, संगीता डोगे अटराम एसीएम दलम डाक्टर, इनामी पांच लाख, निवासी रम्मैया पेठा आंध्र, सुरेश प्लाटून मेंबर इनामी आठ लाख, निवासी बीजापुर बस्तर, सुश्मिता एलियास चेट्टी प्लाटून स्टाफ इनामी दो लाख, कमली प्लाटून स्टाफ इनामी दो लाख निवासी किस्टारम सुकमा, पांडु कवासी टेकामेटा मिलिट्री कमांडर इनामी एक लाख निवासी नारायणपुर तथा दो अज्ञात की शिनाख्त जारी है।

राजेश रवानीः चर्चित यूट्यूबर, पेशा ट्रक ड्राइवर, आनंद महिंद्रा से मिली तारीफ

बलरामपुर। देश के चर्चित यूट्यूबर राजेश रवानी सिलीगुड़ी से नागपुर के 1500 किलोमीटर यात्रा के दौरान रामानुजगंज के रिंग रोड में रुके जहां उन्होंने अपने चाहने वालों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज मेरे 15 लाख से अधिक सब्सक्राइबर हैं मुझे लाखों रुपये की आमदनी भी होती है। मैंने अपना मूल पेशा नहीं छोडा है। अपने ड्राइवर साथियों की परेशानियां, कठिनाइयां एवं संघर्ष को मुझे दिखाना अच्छा लगता है।

47 वर्षीय राजेश रवानी अपने खुद की खरीदी कंटेनर में मैगी लोड कर सिलीगुड़ी से नागपुर जा रहे थे। राजेश रवानी को फॉलो करने वाले अमित गुप्ता एवं पियूष गुप्ता उनके रामानुजगंज आने का इंतजार कर रहे थे। जैसे ही वे झारखंड बॉर्डर क्रॉस कर छत्तीसगढ़ पहुंचे तो तत्काल अमित गुप्ता एवं पियूष गुप्ता एवं अन्य लोग मिलने पहुंचे एवं उनकी सादगी सरलता के साथ बनाए जाने वाले वीडियो की जमकर सराहना की। रिंग रोड में राजेश रवानी अपने पुत्र सागर रवानी के साथ रुके थे जहां बड़ी संख्या में चाहने वाले मिलने पहुंचने लगे सभी ने उनके साथ सेल्फी खींचाई एवं उनके सभी वीडियो की सराहना की। राजेश रवानी ने बताया कि मैं 2021 से यूट्यूब में वीडियो बनाकर ट्रक ड्राइवरों की जिंदगी के बारे में बताते आ रहा हूं, लेकिन जब मेरे 23 वर्षीय पुत्र सागर रवानी का 2022 से सोशल मीडिया हैंडल करने में साथ मिला तो मेरे फॉलोअर की संख्या तेजी से बढ़ी। मैं पहले जहां दूसरे का ट्रक चलाता था वहीं अभी पांच माह पहले खुद का कंटेनर खरीदा हूं जिसे मैं एवं मेरा पुत्र दोनों मिलकर चलाते हैं। आनंद महिंद्रा ने राजेश रवानी को अपनी प्रेरणा बताते हुए लिखा था कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि आपकी उम्र कितनी है, आपका पेशा कितना मामूली है। नई तकनीक को अपनाने और खुद को नया रूप देने में कभी भी देर नहीं करनी चाहिए।

गर्मियों में घूमने के लिए बेहतर है मादरकोंटा की गुफा

जगदलपुर। बस्तर में 12 महीना लोगों का आना जाना लगा रहता है। जिसमें बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटकों की संख्या भी रहती है। लेकिन अभी गर्मी की वजह से एक ओर जहां तीरथगढ़ व चित्रकोट से गिरने वाले फॉल में पानी कम हो जाने के कारण लोगों का आना जाना भी कम हो जाता है। ऐसे में जगदलपुर शहर से 35 किमी दूर मादरकोंटा गुफा आम लोगों के साथ ही विदेशी पर्यटकों के लिए पसंद बनती जा रही है। यहां किसी भी मौसम में आने पर यहां के समूह के द्वारा गुफा घुमाने के साथ ही आसपास के खूबसूरत वादियों को भी दिखा रहे है। 2020 से यह गुफा लोगों की नजर में आई। जिसके बाद यह एक पिकनिक स्पॉट बन गया है।

मादरकोंटा गुफा की जानकारी पहले इस गांव के लोगों को ही थी। लेकिन एक दिन इस गांव को देखने पूर्व कलेक्टर रजत बंसल पहुंचे। जहां गांव वालों से चर्चा के दौरान उन्होंने गुफा के बारे में बताया। जिसके बाद बस्तर कलेक्टर ने इस गुफा को अंदर से जाकर इसकी खूबसूरती को देखा और इसके बारे में आमजनों को बताने के लिए पहल शुरू की। जिसके बाद अब लोगों के लिए पर्यटन स्थल के रूप में विकसित हो चुका है।

जगदलपुर शहर से 35 किमी दूर मादरकोंटा गुफा है। यहां पहुंचने के लिए पहले केशलूर चौक वहां से नेगानार, चिड़पाल, चिकलकोटा, धुरवारास के बाद मादरकोंटा गुफा आती है। यहां आप सड़क मार्ग से आ सकते हैं।

मादरकोंटा गुफा को देखने के बाद पूर्व कलेक्टर

रजत बंसल ने इस गांव के ही 25 युवाओं को जोड़कर मादरकोंटा गुफा पर्यटन समिति का गठन किया था। साथ ही यहां के युवाओं को ट्रेनिंग देने के साथ ही इसकी खूबसूरती के बारे में लोगों को बता सकें। शुरुआत में जुड़े 25 युवाओं में 15 युवाओं ने समिति को छोड़ दिया। जिसके बाद अब केवल 10 लोग ही बचे हैं। पूर्व बस्तर कलेक्टर ने इस गांव को भी गोद लिए जाने की बात भी बताई। इस गुफा से जो इनकम होती है। उन पैसे से जनपद और ग्राम पंचायत को कुछ पैसे भी दिए जाते हैं और उन्ही पैसों से जो समिति के युवा हैं उन्हें भी कुछ पैसे दिए जाते हैं।

मादरकोंटा गुफा पर्यट समिति के सचिव बुधराम कवासी ने बताया कि 1948 में इसकी खोज हुई थी। केवल गांव के लोग ही इसे जानते थे। लेकिन साल 2020 में जब इसके बारे में पता चला तो वर्ष 2022 में 1923 पर्यटक आए। वहीं वर्ष 2023 में 1465 पर्यटक आए। जिसमें छह विदेशी नागरिक में दो जर्मनी और 4 फ्रांस के थे। साथ ही 19 ग्रुप के लोगों ने यहां कैम्पिंग भी की थी।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

चुनाव की ड्यूटी करने निकले शिक्षक की मौत, गांव में मातम

जशपुर। जशपुर में घर से लोकसभा चुनाव की ड्यूटी करने निकले शिक्षक की मिर्गी बीमारी से मौत हो गई। इस घटना की सूचना शिक्षक को जशपुर छोड़ने जा रहे पड़ोसी ने कुनकुरी थाने में दी। पुलिस मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। घटना के बारे में सब इंस्पेक्टर खोमराज ठाकुर ने जानकारी दी कि 5 मई की शाम 6 बजे कोरंगा गांव के रहनेवाले शिक्षक पॉल शांतिदान एक्का अपने घर से लोकसभा चुनाव में ड्यूटी करने निकले थे।उनके गांव का लड़का संदीप प्रेमवंशी उन्हें जशपुर तक पहुंचाने के लिए मोटरसाइकिल में बिठाकर निकला ही था कि कुछ दूर जाने के बाद शांतिदान को मिर्गी का दौरा पड़ा। कुछ देर बाद होश आया तो वह शौच किया। इसके बाद भी वह ड्यूटी करने जशपुर तक छोड़ देने की जिद करने लगा। संदीप प्रेमवंशी फिर से उसे मोटरसाइकिल में बिठाया और फिर कुछ दूर बाद मृतक को दूसरा दौरा आया और बेहोश हो गया। काफी देर बाद मृतक को होश आया और वह फिर शौच किया। इसके बाद वह बाइक में बैठा ही था कि तीसरा दौरा पड़ते ही वह अचेत होकर गिर पड़ा।

दुर्घटना में मरने वाले को केन्द्र द्वारा दी जाएगी सहायता राशि

बेमेतरा। राष्ट्रीय राजमार्ग में 28 अप्रैल की रात हुए भीषण सडक दुर्घटना में मरने वाले 9 महिलाओं व 23 घायल ग्रामीणों को केन्द्र सरकार द्वारा सहायता राशि दी जाएगी। केंद्र सरकार ने मृतकों के परिजन को 2-2 लाख व घायलों को 50-50 हजार देने की घोषणा की गई है। इससे पूर्व जिला प्रशासन द्वारा मृतकों को 25-25 हजार व घायलों को 10-10 हजार दिया गया है। 28 अप्रैल की रात में ग्राम तिवरैया से सवारियों को भरने के बाद रवाना हुए माल वाहक वाहन ग्राम कठिया के पास खड़ी माजदा से टकरा गया था जिससे मौके पर ही 3 बच्चे व 5 महिला समेत 8 लोगों की मौत हो गयी थी। वहीं एक महिला ने रायपुर में उपचार के दौरान दम तोड़ा। इनके अलावा दुर्घटना में 23 महिलाए घायल हुई थी। हादसे में ग्राम पथर्रा के साहू परिवार के तीन महिला व एक बच्ची समेत चार लोगों की मौत व निषाद परिवार के दो बच्चे व एक वृद्धा की मौत हुई थी। इनके अलावा दो अलग-अलग परिवार की दो महिलाओं की मौत हो गयी थी।

शादी में खाना नहीं देने पर हुआ विवाद

बिलासपुर। जिले के बूढ़ी खार गांव में एक शादी समारोह में खून खराबे का मामला सामने आया है। शादी में खाने पीने नहीं देने के नाम पर परिवार के सदस्यों में जमकर विवाद हुआ। इस दौरान चचेरे भाई ने अपने चचेरे भाई के गले में चाकू से वार कर दिया। हमले में युवक खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर गया। घायल का अस्पताल में इलाज जारी है। मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला मल्हार चौकी के ग्राम बूढ़ी खार कार्यक्रम का है। यहां विवाह कार्यक्रम में लड़ाई होने पर आहत लव कुमार मिरी को उसके चचेरा भाई विजय मीरी ने खाने पीने की विवाद को लेकर बीते 4 मई को करीब 11 बजे गले में चाकू से प्राणघातक हमला कर दिया। घायल लव कुमार को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंची और घायल से पूछताछ किया गया। पूछताछ में उसने बताया कि उसके चचेरे भाई विजय मिरी ने विवाह कार्यक्रम में खाने पीने नहीं देने की बात पर सब्जी काटने के चाकू से जान से मारने की नियत से उसके गले में वार कर दिया।

बालोद में तूल पकड़ता नीट लापरवाही का मामला

बालोद। बालोद में मेडिकल की सबसे बड़ी परीक्षा में बड़ी लापरवाही का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। सेंटर सुपरवाइजर ने कलेक्टर को पत्र लिखा है तो वहीं विधायक संगीता सिन्हा भी कलेक्टर से मुलाकात कर सकती हैं। देर रात तक परीक्षा केंद्र में हंगामा चलता रहा। जिसके बाद प्रशासन और पुलिस ने मोर्चा संभाला लिया है। बच्चों से बयान लिए गए हैं। पालक भी बड़ा एक्शन ले सकते हैं। बालोद में बीते रविवार को नीट का प्रश्नपत्र हल कराने के बाद एक पेपर को कैंसल कर दिया गया है। मामले को लेकर अभिभावकों ने स्कूल कैंपस में जमकर हंगामा किया। अभिभावकों ने दोबारा परीक्षा आयोजित कराने की मांग की है। शिक्षकों को बंधक बनाकर पालक माफीनामा मांग रहे हैं। अभिभावकों ने बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। मेडिकल क्षेत्र की सबसे बड़ी परीक्षा नीट के लिए पहली बार बालोद जिले में दो केंद्र बनाए गए थे। इन केंद्रों में लापरवाही देखने को मिली है। बैंक से गलत एग्जाम पेपर लाकर छात्र-छात्राओं को परीक्षा देने के समय कंफ्यूज किया गया।

करंट की चपेट में आया टाइल्स मिस्त्री

जगदलपुर। जगदलपुर के लालबाग में रहने वाले टाइल्स मिस्त्री की रविवार की शाम को करंट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे गंभीर हालत में महारानी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की मौत का पता चलते ही परिवार में मातम छा गया। वहीं सोमवार को शव का पीएम करने के बाद परिजनों को सौप दिया गया। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि लालबाग आमागुड़ा में रहने वाला पिंटू चौधरी पिता रामू चौधरी 40 वर्ष अपनी पत्नी के साथ उसी के घर में रहता था, 5 मई को पत्नी के साथ उसकी बहन और भाई किसी बात को लेकर विवाद कर रहे थे, काफी देर समझाने के बाद भी विवाद खत्म नही हो रहा था। गुस्से में आकर पिंटू के साले ने घर में लगे टेबल पंखे को उठाकर फेंका। पंखा किसी को लग ना जाये यह देखने के लिए जैसे ही पिंटू ने पंखा को उठाया, पंखे का पिछला हिस्सा खुला होने के कारण पिंटू करंट की चपेट आ गया। परिजन उसे उपचार के लिए महारानी अस्पताल में ले गए, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कोरबा में महिलाओं के जिम्मे चुनाव की कमान, 249 पिंक बूथों पर दिखेगी नारी शक्ति

कोरबा। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर निर्वाचन आयोग ने एक नई पहल की शुरुआत ऊर्जाधानी से की है। जिसमें कोरबा विधानसभा के 249 बूथों की कमान पूरी तरह से महिलाओं के हाथों में होगी। इन बूथों में शत प्रतिशत महिला कर्मचारी चुनाव संपन्न कराएंगी।ईटीवी भारत ने मतदान दल रवानगी से पहले महिलाकर्मियों से बात की। महिलाओं ने इस दौरान कहा कि पहली बार चुनाव करवाने जा रहे हैं। लेकिन मन में कोई डर नहीं है। प्रयास रहेगा जीरो परसेंट एरर के साथ चुनाव संपन्न कराया जाए।

कोरबा विधानसभा में लगभग 1500 महिलाओं की ड्यूटी मतदानकर्मी के तौर पर लगाई गई है। प्रत्येक बूथ में एक मतदान दल में 4 लोग होते हैं। कोरबा विधानसभा के सभी बूथ में महिलाएं ही चुनाव संपन्न करवाएंगी। महिलाकर्मियों को अपने दल की जानकारी ट्रेनिंग के दौरान दी जा चुकी थी। 6 मई की सुबह महिलाओं को मतदान केंद्र की जानकारी मिली है। पीठासीन अधिकारी जसप्रीत कौर फ्लोर ने बताया कि वो पहली बार चुनाव करवाने जा रहे हैं, जिसे लेकर हम काफी गर्व महसूस कर रहे हैं। पिछली बार जो पिंक बूथ बने थे। वहां की रिपोर्ट थी कि महिलाओं ने जीरो परसेंट एरर के साथ चुनाव कराया है। जिससे महिलाकर्मियों का हौंसला बढ़ा।

पीठासीन अधिकारी जसप्रीत कौर फ्लोर ने कहा हमारा प्रयास भी यही रहेगा कि बिना किसी शिकायत और गलती के चुनाव को संपन्न कराया जाए। जिसके लिए हम बेहद उत्साहित हैं, हमने अपना सामान ले लिया है। अब हम मतदान केंद्र के लिए रवाना हो रहे हैं।

पीठासीन अधिकारी श्रद्धा वर्मा ने बताया कि हमें पहले ही इस बात की जानकारी है कि रात भर हमें मतदान केंद्र में ही रुकना होगा। प्रशासन ने सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करके रखी हैं। किसी तरह का डर या भय मन में नहीं है।

हम जाकर चुनाव संपन्न करेंगे।अपने स्तर पर हमने पूरी तरह से तैयारी कर रखी है। हमें ईवीएम, मतदाता सूची सहित जो भी मतदान सामग्री मिली है। उसका बढ़िया सा मिलान कर लिया है, अब हम मतदान केंद्र पहुंचकर चुनाव संपन्न कराएंगे। मतदान केंद्र तक पहुंचाने के लिए बसों की व्यवस्था भी है।

गीता गुरुद्वारा ने बताया कि ड्यूटी मतदान अधिकारी क्रमांक 2 के तौर पर लगाई गई है। 7 मई को हम सुबह 4 बजे से उठकर ही अपना काम शुरू कर देंगे। कई प्रपत्र भरने होते हैं और सुबह उठकर पहले मॉक पोल करना होता है।मॉक पोल का डाटा क्लियर करने के बाद फिर हम सुबह 7 बजे से मतदान की प्रक्रिया शुरू करवा देंगे। जो शाम के 6 बजे तक चलेगी। अपने स्तर पर हमने मतदान सामग्री के साथ ही अपने सामान साथ में रखे हुए हैं।

कांग्रेस ने कोरबा लोकसभा सीट पर पिछले लोकसभा चुनाव में 26 हजार 349 वोटों से जीत हासिल की थी। उस समय रामपुर और पाली-तानाखार में ही सबसे अधिक बढ़त मिली थी। कोरिया जिले के तीनों विधानसभा बैकुंठपुर, मनेन्द्रगढ़ और भरतपुर-सोनहत में पार्टी पिछड़ी थी, जहां पिछली बार तीनों सीट पर कांग्रेस के विधायक थे। साल 2023 विधानसभा चुनाव के नतीजों की बात करें तो यहां की 6 सीटों के परिणाम के आधार पर भाजपा की लीड 60 हजार 154 है। कोरबा जिले में लीड 6034 की है। सर्वाधिक लीड मनेन्द्रगढ़, बैकुंठपुर, भरतपुर-सोनहत और मरवाही में है, जहां 54 हजार से अधिक की लीड है। विधानसभा चुनाव के बाद अब लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू हो चुकी है, लेकिन इस बार कांग्रेस के लिए राह आसान नहीं है।

लोकसभा चुनाव के लिए 'गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' में नाम हुआ दर्ज

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ के जिले बलौदाबाजार-भाटापारा का नाम लोकसभा चुनाव 2024 मे स्वीप अभियान में बेहतरीन भुमिका निभाने के लिए 5वीं बार 'गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' में दर्ज हुआ है। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले को एक साथ दो अवॉर्ड मिले हैं, जिसमें से एक स्वीप आटो जागरूकता अभियान जिसमें 151 आटो चालकों ने कलेक्टर के नेतृत्व में रैली निकाल मतदाताओं से मतदान की अपील की थी। वहीं दूसरा अवॉर्ड स्वीप दीपव घंटी रैली को लेकर मिला, जिसमें मतदाताओं की आरती उतारकर उन्हें मतदान हेतु आमंत्रित किया गया था। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की राज्य प्रतिनिधि सोनल शर्मा ने मतदान दलों की रवानगी से पहले उनकी उपस्थिति में कलेक्टर के एल। चौहान एवं सीईओ जिला पंचायत दिव्या अग्रवाल को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रमाण पत्र सौंपा और बधाई दी। इस मौके पर कलेक्टर चौहान ने कहा- मतदाता जागरूकता अभियान के तहत आप सबने मिलकर स्वीप अभियान के तहत बहुत अच्छा काम किया, जिसका परिणाम मिला है कि, हमें आज दो अवार्ड मिले हैं और लोकसभा चुनाव 2024 मे यह पांचवा है जो कि एक रिकार्ड है। उन्होंने रिकॉर्ड बनाने में जिले के अधिकारियों-कर्मचारियों, मतदाताओं और पत्रकारों के सहयोगिता की बड़ी भूमिका बताई। उन्होंने कहा- मै सभी को बधाई शुभकामनाएं देता हूँ साथ ही आप सब बहुत अच्छे से मतदान संपन्न कराये इसके लिए शुभकामनाएं देता हूँ।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय गृह ग्राम बगिया में करेंगे मतदान

रायपुर। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में छत्तीसगढ़ की 7 सीटों पर मंगलवार को वोटिंग होगी। सरगुजा, रायगढ़, जांजगीर-चांपा, कोरबा, बिलासपुर, दुर्ग और रायपुर सीट पर सुबह 7 बजे से मतदान शुरू होगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अपने गृह ग्राम बगिया में करेंगे मतदान करेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जशपुर जिला स्थित गृह ग्राम बगिया में अपना मतदान करेंगे। इसके लिए वे रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास से बगिया जाएंगे। साय ने छत्तीसगढ़ की जनता से मतदान में शामिल होने की अपील की है। अपने 47 दिन के तूफानी जनसभाओं के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज प्रात: 08:35 बजे अपने गृह ग्राम बगिया के लिए रवाना होंगे। जहां आज वो गांव के प्राथमिक शाला बूथ क्रमांक 49 में सपरिवार मतदान करेंगे। साय आज प्रात: 10:05 बजे से शाम 04:10 बजे तक अपने निज निवास बगिया में रहेंगे और क्षेत्र के लोगों के साथ मेल-मुलाकात करेंगे। शाम 04:15 बजे सीएम साय वापस राजधानी रायपुर के लिए रवाना होंगे।

रायपुर रेलवे स्टेशन के वेटिंग हॉल में लगी आग, यात्रियों में मची खलबली

रायपुर। रायपुर रेलवे स्टेशन में यात्रियों में उस वक्त हड़कंप मच गया। जब वेटिंग हाल में अचानक आग लग गई। आग देखते ही यात्री अपना सामान छोड़कर भाग गए। वहीं घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची रेलवे की टीम ने आग पर तत्काल काबू पाया। इस आगजनी की घटना में किसी से हताहत होने की खबर नहीं है। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर एक के फर्स्ट क्लास वेटिंग हाल में यात्री बैठे हुए ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। तभी अचानक से धुआं उठना शुरू हुआ और सभी लोग भागने लगे। इसकी सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस तत्काल पहुंच गई। वहीं लगे फायर सिस्टम से छत के रास्ते टीम ऊपर पहुंची और तत्काल आग पर काबू पा लिया गया। घटना की सूचना फायर ब्रिगेड को भी दी गई थी। फायर की एक गाड़ी भी मौके पर पहुंची लेकिन रेलवे टीम की तत्परता से आग पर काबू पाया लिया गया था। आग लगने की घटना रविवार की रात करीब 9 बजे की है। बताया जा रहा है कि आग एसी से शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी।

1 करोड़ 40 लाख मतदाता करेंगे प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला

रायपुर। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में 12 राज्यों की 94 सीटों पर 7 मई को वोटिंग होगी। छत्तीसगढ़ के 7 सीटों में वोट डाले जाएंगे। जिसमें रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, दुर्ग, रायगढ़, सरगुजा, जांजगीर-चांपा लोकसभा क्षेत्र में वोट डाले जाएंगे। वहीं आज मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर लोकसभा चुनाव 2024 के तीसरे चरण की तैयारियों के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ की 7 लोकसभा सीटों के 58 विधानसभा क्षेत्रों में सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। इन लोकसभा क्षेत्रों में मतदाताओं की कुल संख्या 1 करोड़ 39 लाख 01 हजार 285 है। पिछले चरण की तुलना में इस बार मतदाताओं की संख्या में 9.34 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस बार के चुनाव में 11 लाख 87 हजार 470 मतदाता नए हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने बताया कि कल राज्य में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। कुल मतदाता 1 करोड़ 39 लाख 01 हजार 285, पुरुष मतदाता 69 लाख 33 हजार 121, महिला मतदाता 69 लाख 67 हजार 544, तृतीय लिंग मतदाता 620, फर्स्ट टाइम वोटर्स की संख्या 3 लाख 98 हजार 416 है।

राधिका खेड़ा ने कांग्रेस पर लगाए कई आरोप

■ तीन आदमी ने मुझे कांग्रेस ऑफिस के कमरे में बंद किया :

रायपुर। राधिका खेड़ा ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। इस बीच एक इंटरव्यू में उन्होंने कई सनसनीखेज आरोप लगाये थे। इसके बाद उन्होंने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर कांग्रेस पर कई सनसनीखेज आरोप लगाये। उनके आरोप से छत्तीसगढ़ कांग्रेस में खलबली मची हुई है। राधिका खेड़ा ने आरोप लगाया है कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस के संचार विभाग के चेयरमैन सुशील आनंद शुक्ला ने अपने दो साथियों के साथ रायपुर के पार्टी ऑफिस में उनके साथ अभद्रता करने की कोशिश की। जब उन्होंने इसके बारे में पार्टी के शीर्ष नेताओं को जानकारी दी, तब आरोपी नेताओं के ऊपर कोई कार्रवाई नहीं की गई। यहां तक कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे और जयराम रमेश तक सबको इस आपत्तिजनक घटना के बारे में बताया गया, लेकिन आरोपी नेताओं पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद हताश होकर उन्होंने कांग्रेस पार्टी को अलविदा कह दिया।

उन्होंने कहा कि घटना 30 अप्रैल की है। शाम को लगभग छह बज रहे थे। मैं पार्टी ऑफिस में कुछ काम कर रही थी। उसी समय छत्तीसगढ़ कांग्रेस का प्रवक्ता सुशील आनंद शुक्ला अपने दो साथियों - नितिन भंसाली और सुरेंद्र वर्मा - के साथ कमरे में आया। ये दोनों लोग भी छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रवक्ता हैं। इसके एक साथी ने कमरा पीछे से बंद कर लिया। कमरा किसने बंद किया, यह मैं नहीं देख पाई, लेकिन कमरा बंद होने की आवाज सुनते ही मैंने अपना फोन निकाल लिया और कैमरा चालू कर दिया। मैंने चिल्लाना शुरू कर दिया। इसके बाद बाहर निकलकर मैंने इस घटना की जानकारी सबको दी। लेकिन किसी ने कोई कार्रवाई नहीं की। जब इस घटना के छह दिन बीत जाने के बाद भी ऐसे अपराधियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, मैंने कांग्रेस छोड़ने का फैसला कर लिया।

उन्होंने बताया कि मैंने पूर्व सीएम भूपेश बघेल के राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा को कॉल किया उनसे मेरी बात हुई तो मुझे कहा गया कि तुम कॉर्डिनेट करके नहीं चलती है। इस बीच पवन खेड़ा को मैंने जब पूरी बात बताया तब मुझे डांट पड़े कि तुम जो कर रही हो गलत है। आवाज उठा रही हो जो गलत है।

उसके बाद भूपेश बघेल ने मुझे कॉल बैक किया। उनसे करीब आधे घंटे तक बात हुई। जब मैंने सुशील आनंद शुक्ला से विवाद के बारे में बताया और अपने साथ हुए दुर्व्यहार को लेकर राजनीति छोड़ने की बात कहीं तो उन्होंने कहा कि तुम छत्तीसगढ़ ही छोड़ दो। तब मुझे समझ में आ गया कि किस तरह पड़यंत्र के साथ मेरे साथ यह सब किया गया। उसके बाद छह दिन तक मैं इंतजार करती रही। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, जयराम रमेश, खड़गे जो कांग्रेस पार्टी चलाते हैं सबको लगातार कॉल किया। मैसेज किया। चिट्ठियां लिखीं पर मुझे कहीं से संतोषजनक जवाब नहीं मिला। कहीं से कोई भी मदद नहीं की गई। जयराम रमेश ने मेरा मैसेज भी पढ़ा लेकिन कोई जवाब नहीं दिया। एक बार मुझसे बात नहीं की गई। मैं अपने मर्जी से छत्तीसगढ़ नहीं गई थी, मुझे पार्टी ने बाकायदा तीसरी बार भेजा था। जब मैंने ट्वीट करना शुरू किया और न्याय की गुहार लगाई तब जयराम रमेश सिंह का फोन आया और उन्होंने कहा कि तुम सही नहीं कर रही हो। राधिका खेड़ा ने कहा कि जब राहुल गांधी जी भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाल रहे थे, मैं छत्तीसगढ़ में यात्रा की प्रभारी थी। उसी समय से मेरे साथ अभद्रता करने की कोशिश की गई थी। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान मैं कोरबा में जिस होटल में ठहरी थी, सुशील आनंद शुक्ला मुझसे यह जानने की कोशिश करता था कि मैं होटल के किस कमरे में रुकी हुई हूं। मुझे शराब ऑफर की जाती थी। यह पूछा जाता था कि किस कमरे में रुकी हुई हूं और मुझे कौन सी शराब भेज दी जाए। इस घटना की दो लड़कियां गवाह भी हैं। लेकिन यह बेहद अपमानजनक और शर्मनाक था। इसके बारे में उस समय भी मैंने अपनी पार्टी के बड़े नेताओं को जानकारी दी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। लेकिन समझदारी बरतते हुए मैं उन नेताओं से दूरी बरत रही थी।

कांग्रेस के नारे लड़की हूं लड़ सकती हूं के लिये बड़ी चुनौती बनेंगे राधिका के आरोप

रायपुर। प्रियंका गांधी के नारे लड़की हूं लड़ सकती हूं पर कहा कि यह तो सबसे बड़ा दुर्भाग्य है। लड़की हूं, लड़ सकती हूं का नारा देना आसान था, लेकिन जब अपनी ही पार्टी की एक नेता के लिए लड़ने की बात आई, उसे न्याय दिलाने की बात आई तो प्रियंका जी ने कुछ नहीं किया। जब सीधी बात नहीं बनी, तब मैंने ट्वीट कर प्रियंका गांधी से न्याय मांगा। तब उनसे कुछ पूछताछ की बात कही गई थी, लेकिन हुआ कुछ भी नहीं। राधिका खेड़ा ने बताया कि जब राहुल गांधी जी भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाल रहे थे, मैं छत्तीसगढ़ में यात्रा की प्रभारी थी। उसी समय से मेरे साथ अभद्रता करने की कोशिश की गई थी। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान मैं कोरबा में जिस होटल में ठहरी थी, सुशील आनंद शुक्ला मुझसे यह जानने की कोशिश करता था कि मैं होटल के किस कमरे में रुकी हुई हूं। मुझे शराब ऑफर की जाती थी। यह पूछा जाता था कि किस कमरे में रुकी हुई हूं और मुझे कौन सी शराब भेज दी जाए। इस घटना की दो लड़कियां गवाह भी हैं। लेकिन यह बेहद अपमानजनक और शर्मनाक था। इसके बारे में उस समय भी मैंने अपनी पार्टी के बड़े नेताओं को जानकारी दी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। लेकिन समझदारी बरतते हुए मैं उन नेताओं से दूरी बरत रही थी। उन्होंने साक्षात्कार में बताया कि यह बात 30 अप्रैल की है। शाम को लगभग छह बज रहे थे। मैं पार्टी ऑफिस में कुछ काम कर रही थी। उसी समय छत्तीसगढ़ कांग्रेस का प्रवक्ता सुशील आनंद शुक्ला अपने दो साथियों - नितिन भंसाली और सुरेंद्र वर्मा - के साथ कमरे में आया। ये दोनों लोग भी छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रवक्ता हैं। इसके एक साथी ने कमरा पीछे से बंद कर लिया। कमरा किसने बंद किया, यह मैं नहीं देख पाई, लेकिन कमरा बंद होने की आवाज सुनते ही मैंने अपना फोन निकाल लिया और कैमरा चालू कर दिया। मैंने चिल्लाना शुरू कर दिया। इसके बाद बाहर निकलकर मैंने इस घटना की जानकारी सबको दी। लेकिन किसी ने कोई कार्रवाई नहीं की। जब इस घटना के छह दिन बीत जाने के बाद भी ऐसे अपराधियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, मैंने कांग्रेस छोड़ने का फैसला कर लिया। मैंने हर बड़े नेता को इस घटना के बारे में बताया और कार्रवाई करने की मांग की थी। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, जयराम रमेश, पवन खेड़ा जैसे हर नेता से मैंने अपनी बात रखी। लेकिन किसी ने कोई कार्रवाई नहीं की। यहां तक कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रभारी सचिन पायलट से भी बात की, लेकिन किसी नेता ने कोई कार्रवाई नहीं की। उन्हें एक नोटिस तक नहीं दिया गया। पूरी पार्टी में केवल पवन खेड़ा एकमात्र ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने इस पर कार्रवाई करने की बात कही थी। इस घटना की जानकारी होने के बाद केवल उन्हीं का फोन मेरे पास आया था। लेकिन उनके हाथ में ज्यादा कुछ नहीं है। इसलिए वे चाहकर भी कुछ नहीं कर पाए। खेड़ा ने कहा कि सुशील आनंद शुक्ला भूपेश बघेल के आदमी माने जाते हैं। उन्होंने ही सुशील आनंद शुक्ला को आगे बढ़ाया है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस में भूपेश बघेल ही सबसे ताकतवर आदमी हैं। यही कारण है कि सुशील आनंद शुक्ला के खिलाफ कोई कुछ नहीं बोला। मैंने खुद भूपेश बघेल को भी इसके बारे में पूरी जानकारी दी थी। पूरी शिकायत लिखकर देने के लिए तैयार थी। लेकिन मेरी बात नहीं सुनी गई। किसी ने उन अपराधियों के खिलाफ कुछ नहीं किया। दुर्भाग्य देखिए, इस घटना के बाद मेरे साथ न्याय होने की बात कौन कहे, उलटे मुझे ही परेशान किया जाने लगा। यहां तक कि मुझे मीडिया में बहस करने से जाने से भी रोका जाने लगा। इस मामले में आगे की कार्रवाई पर कहा कि यह मेरे आत्मसम्मान का विषय है। मैं ऐसे अपराधियों को खुले नहीं घूमने दूंगी। लेकिन अपने करीबियों से बात करके जल्द ही इस पर निर्णय लूंगी। आपको जल्द ही सब कुछ पता चल जाएगा। अन्य कांग्रेस नेत्रियों के प्रताड़ना के सवाल पर कहा कि मैंने कांग्रेस के राष्ट्रीय कार्यालय में महिलाओं के साथ अभद्रता होते हुए देखा है। जो लड़कियां प्रियंका गांधी के लिए काम कर रही थीं, उनमें से एक को पार्टी कार्यालय में पीटा गया था। उस लड़की को पीटने वालों में कांग्रेस में महत्त्वपूर्ण पद पर काम करने वाला संदीप सिंह भी शामिल है। लेकिन बड़े नेताओं का हाथ होने के कारण उस पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई थी। इसी प्रकार प्रियंका चतुर्वेदी, अंकिता दत्ता और अर्चना गौतम जैसी कई महिलाओं के साथ कांग्रेस पार्टी के अंदर अभद्रता हो रही है और कोई कुछ नहीं बोल रहा है। आप सोचिए कि कांग्रेस के नेता अंजन दत्ता की बेटी अंकिता दत्ता के साथ इसी समय कांग्रेस का नेता श्रीनिवास बदतमीजी करता है, लेकिन इसके बाद भी उसका कोई बाल बांका नहीं हुआ।

कांग्रेसियों ने राधिका अपमान किया : अजय चंद्राकर

रायपुर। कुछ दिन पहले राधिका खेड़ा ने छत्तीसगढ़ कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला पर अभद्रता करने का आरोप लगाया था और रविवार को कांग्रेस से इस्तीफा दे दी। उनके इस्तीफे के बाद से कांग्रेस पर लागतार सवाल उठ रहे हैं और भाजपा आरोप लगा रही है। वहीं भाजपा वरिष्ठ नेता और विधायक अजय चंद्राकर ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राधिका खेड़ा को कांग्रेस से उन्हें न्याय नहीं मिला, वे अपमानित हुई। उनके अपमान से छत्तीसगढ़ का सर शर्म से झुक गया है। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। कांग्रेसियों ने उनका अपमान किया इसलिए भाजपा की ओर आ रही हैं। इसके साथ ही अजय चंद्राकर ने अन्य मुद्दों पर भी बयान दिया है।

मीडिया से चर्चा करते हुए विधायक अजय चंद्राकर ने राधिका खेड़ा ने कांग्रेस से इस्तीफा देने पर कहा कि कांग्रेस से उन्हें न्याय नहीं मिला, वे अपमानित हुई। उनके अपमान से छत्तीसगढ़ का सर शर्म से झुक गया है। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि कोई प्री प्लान नहीं होता, क्या अपमान प्री प्लान होता है ? लड़ाई झगड़ा प्री प्लान नहीं होता। कांग्रेसियों ने उनका अपमान किया इसलिए भाजपा की ओर आ रही

हमें लोगों में भाजपा के पक्ष में भारी उत्साह दिख रहा है। भाजपा राज्य की 11 में से 11 सीटें जीत रही है। वहीं कांग्रेस नेता राधिका खेड़ा के इस्तीफे पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस भवन में उनके अपने ही लोगों ने उनका अपमान किया। वे नारी न्याय की बात करते हैं। लेकिन उनकी कथनी और करनी में बहुत अंतर है।

राधिका खेड़ा ने कांग्रेस पार्टी छोड़ दी है। उन्होंने आरोप लगाया है कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस के एक नेता सुशील आनंद शुक्ला ने अपने दो साथियों के साथ रायपुर के पार्टी ऑफिस में उनके साथ अभद्रता करने की कोशिश की। लेकिन जब उन्होंने इसके बारे में पार्टी के शीर्ष नेताओं को जानकारी दी। तब आरोपी नेताओं के ऊपर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

उन्होंने आगे कहा कि यहां तक कि राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे और जयराम रमेश तक सबको इस आपत्तिजनक घटना के बारे में बताया गया, लेकिन आरोपी नेताओं पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद हताश होकर उन्होंने कांग्रेस पार्टी को अलविदा कह दिया। राधिका खेड़ा ने अपने साथ हुई घटना के बारे में अमर उजाला को विस्तृत जानकारी दी है।

कांग्रेस की कथनी और करनी में अंतर; भाजपा की जीत का दावा

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि हम जहां भी जा रहे हैं, भाजपा के पक्ष में नतीजें आयेंगे। भाजपा प्रचंड बहुमत से चुनाव जीतेगी। कांग्रेस चुनाव लड़ने की औपचारिकता कर रही है।

राधिका खेड़ा के आरोप पर पीसीसी चीफ दीपक बैज का बयान, कहा-

सच है कि विवाद हुआ था, क्या कार्रवाई करनी है ये पार्टी को करना है निर्णय

रायपुर। कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद राधिका खेड़ा ने आज दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस लिया। कॉन्फ्रेंस में रोते हुए उन्होंने सुशील आनंद शुक्ला पर गंभीर आरोप लगाए। राधिका खेड़ा के प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने भी मीडिया से चर्चा कर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि दो-तीन चीज उन्होंने कहा है। मैं राम भक्त हूं और पार्टी कार्यालय में अभद्रता हुई है। मैंने आईसीसी से इसका परीक्षण करने कहा है। मैंने जांच कर रिपोर्ट एआईसीसी को भेज दी है। आज हमारे कंट्रोल रूम में हो या अन्य जगह महिलाएं काम कर रही है। कांग्रेस में ऐसा कभी नहीं हो सकता है। उन्होंने बताया कि राधिका खेड़ा और सुशील आनंद के बीच छोटी-मोटी बहस होती रहती थी। पीसी के अधिकार को लेकर विवाद हुआ था यह सच है। रही बात राम मंदिर जाने की तो ये सही नहीं है, तो उससे किसी को कोई दिक्कत नहीं है।

राधिका खेड़ा के बीजेपी में शामिल होने की संभावनाओं पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि शामिल होना न होना उनका व्यक्तिगत निर्णय है। अगर जो गलत है तो पार्टी करवाई करेगी। राधिका खेड़ा के लगाए गए आरोपों पर पीसीसी दीपक बैज ने कहा, गुस्से में हैं तो आरोप लगा रही हैं। शराब के मामले में कुछ नहीं कहना है। कौन दोषी है उनके साथ क्या करना ये पार्टी को निर्णय करना है।

राधिका खेड़ा के भूपेश बघेल समेत पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं से बात करने के विषय पर दीपक बैज ने कहा कि उन दोनों के बीच क्या बात हुई इसपर मैं कुछ नहीं कह पाऊंगा। अभी देखेंगे आगे जो भी पार्टी का निर्णय होगा।

इस मामले में जब पूर्व सीएम भूपेश बघेल से संपर्क किया तो उन्होंने इस विवाद मामले में कुछ भी कहने से इंकार कर दिया। वहीं इस मामले में सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि उनके सभी आरोप बेबुनियाद हैं। वो मेरा चरित्र हनन की कोशिश कर रही हैं। विवाद ऑफिस में हुआ था न की कमरे में। उनके सभी आरोप मनगढ़त हैं।

शुक्ल के बाद जिस सीट पर कांग्रेस कमजोर होती चली गई वहां जीत और हार को छोड़ लीड की चर्चा

रायपुर का समीकरण

रायपुर। छत्तीसगढ़ के आधार में रायपुर की सियासत भी खड़ी है। और राजधानी की सियासत की कहानी बड़ी लंबी है। 1952 के पहले आम चुनाव से लेकर 2024 के इस चुनाव तक के समीकरण को समझने के लिए चुनावी इतिहास को जानना भी जरूरी है। और इस चुनावी इतिहास में भारतीय राजनीति में चर्चित रहने वाले कई दिग्गजों के नाम हैं। जैसे- आचार्य कृपलानी, मिनीमाता, पुरुषोत्तम लाल कौशिक, श्यामचरण, विद्याचरण शुक्ल, रमेश बैस।

चुनावी इतिहास- रायपुर लोकसभा का अस्तिव सन् 1952 के पहले चुनाव के समय से है। 1952 में इस सीट दो सांसदों का चुनाव हुआ था। अनारक्षित वर्ग से भूपेन्द्रनाथ मिश्रा से और एक एससी आरक्षित वर्ग से मिनीमाता। दोनों ही कांग्रेस की टिकट पर जीते थे। 57 के चुनाव में राजपरिवार के सदस्यों ने जीत हासिल की। राजा बीरेन्द्र बहादुर सिंह और रानी केशर देवी कांग्रेस की टिकट पर जीते। 62 के चुनाव में रायपुर लोकसभा सीट का विभाजन हुआ और यहां से एक ही सांसद चुने की शुरुआत हुई। 62 के चुनाव में कांग्रेस की टिकट पर ही दूसरी बार रानी केशर देवी सांसद बनीं थी। वहीं 67 के चुनाव में लखन लाल गुप्ता और 71 के चुनाव में कांग्रेस की टिकट पर विद्याचरण शुक्ल जीते थे। इसी तरह से 52 से लेकर 71 के चुनाव लगातार कांग्रेस पार्टी जीतती रही।

1975 के आपातकाल के बाद 77 में हुए चुनाव में इंदिरा विरोधी लहर के बीच कांग्रेस की करारी हार हुई। जनता पार्टी से तब दिग्गज समाजवादी नेता पुरुषोत्तम कौशिक जीते थे। हालांकि 80 के चुनाव में कांग्रेस की शानदार वापसी हुई। 80 और 84 के चुनाव में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और गांधीवादी छवि के नेता केयूर भूषण कांग्रेस से निर्वाचित हुए थे।

कांग्रेस की वापसी को 1989 के चुनाव में जोरदार झटका तब लगा, जब पहली बार इस सीट पर भाजपा का कमल खिला था। 89 के चुनाव में भाजपा की टिकट पर जीतकर रमेश पहली बार संसद पहुँचे थे। हलांकि इसके दो साल बाद ही हुए चुनाव में वीसी शुक्ल ने जीतकर कांग्रेस की वापसी करा दी थी।

91 के चुनाव में हुई कांग्रेस की वापसी एक तरह से अंतिम जीत की तरह इतिहास में दर्ज हो गई है। क्योंकि 91 के बाद कांग्रेस इस सीट पर जीत ही नहीं पा रही है। 1996 के चुनाव में भाजपा की टिकट पर रमेश दूसरी बार जीतने में सफल रहे थे। बैस की दूसरी जीत के साथ ही यह सीट भाजपा के गढ़ में बदल गई और बैस लगातार चुनाव जीतते रहे। 89 की पहली जीत के बाद 96, 98, 99, 2004, 09 और 14 के चुनाव तक 7 बार जीत कार रिकॉर्ड बना दिया।

2019 के चुनाव में भाजपा प्रयोग किया और लगातार 6 चुनाव जीतने वाले रमेश बैस का केंद्रीय मंत्री रहते टिकट काट दिया। बैस की जगह ओबीसी वर्ग से नए चेहरे के तौर पर सुनील सोनी को मैदान में उतारा और उन्होंने जीत का परचम लहराया। सुनील सोनी रायपुर नगर निगम के महापौर रहे और उन्होंने 2019 के चुनाव में महापौर रहे कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद दुबे को 3 लाख से अधिक मतों से हराकर इतिहास रचा था।

2024 के चुनाव में भाजपा ने फिर प्रयोग किया और मौजूदा सांसद सुनील सोनी की जगह भाजपा के दिग्गज नेता और साय सरकार में मंत्री बृजमोहन अग्रवाल को टिकट दे दिया। बृजमोहन अग्रवाल के मुकाबले कांग्रेस ने भी प्रयोग किया है। उन्होंने युवा चेहरे और पश्चिम के

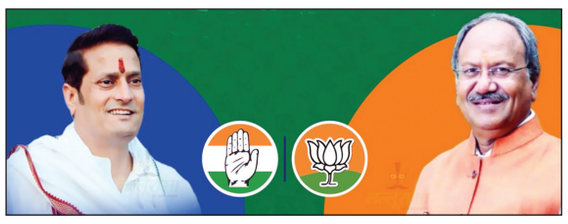

पूर्व विधायक विकास उपाध्याय को प्रत्याशी बनाया है।

भाजपा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल छत्तीसगढ़ भाजपा में सबसे वरिष्ठ और ताकतवर नेता हैं। 4 दशक से सक्रिय राजनीति में हैं। लगातार 8 बार के विधायक हैं। लोकसभा चुनाव पहली बार लड़ रहे हैं, लेकिन 7 लोकसभा चुनावों के संचालक रहे हैं। प्रदेश भर में समर्थकों की मजबूत टीम है। राजनीति के साथ सामजाकि क्षेत्र में सबसे सक्रिय नेता हैं। आर्थिक रूप से समृद्ध परिवार से हैं। राज्य से लेकर केंद्र तक चिर-परिचित चेहरा। अन्य राजनीतिक दलों के साथ भी व्यक्तिगत तौर पर बेहतर संबंध।

वहीं कांग्रेस प्रत्याशी विकास उपाध्याय दो दशक से अधिक समय से राजनीति में हैं। वर्मतान में कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव हैं। रायपुर पश्चिम से विधायक रहे हैं। युवाओं के बीच लोकप्रिय, मिलसार और जुझारू नेता की छवि है। राष्ट्रीय स्तर पहचान रखने के साथ ही गांधी परिवार के भी करीबी हैं।

भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशियों के साथ ही रायपुर लोकसभा सीट से चुनाव मैदान में 36 अन्य प्रत्याशी भी हैं।

रायपुर लोकसभा सीट में रायपुर और बलौदाबाजार जिले की 9 विधानसभा सीटें शामिल हैं। रायपुर उत्तर, दक्षिण, पश्चिम, ग्रामीण, अभनपुर, आरंग, धरसींवा, भाटापारा और बलौदाबाजार। इन 9 सीटों में 8 में भाजपा काबिज सिर्फ एक भाटापारा सीट में कांग्रेस का कब्जा है। ग्रामीण और शहरी भौगोलिक रूप से समान है, लेकिन आबादी शहरी क्षेत्रों की अधिक है। क्योंकि लोकसभा में क्षेत्र में दो नगर निगम रायपुर और बीरगांव शामिल हैं। इसी तरह से भाटापारा, बलौदाबाजार नगर पालिका है, जबकि आरंग, अभनपुर और धरसींवा नगर पंचायत हैं। शहरी क्षेत्रों में भाजपा की पकड़ लोकसभा के चुनाव में कई दशकों से बेहद मजबूत रही है, जबकि कांग्रेस शहरी क्षेत्रों में लोकसभा चुनाव में कमजोर हो चली गई है। इस सीट पर जातिगत समीकरण बेअसर ही रहा है। हालांकि कुर्मी समाज के रमेश बैस 7 बार तक इस सीट से सांसद रहे, जिससे यह चर्चा होती रही है कुर्मी समाज का एक तरफा प्रभाव दिखता है, लेकिन ऐसा नहीं है। इस सीट पर अलग-अलग समाज के लोग भी चुनाव जीतते रहे हैं।

2019 के चुनाव में कांग्रेस को करारी हार हुई थी। कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद दुबे को भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी ने 3 लाख 48 हजार से भी अधिक मतों से हराकर जीत का रिकॉर्ड बना दिया था। सोनी को 8 लाख 23 हजार 902 वोट मिले थे, जबकि दुबे को 4 लाख 89 हजार 664 वोट मिले थे। तीसरे नंबर बसपा के खिलेश्वर रहे थे, जिन्हें करीब 11 हजार मत प्राप्त हुए थे। वहीं कुल 68 फीसदी मतदाताओं ने मतदान किया था।

जीत-हार से ज्यादा लीड की चर्चा- रायपुर लोकसभा सीट में 2024 के चुनाव में जीत-हार से कहीं ज्यादा चर्चा शहर लेकर गांवों, पार्टी कार्यालयों से लेकर चौक-चौराहों तक लीड की है। चर्चा ये कि जो जीतेगा उसकी लीड क्या होगी ? किस अंतर से प्रत्याशी हारेगा ? इसके पीछे शायद वजह कई बड़े दिग्गजों के चुनाव हारने की भी रही है। भाजपा ने रायपुर लोकसभा को एक ऐसा अभेद्य किला बना डाला है, जिसे 1996 के बाद बड़े से बड़े दिग्गज कांग्रेस के नेता भी नहीं भेद पाए हैं। वीसी शुक्ल जैसे दिग्गज नेता 96 के चुनाव में हारे, तो कांग्रेस में हार का सिलसिला ही चल पड़ा। इसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री श्यामाचरण शुक्ल, भूपेश बघेल और सत्यनारायण शर्मा भी हारे हैं।

ऐसे में अब युवा नेता और कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव विकास उपाध्याय ने अजेय योद्धा बृजमोहन अग्रवाल के खिलाफ चुनाव लड़कर सबको चौंका दिया है। जिस रायपुर में कांग्रेस के बड़े से बड़े दिग्गज चुनाव से दूरी बना रहे वहां विकास विधानसभा चुनाव हारने के बाद फिर से चुनाव लड़ने की तैयार में जुट चुके थे। चुनाव प्रचार में विकास उपाध्याय और बृजमोहन अग्रवाल दोनों ने पूरी ताकत झोंक दी है। लेकिन जानकारों का यही मानना है कि रायपुर सीट में राम का नाम भारी है। हिंदुत्व की लहर और मोदी मैजिक भी प्रभावकारी है। लेकिन बेरोजगारी और किसानों का मुद्दा चुनाव के समीकरण प्रभावित करेंगे। बावजूद इसके चर्चा जीत-हार से कहीं ज्यादा लीड की है।

मुद्दे- मेट्रों सुविधा की मांग, शुद्ध पेयजल, पर्यावरण, बढ़ते औद्योगिकीकरण, आईटी पार्क, धान, किसान, सरकारी भर्तियां, ग्रामीणों क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाएं। चर्चा में महतारी वंदन और महालक्ष्मी नारी न्याय योजना भी। कुल मतदाता- 20,46,014, पुरुष मतदाता- 10,39,867 पुरुष मतदाता, महिला मतदाता- 10,05,871 महिला। पिछले लोकसभा चुनाव में 13,96,250 मतदाताओं ने मतदान किया था। मतलब यहां 68 फीसदी मतदान हुआ था।

संविधान में भी राज्यपाल को मिली है इम्यूनिटी

अभिनय आकाश

2024 के रण में पीएम मोदी इन दिनों जबरदस्त चुनावी प्रचार में जुटे हैं। हर दिन अलग अलग राज्यों का दौरा कर रहे हैं। पीएम मोदी की नजर इन दिनों खासकर पश्चिम बंगाल पर टिकी है। आलम ये है कि पीएम मोदी बंगाल में एक ही दिन में तीन-तीन रैलियां करते नजर आ रहे हैं। भ्रष्टाचार, लूट, सीएए और संदेशखाली को लेकर ममता बनर्जी को घेरा। लेकिन इन सब के बीच बंगाल में एक नया विवाद खड़ा हो गया। विवाद पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस को लेकर है। उन पर छेड़खानी का आरोप लगा है। दरअसल, राजभवन में पीस रूम से जुड़ी अस्थायी कर्मचारी होने का दावा करने वाली महिला ने छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि वो 24 मार्च को स्थायी नौकरी का निवेदन लेकर राज्यपाल के पास गई थी। तब राज्यपाल ने उससे बदसलूकी की और उसने मामले को लेकर हरे स्ट्रीट थाने में लिखित में शिकायत भी दर्ज करवा दी। इसके साथ ही राज्यपाल के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जा रही है। हालांकि राज्यपाल ने आरोपों का खंड करते हुए इसे साजिश करार दिया है। उन्होंने इसे इंजीनियर्ड नैरेटिव बताया है। महिला की शिकायत के बावजूद राज्यपाल के खिलाफ अभी तक यौन उत्पीड़न की धाराओं में केस दर्ज नहीं हुआ है। बंगाल पुलिस कानूनी सलाह ले रही है कि इस मामले में कार्रवाई कैसे की जाए? संवैधानिक छूट पुलिस को राज्यपाल को आरोपी के रूप में नामित करने या यहां तक कि मामले की जांच करने से रोकती है और गिरफ्तारी से इम्यूनिटी मिली हुई है। संविधान का अनुच्छेद 361 जो राष्ट्रपति और राज्यपालों की प्रतिरक्षा से संबंधित है, कहता है कि वे अपने कार्यालय की शक्तियों और कर्तव्यों के प्रयोग और प्रदर्शन के लिए या उनके द्वारा किए गए या किए जाने वाले किसी कार्य के लिए किसी भी अदालत के प्रति जवाबदेह नहीं होंगे। प्रावधान में दो महत्वपूर्ण उप-खंड भी हैं : (1) कि राष्ट्रपति या किसी राज्य के राज्यपाल के खिलाफ उनके कार्यकाल के दौरान किसी भी अदालत में कोई भी आपराधिक कार्यवाही शुरू या जारी नहीं रखी जाएगी। (2) राष्ट्रपति या किसी राज्य के राज्यपाल की गिरफ्तारी या कारावास की कोई प्रक्रिया उनके कार्यकाल के दौरान किसी भी अदालत से जारी नहीं की जाएगी। वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया मुकदमा चलाने पर पूरी तरह रोक लगाता है। उसे आरोपी नहीं बनाया जा सकता। पुलिस केवल राज्यपाल के पद से हटने के बाद ही कार्रवाई कर सकती है, जो तब होता है जब या तो राज्यपाल इस्तीफा दे देता है या फिर उसे राष्ट्रपति का विश्वास प्राप्त नहीं होता है। 2006 में रामेश्वर प्रसाद बनाम भारत संघ के ऐतिहासिक फैसले में राज्यपाल को व्यक्तिगत दुर्भावना के आरोप पर भी प्राप्त छूट की रूपरेखा दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कानून में स्थिति यह है कि राज्यपाल को पूर्ण छूट प्राप्त है। कोर्ट ने कहा था कि राज्यपाल अपने कार्यालय की शक्तियों और कर्तव्यों के प्रयोग और प्रदर्शन के लिए या उन शक्तियों और कर्तव्यों के प्रयोग और प्रदर्शन में उनके द्वारा किए गए या किए जाने वाले किसी भी कार्य के लिए किसी भी न्यायालय के प्रति जवाबदेह नहीं है। यह फैसला वास्तव में आपराधिक शिकायतों के लिए नहीं बल्कि विवेकाधीन संवैधानिक शक्तियों का प्रयोग करने के लिए है। हालाँकि, ऐसे कई उदाहरण हैं जहाँ राज्यपाल द्वारा अपना कार्यकाल पूरा करने तक आपराधिक कार्रवाई रोक दी गई थी। 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने 1992 में बाबरी मस्जिद के विध्वंस में भाजपा नेताओं लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, उमा भारती के खिलाफ आपराधिक साजिश के नए आरोपों की अनुमति दी। हालाँकि, यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के लिए सुनवाई नहीं हुई क्योंकि वह उस समय राजस्थान के राज्यपाल थे। सुप्रीम कोर्ट ने उस वक्त कहा था कि कल्याण सिंह, राजस्थान के राज्यपाल होने के नाते, संविधान के अनुच्छेद 361 के तहत तब तक छूट के हकदार हैं जब तक वह राजस्थान के राज्यपाल बने रहेंगे। जैसे ही वह राज्यपाल नहीं रहेंगे, सत्र न्यायालय उनके खिलाफ आरोप तय करेगा और कदम उठाएगा। 2017 में राजभवन के कर्मचारियों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद केंद्र के आदेश के बाद मेघालय के तत्कालीन राज्यपाल वी षणमुगनाथन ने इस्तीफा दे दिया था। 2009 में आंध्र प्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल एन डी तिवारी ने भी राजभवन में कथित सेक्स स्कैंडल के बाद स्वास्थ्य के आधार पर इस्तीफा दे दिया था। उस वीडियो क्लिप को तेलुगू चैनल ने प्रसारित किया था। हैदराबाद हाई कोर्ट ने इस वीडियो क्लिप को चलाने पर तुरंत रोक लगवाई थी। उस समय कई महिला संगठनों ने तिवारी के खिलाफ एक्शन लिए जाने की मांग की थी।

मुंबई की सीटों पर फँसा मामला

नीरज कुमार दुबे

मुंबई में छह संसदीय क्षेत्रों में राजनीतिक लड़ाई का मैदान सज चुका है और दोनों तरफ से आरोप-प्रत्यारोप के तीर एक दूसरे पर चलाये जा रहे हैं। छह में से तीन सीटों पर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना आमने सामने हैं तो बाकी की तीन सीटों में से दो पर भाजपा का मुकाबला कांग्रेस से होगा और एक सीट पर भगवा पार्टी शिवसेना (यूबीटी) से भिड़ेगी। हम आपको बता दें कि मुंबई में छह निर्वाचन क्षेत्र हैं- मुंबई दक्षिण, मुंबई दक्षिण-मध्य, मुंबई उत्तर, मुंबई उत्तर-मध्य, मुंबई उत्तर-पूर्व और मुंबई उत्तर-पश्चिम। मुंबई की छह सीटें महाराष्ट्र की उन 13 सीटों में से हैं जिन पर 20 मई को पांचवें और अंतिम चरण में मतदान होगा।

मुंबई दक्षिण, मुंबई दक्षिण-मध्य और मुंबई उत्तर-पश्चिम में दोनों शिव सेनाओं के बीच मुकाबला होगा, जबकि मुंबई उत्तर-पूर्व में भाजपा बनाम शिवसेना (यूबीटी) का आमना-सामना होगा। मुंबई दक्षिण में उद्धव ठाकरे के मौजूदा सांसद अरविंद सावंत शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना की यामिनी जाधव से मुकाबला करेंगे। यामिनी जाधव मुंबई के बायकुला विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हैं। शिवसेना (यूबीटी) के नेता अनिल देसाई का मुकाबला मुंबई दक्षिण-मध्य में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के राहुल शेवाले से है। हम आपको बता दें कि अनिल देसाई हाल तक राज्यसभा सदस्य थे, वहीं राहुल शेवाले मौजूदा लोकसभा सदस्य हैं। इसके अलावा, मुंबई उत्तर-पश्चिम में उद्धव ठाकरे खेमे के अमोल कीर्तिकर का मुकाबला सत्तारुढ़ शिवसेना के रवींद्र वायकर से होगा। रवींद्र वायकर पहले शिवसेना (यूबीटी) में थे, वह हाल ही में शिंदे खेमे में शामिल हुए हैं। वह वर्तमान में मुंबई में जोगेश्वरी पूर्व विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

इसके अलावा, कांग्रेस विधायक वर्षा गायकवाड़, जो पार्टी की मुंबई इकाई की अध्यक्ष भी हैं वह मुंबई उत्तर-मध्य में भाजपा द्वारा मैदान में उतारे गए प्रसिद्ध वकील उज्ज्वल निकम के खिलाफ लड़ रही हैं, जबकि केंद्रीय मंत्री और भाजपा के दिग्गज नेता पीयूष गोयल मुंबई उत्तर में कांग्रेस के भूषण पाटिल से मुकाबला करेंगे। हम आपको बता दें कि वर्षा गायकवाड़ जहां मुंबई में धारावी विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हैं, वहीं पीयूष गोयल राज्यसभा सदस्य हैं। इसके अलावा, मुंबई नॉर्थ-ईस्ट में भाजपा के मिहिर कोटेचा का मुकाबला शिवसेना यूबीटी के संजय दीना पाटिल से होगा। हम आपको बता दें कि मिहिर कोटेचा मुंबई के मुलुंड विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं।

भाजपा ने महाराष्ट्र में सभी तीन मौजूदा सांसदों को बदल दिया है, जबकि शिंदे की शिवसेना ने केवल राहुल शेवाले (मुंबई दक्षिण-मध्य) को फिर से नामांकित किया है। मुंबई उत्तर-पश्चिम के चुनावों में अजीब स्थिति देखने को मिल रही है क्योंकि शिवसेना ने यहां से गजानन कीर्तिकर की जगह रवींद्र वायकर को उतारा है। खास बात यह है कि गजानन कीर्तिकर के बेटे अमोल कीर्तिकर को इस सीट से शिवसेना यूबीटी ने टिकट दिया है लेकिन गजानन कीर्तिकर का कहना है कि वह राजधर्म का पालन करते हुए अपने बेटे के खिलाफ चुनाव प्रचार करेंगे।

हम आपको बता दें कि मुंबई उत्तर-मध्य से अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद, वर्षा गायकवाड़ ने उद्धव ठाकरे से मुलाकात की थी। इस दौरान उद्धव ने उन्हें अपना समर्थन देने का वादा किया और कहा कि उन्हें एक सांसद के रूप में दिल्ली भेजा जाएगा। यहां एक रोचक बात यह है कि यह पहली बार होगा कि ठाकरे किसी कांग्रेस उम्मीदवार को वोट देंगे क्योंकि बांद्रा स्थित उनका आवास मुंबई उत्तर-मध्य निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आता है। गौरतलब है कि कांग्रेस और शिवसेना 2019 तक मुंबई में पारंपरिक रूप से राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी रहे हैं। वैसे प्रतिद्वंद्वी होने के बावजूद, दोनों पार्टियां सत्ता में पद पाने के लिए कई मौकों पर रणनीतिक साझेदारी करती रही हैं खासकर मुंबई नगर निकाय में। 2019 में उद्धव ठाकरे के पाला बदलने के बाद से तो दोनों दलों के बीच अच्छी दोस्ती देखने को मिल रही है।

मुंबई में विभिन्न राजनीतिक दलों की जमीनी स्थिति की बात करें तो 2014 के बाद से कांग्रेस मुंबई की सभी लोकसभा सीटें हारी है जबकि 2019 के विधानसभा चुनाव में वह यहां की 36 में से केवल पांच सीटें ही जीत सकी थी। मुंबई दक्षिण के पूर्व सांसद मिलिंद देवड़ा के शिवसेना में चले जाने और मुंबई उत्तर-मध्य की पूर्व सांसद प्रिया दत्त के दोबारा चुनाव लड़ने से इंकार करने के कारण, कांग्रेस के पास मैदान में उतारने के लिए कोई उम्मीदवार नहीं था। पार्टी नेता संजय निरुपम वहां से लड़ना चाहते थे लेकिन महा विकास अघाड़ी (एमवीए) में समान सीट-बंटवारा करा पाने में असमर्थ रहे कांग्रेस नेतृत्व की आलोचना के लिए उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया गया था।

भाजपा ने सभी तीन मौजूदा सांसदों को बदल दिया है, जबकि शिंदे की शिवसेना ने केवल राहुल शेवाले (मुंबई दक्षिण-मध्य) को फिर से नामांकित किया है। मुंबई उत्तर-पश्चिम के चुनावों में अजीब स्थिति देखने को मिल रही है क्योंकि शिवसेना ने यहां से गजानन कीर्तिकर की जगह रवींद्र वायकर को उतारा है। खास बात यह है कि गजानन कीर्तिकर के बेटे अमोल कीर्तिकर को इस सीट से शिवसेना यूबीटी ने टिकट दिया है लेकिन गजानन कीर्तिकर का कहना है कि वह राजधर्म का पालन करते हुए अपने बेटे के खिलाफ चुनाव प्रचार करेंगे।

दूसरी ओर, हमने अपनी चुनाव यात्रा के दौरान महसूस किया कि ज़मीनी स्तर पर जो तस्वीर उभर रही है, उसके अनुसार, शिव सेना (यूबीटी) और कांग्रेस कैडर के बीच ज़मीनी स्तर पर अच्छी पकड़ हो गई है और इनके कार्यकर्ता मिल कर काम करते दिख रहे हैं लेकिन चुनाव प्रबंधन के मामले में यह भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति से पीछे हैं। महायुति में शामिल भाजपा, शिवसेना और एनसीपी जिस तरह सधे हुए अंदाज में चुनाव प्रचार चला रहे हैं उसका असर हर जगह दिख रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा भी मुंबई में रखवाई जा रही है जिससे चुनाव प्रचार की दशा और दिशा ही बदल जायेगी। इसके अलावा भाजपा के केंद्रीय नेताओं ने मुंबई आकर बुद्धिजीवियों, प्रोफेशनल्स और समाज के विभिन्न वर्गों की अलग-अलग बैठकें कर उनको यह समझाना शुरू कर दिया है कि क्यों देश के लिए तीसरी बार भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व जरूरी है। हमने सभी संसदीय क्षेत्रों में लोगों से बात की। इस दौरान सभी ने एक बात कही कि आप जहां भी जाएंगे वहां निर्माण कार्य होते हुए पाएंगे। लोगों ने कहा कि मुंबई की जरूरतों को समझ कर जिस तरह यहां विकास की परियोजनाएं लाई गयी हैं उससे आने वाले समय में सबको बड़ा फायदा होगा इसलिए हम समझते हैं कि यह सरकार चलती रहनी चाहिए। महिलाओं से तो हमने जहां भी बात की वहां पर सभी ने मोदी मोदी के नारे लगाने शुरू कर दिये।

देखा जाये तो 2024 के लोकसभा चुनाव महाराष्ट्र के लिए भी बड़े मायने रखते हैं क्योंकि 2019 में हुए राजनीतिक फेरबदल के बाद यह पहली बड़ी चुनावी परीक्षा होगी। लेकिन इस परीक्षा के दौरान जिस तरह हिंदुत्व और राष्ट्रवाद का मुद्दा हावी है वह दर्शा रहा है कि सत्तारुढ़ गठबंधन एक बार फिर सभी सीटों पर विजय हासिल कर सकता है। वैसे तो महायुति और महा विकास अघाड़ी के बीच सीधी टक्कर होनी है लेकिन जिस तरह मुंबई उत्तर मध्य के चुनावी मैदान में एआईएमआईएम तथा यूपी स्थित राष्ट्रीय उलेमा काउंसिल (आरयूसी) ने मुंबई उत्तर मध्य और मुंबई उत्तर पूर्व से मोहम्मद सिराज इकबाल शेख को भी मैदान में उतारा है उससे भाजपा विरोधी मतों का बंटवारा होना निश्चित है जिससे भगवा पार्टी की राह आसान हो जायेगी। हम आपको बता दें कि मुंबई को मुंबई शहर और मुंबई उपनगरीय जिले में विभाजित किया गया है। मुंबई दक्षिण और मुंबई दक्षिण-मध्य निर्वाचन क्षेत्र मुंबई शहर में हैं, जबकि बाकी निर्वाचन क्षेत्र मुंबई उपनगरीय क्षेत्रों में हैं। मुंबई शहर में 24 लाख से अधिक मतदाता हैं, जबकि उपनगरीय क्षेत्रों में 74 लाख मतदाता हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

योगकुण्डल्युपनिषद् (भाग-14)

गतांक से आगे...

आगे और तीन वर्षों तक यदि अभ्यास किया जाये, तो वह गर्दन के पीछे और नीचे कण्ठ के अन्तिम भाग तक पहुँच जाती है। इस प्रकार जिह्वा सिर के ऊपर ब्रह्मरन्ध्र तक पहुँच कर उसे ढक लेगी, इसमें कोई संशय नहीं है।

[इस उपनिषद् में खेचरी मुद्रा की हठयोग सम्मत दुस्साध्य विधि का वर्णन किया गया है। युग निर्माण अभियान के अन्तर्गत भावरससिद्धि हेतु खेचरी मुद्रा की जो सर्वसुलभ विधि बताई गई है, वह इससे भिन्न है। उस सर्वसुलभ विधि से खेचरी द्वारा अमृतपान साधना करने वाले साधकों को इससे किसी भ्रम या शंका में नहीं पड़ना चाहिए।]

इस तरह क्रमशः अभ्यास करने पर जिह्वा ब्रह्मरन्ध्र का भेदन कर जाती है। सभी बीजाक्षरों की विधि सहित यह विद्या बहुत कठिन है। पूर्व में कहे हुए इन छः बीजाक्षरों से करन्यास एवं षडंगन्यास करने से ही पूरी सिद्धि मिल सकती है। यह अभ्यास बड़ी सावधानी रखते हुए धीरे-धीरे क्रमशः करना चाहिए। जल्दी-जल्दी किया गया अभ्यास शरीर को हानि पहुँचा सकता है। इसलिए इसके अभ्यास में जल्दी नहीं करनी चाहिए। यदि बाह्य (स्थूल) विधि से जिह्वा ब्रह्म विवर में प्रवेश कर जाये, तब अँगुली के अग्रभाग से उठाकर उसे विवर के भीतर कर देना चाहिए। [तालु के पीछे नासिका से जुड़ी वायु नली का मार्ग गले में खुलता है। उसे तालुमूल कहा गया है। इस तालुमूल से लगा हुआ लोलचक्र या तालुचक्र कहा गया है। इसका सीधा संबंध मस्तिष्कमध्य में सहस्त्रारचक्र और ब्रह्मरन्ध्र से है। तालुमूल में खुलने वाले उक्त मार्ग के प्रवेश स्थल को ब्रह्म विवर कहा गया है।] तीन वर्ष तक इस तरह अभ्यास करने पर जिह्वा का प्रवेश ब्रह्म द्वार में हो जाता है। जिह्वा के वहाँ प्रवेश कर जाने पर विधिवत् उसके द्वारा मंथन करना चाहिए।

क्रमशः ...

जनगण के महाकवि थे गुरु रविंद्र नाथ टैगोर

रमेश सर्राफ धमोरा

महाकवि रवींद्रनाथ टैगोर को जनगण का कवि कहे तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। गुरुदेव टैगोर दुनिया के एकमात्र ऐसे कवि हैं जिनके लिखे दो गीत दो देशों के राष्ट्रगान बने हैं। उनका लिखा गीत जन गण मन भारत का राष्ट्रीय गान बना है। वही उनका लिखा एक दूसरा गीत आमार सोनार बांग्ला बांग्लादेश का राष्ट्रीय गान है। दुनिया में गुरुदेव जैसे विरले ही लोग होते हैं जिन्हें इतना बड़ा सम्मान मिला है। जिनके लिखे गीत दो देशों के राष्ट्रगान बनकर अमर हो गए। भारत और बांग्लादेश में जब भी कोई राष्ट्रीय कार्यक्रम होता है तो गुरुदेव टैगोर द्वारा लिखित गीत राष्ट्रीय धुन के रूप में गाए जाते हैं। गुरुदेव के लिखे इन गीतों के माध्यम से उन्हें हर समारोह में याद किया जाता है। ऐसा कोई भी भारतीय नहीं होगा जो रविंद्रनाथ टैगोर को नहीं जानता होगा। राष्ट्रीय कवि रविंद्रनाथ टैगोर ऐसी शख्सियत थे जिन्होने कई कविताएं, उपन्यास, कहानी लिख कर साहित्य के विभिन्न विद्याओं में अपनी उत्कृष्ट योगदान देकर संसार भर में ख्याति प्राप्त की।

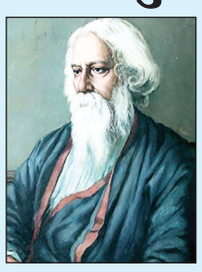

रविंद्रनाथ टैगोर ने अपनी रचना से ना केवल हिंदी साहित्य के विकास में योगदान दिया। बल्कि अनेकों कवियों और साहित्यकार को भी प्रोत्साहित किया है। वह एक ऐसे प्रकाश स्तंभ थे जिन्होंने पूरे संसार को अपनी रचनाओं के माध्यम से आलोकित किया।

गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविख्यात कवि, साहित्यकार, दार्शनिक और भारतीय साहित्य के नोबल पुरस्कार विजेता हैं। उन्हें गुरुदेव के नाम से भी जाना जाता है। बांग्ला साहित्य के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक चेतना में नयी जान फूँकने वाले युगदृष्टा वे ही थे। वे एशिया के प्रथम नोबेल पुरस्कार सम्मानित व्यक्ति हैं। रवींद्रनाथ टैगोर एक कवि, उपन्यासकार, नाटककार, चित्रकार, और दार्शनिक थे। गुरूदेव रविंद्रनाथ जी की रचनाओं की यही विशेषता थी कि वह अपनी रचनाओं में मानवीय दुखों और निर्बलता को बहुत ही कलात्मक ढंग से लिखते थे। अपनी सभी रचनाओं को मन और आत्मा से लिखते थे। यही कारण है कि उनकी ज्यादातर रचनाएं विश्व प्रसिद्ध हो गई।

वे अपने माता-पिता की तेरहवीं संतान थे। उनका जन्म 7 मई 1861 को कोलकाता के जोड़ासांको ठाकुरबाड़ी में हुआ था। उनके पिता देवेन्द्रनाथ टैगोर और माता शारदा देवी थीं। रवींद्रनाथ टैगोर जी अपनी शुरुआत की पढ़ाई कोलकाता में प्रतिष्ठित सेंट जेवियर स्कूल की। उन्होंने बैरिस्टर बनने की इच्छा में 1878 में इंग्लैंड के ब्रिजटोन में पब्लिक स्कूल में नाम लिखाया। फिर लन्दन विश्वविद्यालय में कानून का अध्ययन किया। किन्तु 1880 में बिना डिग्री प्राप्त किए ही स्वदेश पुनः लौट आए। सन् 1883 में मृणालिनी देवी के साथ उनका विवाह हुआ। टैगोर की माता का निधन उनके बचपन में हो गया था और उनके पिता व्यापक रूप से यात्रा करने वाले व्यक्ति थे। अतः उनका लालन-पालन अधिकांशतः नौकरों द्वारा ही किया गया था। टैगोर के भाई सतेंद्र टैगोर सिविल परीक्षा पास करके एक अच्छी नौकरी करते थे और दूसरे भाई ज्योतिरेंद्रनाथ संगीतकार और नाटक के कवि थे।

भारत के विरुद्ध विदेशी एजेंसियों पर पलटवार की जरूरत

कमलेश पांडे

भारत सरकार ने अमेरिका की एक प्रतिष्ठित एजेंसी अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग (यूएससीआईआरएफ) पर भारत में जारी आम चुनाव 2024 की प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया है। क्योंकि गत दिनों ही यूएससीआईआरएफ की तरफ से धार्मिक आजादी पर एक रिपोर्ट जारी की गई, जिसमें भारत में धार्मिक आजादी की स्थिति को चिंताजनक बताते हुए इसकी स्थिति लगातार खराब होने की बात कही गई है।

यही वजह है कि भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यूएससीआईआरएफ को राजनीतिक एजेंडे वाला पक्षपाती संगठन करार दिया है। यही नहीं, उन्होंने सालाना स्तर पर जारी होने वाली इस रिपोर्ट को राजनीतिक प्रोपेगंडा कहा है। बकौल रणधीर जायसवाल, यूएससीआईआरएफ को राजनीतिक एजेंडे वाले पक्षपाती संगठन के रूप में जाना जाता है। इसने वार्षिक रिपोर्ट के हिस्से के रूप में भारत के बारे में अपना दुष्प्रचार प्रकाशित करना जारी रखा है। हमें वास्तव में ऐसी उम्मीद भी नहीं है कि यह आयोग भारत की विविधतापूर्ण, बहुलतावादी और लोकतांत्रिक मूल भावना को समझने की कोशिश भी करेगा। उनके द्वारा दुनिया की सबसे बड़ी चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने के लिए किए गए प्रयास कभी सफल नहीं होंगे।

यूँ तो अमेरिका की चुनाव प्रक्रिया के दौरान वहां के राजनीतिक दल और राजनेता कभी चीन तो कभी रूस पर हस्तक्षेप करने का आरोप लगाते रहे हैं, लेकिन अब भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने बजाप्ता प्रेस कांफ्रेंस करके अमेरिका की प्रतिष्ठित

एजेंसी यूएससीआईआरएफ पर भारत में जारी चुनाव प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का जो आरोप लगाया है, उसके गहरे निहितार्थ हैं। क्योंकि यह पहला मौका है जब भारत ने किसी अमेरिकी एजेंसी पर लोकतांत्रिक तरीके से होने वाली चुनावी प्रक्रिया में अमेरिकी एजेंसी की तरफ से हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया है। संभवतया यह अमेरिकी एजेंसियों को लेकर भारत के बदले रवैये को भी बतलाता है।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि अमेरिका भारत का एक अहम रणनीतिक साझीदार देश है। हाल के वर्षों में भारत के द्विपक्षीय रिश्तों में जितनी गहराई अमेरिका के साथ आई है, वैसा किसी भी दूसरे देश के साथ देखने को नहीं मिला है। बावजूद इसके अमेरिका या कुछ दूसरे पश्चिमी देशों की एजेंसियों की तरफ से भारत में मानवाधिकार, धार्मिक आजादी, प्रेस की स्वतंत्रता जैसे मुद्दे के जरिये किये जाने वाले हस्तक्षेप भारतीय नेतृत्व बर्दाश्त नहीं कर सकता है। इसलिए ऐसे हस्तक्षेप को लेकर सख्ती से जवाब देने की रणनीति भारत अपना चुका है, जो बहुत बड़ी बात है।

कहना न होगा कि लोकतंत्र, मानवाधिकार, मीडिया की स्वतंत्रता और भूख जैसे मुद्दों पर भारत को जानबूझकर निशाना बनाया जाता है। क्योंकि कुछ सरकारों की आदत होती है कि वह दूसरों से जुड़े हर मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हैं। इसलिए भारत सरकार ने भी सार्वजनिक तौर पर अपनी नाराजगी से अवगत करा दिया है। हमें इस बात पर फक्र होना चाहिए कि आज का भारत एक गाल पर तमाचा मारने पर दूसरा गाल आगे नहीं बढ़ाता। क्योंकि अगर अमेरिका समेत अन्य पश्चिमी देश यदि भारत विरोधी प्रतिक्रिया दे सकते हैं, तो भारत भी अमेरिका समेत अन्य पश्चिमी देशों के खिलाफ प्रतिक्रिया दे सकता है। उन्हें यह याद रखना चाहिए कि विदेश के मामले में दखल देने की यह आदत कभी कभी उल्टी भी पड़ सकती है।

हैरत की बात तो यह है कि यूएससीआईआरएफ की रिपोर्ट में भारत में धार्मिक स्थिति को लेकर काफी विवादास्पद टिप्पणी की गई है। इसमें भारत को अफगानिस्तान, अजरबैजान, नाइजीरिया, वियतनाम जैसे देशों की श्रेणी में रखा गया है। वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्रालय से आग्रह किया गया है कि भारत को भी धार्मिक आजादी को लेकर खास चिंता वाले देश (सीपीसी) की श्रेणी में रखा जाए। इस श्रेणी में रखे जाने वाले देशों को लेकर अमेरिकी प्रशासन का रवैया अलग होता है। साथ ही उन पर कई तरह के प्रतिबंध लगाने की व्यवस्था है।

याद दिला दें कि यूएससीआईआरएफ की रिपोर्ट आने से कुछ दिन पहले ही अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने भारत में मानवाधिकारों की स्थिति पर चिंता जताई थी। जिसपर पलटवार करते हुए भारतीय विदेश मंत्रालय ने दो टूक जवब दिया था कि अमेरिकी संस्थाएं भारत के बारे में अपनी खराब समझ का परिचय दे रही हैं। भारत के प्रति जितना दुराग्रह अमेरिकी विदेश मंत्रालय की रिपोर्ट में झलक रहा था, उतना ही यूएससीआईआरएफ की रिपोर्ट में भी। इससे स्पष्ट है कि पश्चिमी देशों यानी अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन आदि देशों का श्रेष्ठता बोध कभी खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। जबकि इन देशों की हकीकत अब दुनियावी देशों से छिपी हुई नहीं है। अमरीकी नस्लीय हिंसा और वहां के विश्वविद्यालयों में हो रहे पक्षपाती प्रदर्शनों के बारे में वह खुद ही समझ ले, तो उसके दूरगामी हित में होगा।

सीधा सवाल है कि भारत के आंतरिक मामलों में अनावश्यक टिप्पणी करने वाले पश्चिमी देशों की संस्थाएं क्या दुनिया को यह बता पाएंगी कि अमेरिका में पुलिस विश्वविद्यालयों में धावा क्यों बोल रही है और ब्रिटेन अवैध प्रवासियों को पकड़-पकड़ कर रवांडा क्यों भेज रहा है? इसी तरह कनाडा में हड़ताली ट्रक ड्राइवरों से निपटने के लिए आपातकाल क्यों लगा दिया जाता है? इस बात को नहीं भुलाया जा सकता कि ये वही पश्चिमी संस्थाएं हैं जो कृषि कानून विरोधी उग्र आंदोलन और शाहीन बाग के अराजक धरने को एक तरह से न केवल अपना समर्थन दे रही थीं, बल्कि भारत को मानवाधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का पाठ भी पढ़ा रही थीं।

मेरा मानना है कि अमेरिका, कनाडा समेत यूरोपीय देश तब तक बाज नहीं आने वाले जब तक भारत भी इन देशों के मामलों में अपनी प्रतिक्रिया देना नहीं शुरू करता। वैसे भी भारत को केवल प्रतिक्रिया ही नहीं देनी चाहिए, बल्कि बाकायदा रिपोर्ट जारी कर यह बताना चाहिए कि इन देशों में क्या कुछ गड़बड़ हो रही है, क्योंकि किसी भी देश में सब कुछ ठीक नहीं रह सकता है। जब भारत ऐसा करेगा, तभी पश्चिमी देश चेतेंगे, अन्यथा कतई नहीं।

आज का इतिहास

1934 पर्ल ऑफ़ लाओ त्ज़ू, दुनिया का सबसे बड़ा मोती, 7 मई 1934 को पलवन सागर, फिलीपींस में पाया गया था। इसका व्यास 24 सेंटीमीटर है और वजन 6.4 किलोग्राम है, हालांकि इसे रत्न मोती के रूप में नहीं माना जाता है। इसे पर्ल ऑफ अल्लाह भी कहा जाता है।

1940 ब्रिटिश हाउस ऑफ कॉमन्स में एक बहस शुरू हुई और कई दिनों बाद विंस्टनचर्चिल के साथ प्रधानमंत्री नेविल चेम्बरलेन के प्रतिस्थापन का समापन हुआ।

1946 मसारू इबुका ने 7 मई, 1946 को कुल आठ कर्मचारियों के साथ टोक्यो त्सुशिन कोग्यो (टोक्यो टेलीकॉम इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन) की स्थापना की। आज की दुनिया में यह कंपनी सोनी के नाम से प्रसिद्ध है, 2014 की फॉर्च्यून 500 सूची में 105 वें स्थान पर है।

1946 मासारू इबुका और एकियो मोरीटा ने टोक्यो टेलीकॉम इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन की स्थापना की, जिसने बाद में इसका नाम बदलकर सोनी कर दिया।

1952 जेफ्री डब्लूए डम्मर ने 7 मई, 1952 को वाशिंगटन, डी.सी. में एकीकृत सर्किट का विचार जनता के सामने प्रस्तुत किया। हालांकि वह वह था जिसने आईसी के विचार को 1956 में इस तरह के सर्किट का निर्माण करने में विफल कर दिया था।

1960 शीत युद्ध-सोवियत नेता निकिता ख्रुश्चेव ने घोषणा की कि उनका देश अमेरिकी पायलट फ्रांसिस गैरी पॉवर्स को पकड़ रहा है, जिनके -2 जासूस विमान को छह दिन पहले सोवियत संघ में मार गिराया गया था।

1986 पैट्रिक मॉरो, कनाडाई फ़ोटोग्राफ़र और पर्वतारोही, 7 मई 1986 को अधिक कठिन कार्स्टेंस-संस्करण में प्रत्येक सात शिखर पर चढ़ने वाले पहले व्यक्ति बने।

1998 डेमलर-बेंज का संयुक्त राज्य अमेरिका स्थित ऑटोमोबाइल निर्माता क्रिसलर कॉर्पोरेशन के साथ 7 मई 1998 को विलय हो गया और डेमलर क्रिसलर एजी का गठन किया गया। क्रिसलर का 92% हिस्सा डेमलर-बेंज एजी द्वारा खरीदा गया था और 8% स्वतंत्र रहे।

यूपी में भाजपा और सपा की अग्नि परीक्षा

अनिल तिवारी

उत्तर प्रदेश से बड़ी आस लगाए बैठी भारतीय जनता पार्टी के सामने तीसरे चरण के चुनाव में सबसेबड़ी चुनौती समाजवादी चक्रव्यूह को तोड़ते हुए 2019 में जीती हुई सीटों को बचाए रखने की है। तीसरे चरण में यादव बहुल जिन 10 लोकसभा सीटों पर 7मई को मतदान होना है,वहां 2019 मेंभाजपा ने आठ सीटें जीती थी। पहले के दो चरणों में 16सीटों पर हुए मतदान में रालोद का साथ मिला जबकि तीसरे चरण के इन क्षेत्रों में भाजपा का कोई सहयोगी दल नहीं है।

हालांकि सबसे बड़े यादव महासभा को अपनेपाले में कर भाजपा यादव वोटो में सेंध लगाने का लगातार प्रयास करती रही है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहनयादव उत्तर प्रदेश के पिछड़ों को पार्टी के पक्ष में करनेके लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। दूसरी तरफ सपा संस्थापकमुलायम सिंह यादव की अनुपस्थिति में पहला लोकसभा चुनाव लड़रहे पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव खुद चुनाव मैदान में उतरकर समाजवादी पार्टी की खोई हुई प्रतिष्ठा को पाने के लिए पूरी ताकत के साथ जुटे हुए हैं। सपा के लिए यह चुनावकरो या मरो जैसा बन चुका है।

भारतीयजनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश की 80सीटों में से 75 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। 2014में भाजपा को 71सीटें मिली थी,लेकिन 2019 मेंसीटों की संख्या घटकर 62 रह गई थी। दिल्ली की गद्दी पर तीसरी बार काबिज होने के लिए भाजपा ने उत्तर प्रदेश और बिहार पर अच्छी खासी मेहनतकी है और पुराने एनडीए के सहयोगियों को एक बार फिर से जोड़ा है। उत्तर प्रदेश में परचम लहराने के लिए भाजपा ने अपना दल,ओमप्रकाश राजभर,संजय निषाद की पार्टी से गठबंधनकिया है, वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जाट मतदाताओं को पाले में करनेके लिए रालोद को वापस एनडीए में लाई है। तीसरे चरण मेंप्रदेश की जिन दस लोकसभा सीटों पर मतदान होना है। उनमें संभल, हाथरस, आगरा,फतेहपुर सीकरी, फिरोजाबाद, मैनपुरी, एटा, बदायूं, आंवला और बरेली शामिल हैं। इनमें भाजपा ने 2014 में 10 में से 7 सीटेंजीती जबकि 2019 में उत्तर प्रदेश के बाकी क्षेत्रों से भाजपा की सीटें कम हुई। लेकिन यादव बहुल इन क्षेत्रों में भाजपा ने अपनी साख मजबूत करतेहुए 10 में से 8 सीटें जीतने में कामयाबी हासिल की थी समाजवादी पार्टी केवल दोसीटों संभल और मैनपुरी तक सिमट कर रह गई थी। संभल सीट पर 2014में भाजपा को जीत मिली थी लेकिनमैनपुरी सीट 1996 से ही समाजवादी पार्टी के पास है।

तीसरे चरण वाले क्षेत्र में ओबीसीका बोलबाला है, इनमें यादव, लोध,काछी, शाक्य,मुराव समुदाय के लोग शामिल हैं। इसकेअलावा यहां मुस्लिम मतदाता भी बड़ी संख्या में दखल रखते हैं। एटा,फिरोजाबाद,मैनपुरी, बदायूंऔर संभल जैसी लोकसभा सीटों पर यादव मतदाता निर्णायकस्थिति में है। यहां मुस्लिम वोट मिलने पर सपा उम्मीदवारमजबूत स्थिति में आ जाते हैं। संभल,बरेली, आंवला,बदायूं, फिरोजाबाद की सीट पर भी मुसलमान मतदाता अच्छी खासी पकड़ बनाए हुए हैं। एटा में लोध मतदाता निर्णायक हैं, जबकि काछी,शाक्य और मुरई समुदाय का एटा,बदायूं और मैनपुरी में प्रभाव

है समाजवादी पार्टी पहली बार लोकसभा चुनावोंमें बिना मुलायम सिंह के चुनाव मैदान में है। शायद इसलिए भी अखिलेश यादव के लिए यह कड़ी परीक्षा है। सपा के गठन के बादसे अब तक जितने भी चुनाव हुए, उसमें मुलायम की बड़ी भूमिका रहती थी। यूपी में विपक्षी गठबंधनको अखिलेश लीड कर रहे हैं। पिछले दो लोकसभा चुनावों और विधानसभाचुनावों में सपा कुछ खास नहीं कर पाई है।

जमीन से जुड़े नेता होने के कारण ही मुलायम को धरती पुत्र कहा जाता रहा है।वह पार्टी को यादवों की पार्टी बनाने के साथ ही पिछड़े वर्ग की पार्टी भी बनाए रख सके। यह इसलिए संभव हो सका कि पिछड़ेवर्ग के नेताओं से उनका सामंजस्य बेहतर रहा। इटावा, मैनपुरी, कन्नौज में यादव बहुल सीट पर मजबूत एमवाई समीकरण के कारण वह हमेशामैदान में बाजी मारते रहे। यादव के आलवा दूसरी प्रभावशालीपिछड़ी जातियों पर पकड़ से वह हमेशा आगे रहे। अखिलेश कीराजनीति में कभी कभी ऐसा लगता है कि पार्टी के कोर वोटर्सयादव और मुसलमान भी कहीं उनका साथ न छोड़ दें। आज अखिलेश केसाथ आजम खान कितना हैं, ये भी समझ में नहीं आता।

ओमप्रकाश राजभर,संजय निषाद, जयंत चौधरी, दारा सिंह चौहान, केशव देव मौर्य आदि साथ छोड़ चुकेहैं। अपना दल कमेरावादी से भी उनका संबंध खराब हो चुका है। समाजवादीपार्टी के लिए सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि इस बार बहुजनसमाज पार्टी उसके साथ नहीं है। पिछली बार जब सपा ने बसपाऔर रालोद के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था तो इन दस में से दोसीटें जीतने में कामयाब हुई थी। हालांकि इस बार कांग्रेस के साथ समझौताहुआ है लेकिन बहुजन समाज पार्टी के मैदान में उतर आने के बादलगभग सभी सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला हो गया है। सपा ने इस बार परिवार के बाहर के यादवों को टिकट नहीं दिया है।

यादव सपा के मुख्य समर्थक माने जाते हैं लेकिन केवल परिवारजनोंको ही टिकट दिए जाने के कारण यादवों में भी रोष है। भाजपाऔर बसपा इस मसले को जोर-जोर से प्रचारित कर रहे हैं। मालूम हो कि सपा ने केवल पांच प्रत्याशी यादव बिरादरी के उतारे हैंजिनमें कन्नौज सीट पर खुद अखिलेश यादव,मैनपुरी से उनकी पत्नी डिंपल यादव,आजमगढ़ से चचेरे भाई धर्मेंद्र यादव,बदायूं से शिवपाल यादव के बेटे आदित्ययादव और फिरोजाबाद सीट से रामगोपाल यादव के बेटे अक्षययादव चुनाव लड़ रहे हैं। इस मसले की गंभीरता को भांपतेहुए इसका फायदा उठाने की गरज से मायावती ने अपनी पार्टीकी ओर से चार प्रत्याशी यादव बिरादरी के दिए हैं। यह एक नयासमीकरण है जो गुल खिला सकता है। मौके की नजाकत को देखतेहुए भारतीय जनता पार्टी की कोशिश है कि अखिलेश यादव कोज्यादा से ज्यादा उनके परिवार से जुड़ी सीटों में ही उलझाकर रखा जाए ताकि वह अन्य सीटों के लिए समय ना निकल सके। एक दिन बाद तीसरे चरण का चुनाव प्रचार थम जाएगा। भारतीय जनतापार्टी और उसके बड़े नेता जहां चौथे चरण के चुनाव प्रचार मेंजोर-शोर से लगे हैं वहीं अखिलेश यादवअभी भी तीसरे चरण में ही फंसे हैं।

इस बीच भारतीय जनता पार्टीने 5 मई को प्रधानमंत्री की सभा इटावा में रखी है। भाजपा के रणनीतिकारोंका मानना है कि इस एक सभा से कई सीटों का काम सध जाएगा। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में उत्तर प्रदेश की योगीसरकार तथा उसके सात मंत्रियों की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगीहै। यह चुनाव इन मंत्रियों के साथ-साथयोगी सरकार में प्रतिष्ठा और जन विश्वास की कसौटी को भीपरखने वाले हैं। भाजपा में भी अंदर खाने रण मची हुईहै। कई सीटों पर भाजपा दो फाड़ है। आगरा जिले की फतेहपुरसीकरी लोकसभा सीट पर भाजपा के ही विधायक चौधरी बाबूलालभाजपा प्रत्याशी राजकुमार चाहर के विरोध में खड़े हैं। राजकुमार चाहर के विरोध में उन्होंने अपने बेटे रामेश्वरचौधरी को निर्दलीय के रूप में मैदान में उतार दिया है। इसकी गंभीरता को देखते हुए भाजपा के चाणक्य अमित शाह लगातारकई बार बड़े नेताओं के साथ बैठकें कर चुके हैं।

बहरहाल सभी की निगाहें ब्रज और रुहेलखंड क्षेत्र की इन 10सीटों पर है,क्योंकि यहां जो बुनियाद रखी जाएगीइसका असर खास कर पिछड़ी जातियों के बीच अगले चरण में स्पष्टरूप से दिखाई देगा। कोर वोटर के लिहाज से यह क्षेत्र समाजवादीपार्टी का अपना इलाका है।

परमात्मा से बात भटकती आत्मा पर अटकी

अमिताभ श्रीवास्तव

सनातन धर्म के अनुयायियों के पवित्रतम श्रीमद्?भगवद्गीता के दूसरे अध्याय के तेरहवें, बाईसवें और तीसवें श्लोक में मनुष्य जीवन की व्याख्या के साथ यह समझाने का प्रयास किया गया है कि कोई व्यक्ति शरीर नहीं अपितु शाश्वत आत्मा है, जो एक शरीर से दूसरे शरीर के बीच यात्रा करती है। हालांकि कुछ शास्त्रों में यह भी दावा किया जाता है कि जिन आत्माओं की आकांक्षा की पूर्ति नहीं होती है, वे भटकती रहती हैं। बस इन्हीं दो आध्यात्मिक विचारों के बीच महाराष्ट्र की राजनीति को एक नई हवा मिल गई है और राज्य में पक्ष और विपक्ष दोनों के बीच मुकाबले के लिए वातावरण तैयार हो गया है। इस पूरे माहौल को तैयार करने के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वक्तव्य है, जो राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता शरद पवार को लेकर कहा गया। उनके अनुसार पवार के चलते ही महाराष्ट्र में राजनीतिक उठापटक होती रहती है। प्रधानमंत्री मोदी ने चुनावी सभा में शरद पवार का नाम लिए बिना कहा था कि महाराष्ट्र में एक 'भटकती आत्मा' है। अगर उसे सफलता हासिल नहीं होती है तो वह दूसरों के अच्छे काम को खराब करती है। महाराष्ट्र इसका शिकार रहा है। ये खेल 45 साल पूर्व शुरू किया गया था। ये सिर्फ उनकी निजी महत्वाकांक्षा के लिए था और फिर महाराष्ट्र हमेशा एक अस्थिर राज्य रहा। इसी का परिणाम था कि कई मुख्यमंत्री अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाए। इसके बाद से प्रधानमंत्री मोदी को भी उनके वक्तव्य के उत्तर मिलने लगे हैं। कोई कह रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी की आत्मा दिल्ली से महाराष्ट्र में आती है और भटकती है। कोई इसे राज्य की संस्कृति के खिलाफ मान रहा है और चुनाव में विकास कार्यों की बात करने के लिए कह रहा है। हालांकि शरद पवार भी प्रधानमंत्री को जवाब देने में पीछे नहीं हैं। खुद के लिए वह कह रहे हैं कि वह अस्वस्थ आत्मा हैं। वह किसानों का दर्द बताने के लिए भटकते हैं, महंगाई से परेशान आम आदमी के लिए भटकते हैं। अब सवाल यह है कि चुनावी राजनीति भौतिक स्वरूप से आध्यात्मिक स्वरूप की तरफ अचानक क्यों भटकने लगी? स्पष्ट है कि इसके पीछे कारण टूटे हुए दलों को मिल रही सहानुभूति है। वह राकांपा का शरद पवार गुट हो या फिर शिवसेना का ठाकरे गुट, कहीं न कहीं उनके नेता खुद के साथ धोखा होने का संदेश देने में सफल हो रहे हैं। उसी धोखाधड़ी को सिरे से झुठलाने की कोशिश में चाहे शरद पवार हों या उद्धव ठाकरे, दोनों को सीधे निशाने पर लेकर किनारे करने की कोशिश जारी है। राकांपा नेता शरद पवार का राजनीतिक कैरियर देखा जाए तो वह महत्वाकांक्षा के बीच उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। उन्होंने वे सभी काम किए हैं, जिनकी वह इन दिनों आलोचना करते हैं। वह बहुत कम अवसरों पर ही राजनीतिक स्थिरता के पक्ष में दिखाई दिए हैं। साथ ही समस्त किस्म के बैर के बाद भी वह सत्ताधारियों से हाथ मिलाते या स्वयं सत्ता की जद्दोजहद करते पाए गए हैं। उनका पहली बार मुख्यमंत्री बनना हो या दोबारा कांग्रेस में राजीव गांधी के साथ शामिल होना या फिर सोनिया गांधी के राजनीति में आने के बाद कांग्रेस से अलग होना हो, सभी मामलों में उनकी राजनीति की परिणति सत्ता पाने के साथ हुई है। केवल वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी सरकार के गठन या फिर महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस सरकार का गठन होने पर वह सत्ता का कोई समीकरण नहीं बना सके। यद्यपि वर्ष 2019 में उन्होंने पिछली कसर निकालते हुए विपरीत विचारधारा के दल शिवसेना के साथ सत्ता साझा करने में भी संकोच नहीं किया। इसलिए उनके राजनीतिक दांव-पेंच और उसके स्तर से इंकार नहीं किया जा सकता है। किंतु पवार को अपनी चाल को बहुत ही सहजता से आम आदमी से जोड़ने में महारत हासिल है। ताजा मामले में उन्होंने भटकती आत्मा को भी आम जन की समस्याओं से जोड़ लिया। पूर्व में सरकार के गठन को भी राज्य की आवश्यकता बता कर उसे उचित साबित कर दिया था। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री मोदी राजनीति में 45 साल की सक्रियता का हिसाब लेते हुए पवार पर आक्रामक हुए हैं। वह उनकी पहचान को मजबूत साबित करने की बजाय तोड़-फोड़ और राजनीतिक अस्थिरता से तैयार बिगड़ी छवि को गढ़ने की कोशिश में हैं।

भाजपा ने आजमाया अपना अचूक नुस्खा!

हरीश गुप्ता

भाजपा के शीर्ष नेतृत्व वाली कोर कमेटी ने लोकसभा चुनाव के दौरान उन मुसलमानों के खिलाफ अपना आक्रोश जारी रखने का फैसला किया, जिन्हें आरक्षण दिया जा रहा है और दूसरों की संपत्ति में उनकी हिस्सेदारी होगी। भाजपा के चुनाव रणनीतिकारों ने नेतृत्व को फीडबैक दिया है कि आरक्षण और धन का लाभ उठा रहे मुसलमानों के मुद्दे ने लोगों के बीच जोर पकड़ लिया है। प्रधानमंत्री ने सबसे पहले इस मुद्दे को अप्रैल के तीसरे सप्ताह में राजस्थान के बांसवाड़ा में अपनी रैली में उठाया था, जहां उन्होंने कहा था कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो लोगों की संपत्ति मुसलमानों और घुसपैठियों को वितरित की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि मुसलमानों को कुछ राज्यों में एससी, एसटी और ओबीसी को मिलने वाले आरक्षण का लाभ दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने इस मुद्दे को उठाने का फैसला किया क्योंकि बांसवाड़ा की आबादी में 70 प्रतिशत आदिवासी भील समुदाय है। बाद में अमित शाह, राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा, गिरिराज सिंह सहित अन्य शीर्ष भाजपा नेताओं ने मोर्चा संभाला और कई राज्यों में दिए जा रहे मुस्लिम कोटे का मुद्दा उठाया। उदाहरण के लिए, कर्नाटक में 32 प्रतिशत ओबीसी कोटा के भीतर मुसलमानों के लिए 4 प्रतिशत उप-कोटा था। केरल में 30 प्रतिशत ओबीसी कोटा के भीतर 8 प्रतिशत मुस्लिम कोटा है और तमिलनाडु और बिहार में ओबीसी कोटा में मुस्लिम शामिल हैं। ऐसा कहा जाता है कि 19 अप्रैल को पहले चरण में कम मतदान के बाद मुस्लिम आरक्षण का मुद्दा उठाया गया और इसका भरपूर लाभ मिला। दूसरे चरण में मतदान में तेजी आई और उत्साहित प्रधानमंत्री ने 1 मई को तेलंगाना में कहा कि जब तक मोदी जीवित हैं, दलित, आदिवासी, ओबीसी आरक्षण मुसलमानों के पास नहीं जाने देंगे। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि भाजपा का वोट बैंक उत्साहित है इसलिए चुनावी पिच बदली जा रही है। यह 20-30 अप्रैल के बीच दिए गए कुछ टीवी साक्षात्कारों में उनकी शुरुआती झिझक के विपरीत था। उन्होंने साक्षात्कारकर्ताओं को बताया कि उन्होंने 'घुसपैठिए' शब्द का इस्तेमाल किया था लेकिन तेलंगाना रैली में उन्होंने एक बार नहीं बल्कि कई बार उनका नाम लिया। राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र और यूपी से मिले फीडबैक के बाद भाजपा नेतृत्व चिंतित हो गया कि

उसका वोट बैंक उत्साहित नहीं है। इस प्रकार, भाजपा चुनावी फसल काटने के लिए एक आजमाए हुए मुद्दे को उठाने की कोशिश में लग गई। यूपी समेत कई राज्यों में कम मतदान की वजह सिर्फ बीजेपी-आरएसएस कार्यकर्ताओं की नाखुशी नहीं है, बल्कि कई अन्य कारण भी हैं। राजपूत समुदाय भी खुश नहीं है क्योंकि समुदाय को बहुत कम संख्या में टिकट दिए गए हैं। न सिर्फ यूपी बल्कि राजस्थान में भी राजपूतों को टिकट नहीं दिया गया। कई लोगों ने इसे यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बढ़ते दबदबे को कम करने की योजना के रूप में देखा और उनको लगा कि योगी के पर कतरने की कोशिश की जा रही है क्योंकि वह मोदी के बाद चुनाव अभियान के दौरान दूसरे सबसे अधिक मांग वाले नेता हैं। केंद्र वस्तुतः लखनऊ में हस्तक्षेप कर रहा है क्योंकि नौकरशाही में प्रमुख नियुक्तियां उसके द्वारा की जाती हैं। यूपी कैबिनेट में अधिकांश मंत्रियों को आलाकमान द्वारा चुना जाता है और प्रमुख मंत्रालय दिए जाते हैं। फिर भी, योगी का दबदबा लगातार बढ़ रहा है क्योंकि उनका कोई परिवार नहीं है और वे बिना आराम किए अनवरत काम करते हैं तथा परिणाम देने में विश्वास करते हैं। जब राजपूत नाराज हो गए और उन्होंने भाजपा के खिलाफ वोट करने का फैसला किया, तो योगी ने उन्हें यह कहते हुए मनाने की बहुत कोशिश की कि यूपी में लोकसभा चुनावों के किसी भी प्रतिकूल परिणाम से उनकी स्थिति कमजोर हो जाएगी। योगी राजपूत समुदाय से हैं। इस बीच, पिछले महीने भाजपा के कद्दावर नेता और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के लिए प्रचार करने के लिए योगी की नागपुर यात्रा से कई लोगों की भौंहें चढ़ गई हैं। बताया जाता है कि गडकरी ने प्रधानमंत्री को पहले ही बता दिया था कि उन्हें महाराष्ट्र के उन निर्वाचन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जहां अतिरिक्त प्रयासों की जरूरत है क्योंकि नागपुर में उनकी स्थिति आरामदायक है। लेकिन योगी की रैली हुई और बाद में वह गडकरी के आवास पर भी गए।

यह लगभग स्पष्ट है कि जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा उम्मीद से जल्दी दिल्ली वापस लौटेंगे। 2019 के चुनावों में अपनी गाजीपुर लोकसभा सीट हारने के बाद, सिन्हा केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह बनाने से चूक गए। इसके बजाय, उन्हें जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल के रूप में भेजा गया जहां उन्होंने शांति बहाल करने के लिए अत्यधिक संवेदनशील राज्य को संभालने में अपनी क्षमता दिखाई।

मोदी सरकार के कार्यकाल में जम्मू-कश्मीर 2014 से एक सक्षम व्यक्ति को खोजने के लिए संघर्ष कर रहा था क्योंकि कोई भी प्रयोग सफल नहीं हुआ। अंततः, अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद, नौकरशाह जी.सी. मुर्मू को 2019 में उपराज्यपाल के रूप में भेजा गया, जो परिणाम देने में विफल रहे और 2020 में एक साल से भी कम समय में उनकी जगह मनोज सिन्हा को नियुक्त किया गया। ऐसा कहा जाता है कि लोकसभा चुनावों के बाद, विधानसभा चुनाव जल्द कराने के प्रयास किए जाएंगे। सिन्हा या तो लोकसभा उम्मीदवार के रूप में वापसी कर सकते हैं या उम्मीद से जल्दी राज्यसभा में लाए जा सकते हैं।

यह इस तथ्य से उपजा है कि 70 वर्षीय स्कूल शिक्षक और सिन्हा के कट्टर समर्थक पारसनाथ राय को भाजपा आलाकमान ने लोकसभा टिकट दिया है। कहा जा रहा है कि सिन्हा को केंद्र में वापस लाए जाने पर राय अपनी सीट छोड़ देंगे। अपने लगभग चार साल के कार्यकाल के दौरान बेहद सफल रहने के कारण मनोज सिन्हा का ग्राफ कई गुना बढ़ गया है। यहां यह भी उल्लेख किया जा सकता है कि सिन्हा 2017 में यूपी के मुख्यमंत्री के रूप में योगी से मामूली अंतर से चूक गए थे। इस बार सिन्हा को अप्रत्याशित लाभ मिल सकता है।

मोदी सरकार पर बेरोजगारी का आरोप, कितना सच कितना झूठ?

बिक्रम उपाध्याय

पीएम मोदी ने 2014 के चुनाव में यह वायदा किया था कि वह सरकार में आने के बाद दो करोड़ लोगों को नौकरी देंगे। अब वही वायदा मोदी के लिए बेताल बन गया है। मोदी सरकार 2014 से आज तक पीएफ खाते में हो रही बढ़ोतरी से अपना बचाव करने की कोशिश कर रही है। लेकिन देश में इतने ज्यादा बेरोजगार हैं कि किसी लॉलीपॉप से मानने के लिए तैयार ही नहीं हैं। वैसे भी पीएफ कोई नियमित रोजगार का आकड़ा नहीं होता, कंपनी में लोग नौकरी से जुड़ते हैं और फिर कुछ दिन बाद छोड़ कर चले भी जाते हैं। उससे पीएफ के आकड़े परिवर्तित नहीं होते। यह एक नियमित प्रक्रिया है और इसके आधार पर यह विचार करना कि रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं, मूर्खता होगी।

मोदी सरकार एक और दलील दे रही है कि स्टार्टअप की संख्या अब लाखों में पहुँच चुकी है और उनसे करोड़ों लोगों को रोजगार मिल रहा है। लेकिन अभी तक ऐसी कोई प्रामाणिक गणना सामने नहीं आई है, जिससे यह निष्कर्ष निकाला जाए कि करोड़ों नहीं तो लाखों में भी नौकरियाँ पैदा हुई हैं। दूसरी तरफ नोटबंदी और कोविड के कारण करोड़ों लोगों की नौकरियां चली गईं, इसका अध्ययन और इसके आकड़े सामने हैं। इसलिए रोजगार सृजन के वायदे को विपक्ष जुमला करार देने के प्रयास में कुछ हद तक सफल भी हुआ है। नौकरी की तरह 100 दिन में विदेश से काला धन लाने का वायदा भी मोदी सरकार को निरुत्तर करता है। बल्कि यह कहा जाता है कि 2014 से अब तक विदेशों में और भारत में काले धन रखने वालों की संख्या में वृद्धि ही हुई है।

यह तस्वीर का एक ही पहलू है और विपक्ष केवल इसे ही पेश करने की कोशिश कर रहा है। उसके रोजगार के आकड़े में केवल वे ही लोग शामिल हैं, जो एक कर्मचारी के तौर पर रोजाना 8 घंटे काम करते हैं, सप्ताह में एक या दो दिन छुट्टी लेते हैं। हर महीने की पहली तारीख को वेतन पाते हैं, टी.ए, डी.ए. और वार्षिक वेतन वृद्धि के हकदार

होते हैं। लेकिन क्या वे पेशेवर भी बेरोजगार हैं जो रोजाना अपनी फ़ीस के रूप में हजारों की कमाई करते हैं? डॉक्टर, सी ए, वकील, आर्किटेक्ट और दर्जनों पेशे के लोग सैकड़ों, हजारों में नहीं लाखों में हैं। देश में हजारों चाय पान वाले ऐसे हैं जिनकी कमाई 6 अंकों में है। कुशल और अर्ध कुशल लोग आसानी से अपनी जीविका चला रहे हैं। सवाल यही है कि जिन लोगों का रोजगार रिकॉर्ड नहीं है, क्या उन सबको बेरोजगारों की सूची में डालना उचित है?

भारतीय समाज की एक कमजोरी यह भी है कि लोग नौकरी के लिए तो 5-10 साल इंतजार तो कर लेते हैं, लेकिन कोई हुनर सीख कर पहल करने से बचते हैं। हर किसी को नौकरी नहीं मिल सकती। खासकर सारी सुविधाओं वाली सरकारी नौकरी बहुत ही सीमित संख्या में है। किसी एक डिग्री को भी वेतनभोगी नौकरी की गारंटी नहीं मान सकते। नौकरी की पुरानी परिभाषा नए परिप्रेक्ष्य में लागू करना अनुचित है। यदि दैनिक आधार पर कोई काम मिल रहा है, या खुद का व्यवसाय है, इसे भी रोजगार की श्रेणी में ही रखना पड़ेगा। मोदी सरकार जब यह दावा कर रही है कि 10 करोड़ नागरिकों को अपना बिजनेस शुरू करने के लिए लोन दिया, तो इस आंकड़े को रोजगार के आंकड़े से उड़ा देना सही प्रक्रिया नहीं है। इसी तरह से एनएचएआई दोगुनी रफ्तार से हाईवे का निर्माण कर रहा है। 25 किमी प्रतिदिन की रफ्तार से। गांव की सड़कें 80 किमी प्रतिदिन बन रही थीं और अब यह 130 किमी प्रति दिन है। इसका मतलब है कि लोगों को रोजगार मिल रहे हैं। सवाल उठता है कि फिर हमारे देश में इतने बेरोजगार नागरिक क्यों दिखाए जा रहे हैं। असल में सरकार नौकरियाँ देने में विफल रहने से ज्यादा संबंधित डेटा एकत्र करने में विफल रही। क्या इस थ्योरी में भी दम है कि केवल वे बेरोजगार हैं जो सरकारी नौकरियों की प्रतीक्षा में हैं। और इन्हीं के आंकड़े के दम पर विपक्ष वर्तमान सरकार को घेरने में लगा है। एक बात और क्या नौकरियाँ देना केवल सरकार का काम है। या सरकार का काम ऐसी अनुकूल नीतियां बनाना है जहां व्यवसाय फले-फूले और उसके नागरिकों के लिए रोजगार और धन का सृजन करें। भाजपा का रिकार्ड रोजगार या नौकरी देने में बहुत खराब नहीं रहा है। अटल बिहारी वाजपेयी के सरकार में एनडीए ने 5 वर्षों में 60 मिलियन से अधिक नौकरियां पैदा की थी। इसी तरह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार का आंकड़ा देखें और दो साल कोविड का निकाल दें तो यूपीए के आठ वर्षों की तुलना में अधिक नौकरियां पैदा करने में सक्षम रही है।

2014 के आम चुनावों से पहले हुए अध्ययन से पता चलता है कि 2004-05 और जनवरी 2012 के बीच 53 मिलियन नई नौकरियाँ पैदा हुईं, जबकि 1999-2000 और 2003-04 के बीच 60 मिलियन नौकरियाँ पैदा हुईं। मोदी सरकार के आने के बाद जनवरी 2015 में श्रम मंत्रालय ने पहले सर्वे में यह पाया कि छह महीनों के दौरान ही आठ प्रमुख क्षेत्रों में 2.75 लाख नौकरियां पैदा हुईं। लेकिन अचानक हुई नोटबंदी के कारण कंपनियों ने बड़ी संख्या में अपने कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि 2024 के चुनाव में जीतने वाला दल या दलों का गठबंधन भारत में रोजगार पैदा करने के लिए क्या करेगा। इंडिया गठबंधन भी अलग-अलग लाखों करोड़ों लोगों को नौकरी देने का वायदा कर रहा है। क्या केंद्र में इतनी सरकारी नौकरियों की गुंजाइश है, या वह भी एक पैंतरा ही चल रहा है, यह आनेवाला समय बतायेगा। एनडीए हो या इंडिया सबकी कहीं ना कहीं राज्यों में सरकारें हैं, यदि वे अपने अपने राज्यों में सरकारी नौकरी दे देते तो बेरोजगारी का इतना बड़ा राष्ट्रीय आंकड़ा खड़ा नहीं होता।

राजनीति में एआइ का खतरनाक हस्तक्षेप

उमेश चतुर्वेदी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) के गलत इस्तेमाल को लेकर पूरी दुनिया में चिंता है। कुछ दिन पहले गृह मंत्री अमित शाह का एक फेक वीडियो सामने आया है। यह वीडियो कथित तौर पर शेयर करने के लिए कई लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। 'डीपफेक' वह प्रौद्योगिकी है, जिससे एक वीडियो में छेड़छाड़ कर किसी ऐसे व्यक्ति के चेहरे को फिट किया जाता है, जो उस वीडियो का हिस्सा ही नहीं होता। ऐसे वीडियो में असली और नकली का अंतर बता पाना मुश्किल होता है। इस फर्जी वीडियो में भाजपा के वरिष्ठ नेता और गृह मंत्री अमित शाह अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण अधिकारों को खत्म करने की घोषणा करते हुए कथित तौर पर नजर आ रहे हैं। फैक्ट चेक में ये वीडियो फेक साबित हुआ है। भारत आजादी की हीरक जयंती मना चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोगों से 2047 में देश के चहुंमुखी विकास की आये दिन बात करते हैं। लेकिन यह दुर्भाग्य ही है कि इन वर्षों में हमारी लोकतांत्रिक यात्रा को प्रौढ़ और कहीं बेहतर समझदार होना चाहिए था, लेकिन नहीं हो पायी। आज की राजनीति की ओर देखते हैं, तो विनोबा की एक पंक्ति याद आती है- चारों तरफ सुराख ही सुराख है। आज राजनीति के लिए सत्ता सबसे बड़ा लक्ष्य है, जिसे हासिल करने के लिए वह हर तरह के काम करने को तैयार बैठी है।तो फेक बयान वाले वीडियो का मामला तकनीक की सीमाओं के विस्तार के साथ तकनीकी नैतिकता का सवाल भी उठाता है। इसे महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन के सापेक्षिकता के सिद्धांत के जरिये समझ सकते हैं। अक्टूबर 1945 में दूसरे विश्व युद्ध के आखिर में अमेरिका ने जापान के नागासाकी और हिरोशिमा पर जिन अणु बमों को गिराकर मानवता को भयंकर नारकीय चोट पहुंचायी थी, उनके निर्माण का आधार यही सिद्धांत था। तब आइंस्टीन ने कहा था कि अगर वे जानते कि उनकी खोज से ऐसा जनसंहार हो सकता है, तो वे इस खोज को दुनिया के सामने ही नहीं लाते। संविधान की शायद ही कोई किताब होगी, जिसमें नैतिकता का जिक्र हुआ है। इसके बावजूद गतिशील लोकतंत्र की बुनियादी शर्त नैतिकता और शुचिता को स्वीकार करना है। बेशक राजनीति दांव-पेंच का खेल है। लोकतांत्रिक व्यवस्था को सबसे बेहतर शासन व्यवस्था के रूप में स्वीकार किया गया है, पर हकीकत यह भी है कि दुनियाभर में सियासी फायदे के लिए दांव-पेंच किये जाते हैं। फिर भी न्यूनतम नैतिकता की उम्मीद की जाती है। स्वाधीनता आंदोलन की कोख से उपजी भारतीय राजनीतिक दुनिया की पहली पीढ़ी की नैतिकता, ईमानदारी और आचरण की पवित्रता से जुड़े तमाम किस्से हम सुनते-पढ़ते रहे हैं। सही मायने में हमारा लोक वृत्त यानी पब्लिक स्फीयर भी उन मूल्यों और आचरण की पवित्रता की बुनियाद पर तैयार हुआ है। दुर्भाग्य से आज की राजनीतिक पीढ़ी आचरण की पवित्रता, पेशेवर ईमानदारी और शुचिता के सिद्धांत को तिरोहित करती जा रही है। गांधी जी की ओर जब हम देखते हैं, तो पाते हैं कि वे अक्सर नयी तकनीक का विरोध करते नजर आते हैं। उनका यह विरोध तकनीक के ऐसे ही नकारात्मक इस्तेमाल की आशंका के चलते था। यह आशंका रोजाना सही साबित हो रही है। सोशल मीडिया और सूचना क्रांति का जैसे-जैसे विस्तार होता गया, फेक न्यूज, फेक बयान, फेक नैरेटिव का भी विस्तार होता गया। लेकिन ज्यादातर मामलों में शरारती तत्व शामिल रहे। लेकिन एआइ के इस्तेमाल से राजनीतिक परिदृश्य को प्रभावित करने की शायद यह पहली कोशिश है। एआइ से तैयार की जाने वाली सूचनाओं और बयान आदि की खासियत है कि ये हूबहू लगते हैं, सही लगते हैं।

वैशाख माह में खोले जाते हैं केदारनाथ मंदिर के कपाट

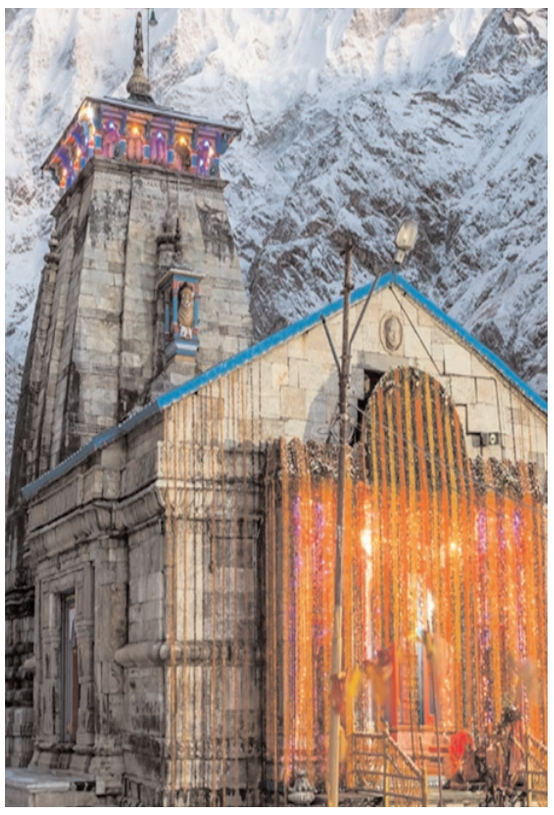

क्या आप जानते हैं कि हर बार केदारनाथ के कपाट वैशाख महीने में ही क्यों खुलते हैं। ऐसे में अगर आप इस बात से अंजान हैं, तो हम आपको बताने जा रहे हैं कि केदारनाथ धाम के कपाट वैशाख माह में क्यों खुलते हैं। आगामी 10 मई से केदारनाथ यात्रा शुरू होने वाली है। हर साल वैशाख माह में ही केदारनाथ यात्रा की शुरूआत होती है। वैशाख महीने में इस मंदिर के कपाट खोले जाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हर बार केदारनाथ के कपाट वैशाख महीने में ही क्यों खुलते हैं। ऐसे में अगर आप इस बात से अंजान हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि केदारनाथ धाम के कपाट वैशाख माह में क्यों खुलते हैं और इसका क्या महत्व है।

केदारनाथ यात्रा

हिंदू धर्म शास्त्रों के मुताबिक वैशाख महीने का काफी महत्व माना जाता है। असल में यह महीना हिंदू वर्ष का दूसरा महीना है। इस महीने में सभी देवी-देवताओं ने अवतरण लिया है। बता दें कि भगवान श्रीहरि विष्णु से लेकर भगवान शिव ने इसी महीने में कई अवतार लिए।

बताया जाता है कि जब सृष्टि का जब सृजन नहीं हुआ था। तब भगवान श्रीहरि विष्णु-मां लक्ष्मी और भगवान शंकर-मां पार्वती की पूजा के लिए अन्य देवता वैकुंठ और कैलाश पर जाकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते थे।

वहीं सृष्टि की रचना के बाद एक-एक घटना से एक-एक मंदिर का निर्माण होता चला गया। कहा जाता है कि तब भी प्राचीन काल में स्वर्ग से आकर देवी-देवता ही मंदिर के कपाट खोला करते थे और विधि-विधान से पूजा करते थे।

धार्मिक शास्त्रों में माना गया है कि जब भी मंदिर के कपाट खुलते हैं, तो उस दौरान मंदिर में दिव्य ऊर्जाएं मौजूद होती है। खासतौर पर वैशाख महीने में किसी भी भगवान के मंदिर के कपाट खुले, तो उस दौरान सभी देवी-देवता उपस्थित होकर अपनी कृपा बरसाते हैं।

मध्य प्रदेश के इस मंदिर में रोजाना होता है श्रीराम का सूर्य तिलक, सदियों से चली आ रही ये परंपरा

देशभर में प्रभु श्रीराम के सैकड़ों की संख्या में भक्त हैं। वहीं हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को रामनवमी का पर्व बेहद धूमधाम से मनाया जाता है। धार्मिक शास्त्रों के मुताबिक त्रेता युग में चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मध्याह्न बेला में श्रीराम का अवतरण हुआ था। इस मौके पर अयोध्या नगरी में स्थित राम मंदिर में श्रीराम की विशेष पूजा का आयोजन किया गया।

जानकारी के अनुसार, दर्पण, लेंस और पीतल पाइप के जरिए श्रीराम को सूर्य तिलक किया गया था। लेकिन क्या आप जानते हैं कि मध्य प्रदेश कि विदिशा में स्थित श्रीराम मंदिर में श्रीराम को सूर्य तिलक करने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। आइए जानते हैं इस मंदिर और यहां की परंपरा के बारे में।

कहां स्थित है राम मंदिर

मध्य प्रदेश में स्थित विदिशा जिले के पेढ़ी चौराहे पर प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बना है। इस मंदिर में पिछले 280 वर्षों से मध्याह्न बेला में श्रीराम का सूर्य तिलक किया जाता है। क्योंकि श्रीराम मध्याह्न बेला में अवतरित हुए थे। बताया जाता है कि मंदिर की स्थापना 18वीं शताब्दी में की गई। उस दौरान देशभर में राम भक्तों ने सैकड़ों की संख्या में राम मंदिर बनवाए थे। वही यह मंदिर अयोध्या के महान संत राजाराम को दान में दिया या था। संत राजाराम ने स्वयं राम मंदिर में स्थापित प्रभु श्रीराम की पूजा-सेवा की जिम्मेदारी ली थी। तब से प्रभु श्रीराम का सूर्य तिलक किया जाता है।

कैसे होता है सूर्य तिलक

बता दें कि समर्थ मठ श्रीराम मंदिर में दोपहर 12 बजे जन्मोत्सव आरती होती है। इस दौरान मंदिर के प्रांगण में स्थित चबूतरे पर एक व्यक्ति ढाई फिट लंबा और एक फिट चौड़ा दर्पण लेकर खड़ा रहता है। इस दर्पण से मंदिर में सूर्य की किरणें उतरती हैं। दर्पण के माध्यम से इन किरणों को मंदिर के गर्भ गृह में पहुंचाया जाता है। इन किरणों के माध्यम से प्रभु श्रीराम का करीब15 मिनट तिलक किया जाता है।

जीवन पर मंडरा रहा है शनि का साया, इन 3 शक्ति पीठों पर सिर झुकाकर सभी समस्याओं का होगा समाधान

सनातन धर्म के अनुसार धार्मिक क्रियाओं और सिद्ध मंत्रों से पत्थर में प्राणों को डाला जा सकता है। मंदिरों में प्राणों की प्रतिष्ठा करने के उपरांत ही प्रतिमाओं को श्री स्वरूप में परिवर्तित किया जाता है। प्रतिमाओं का वैदिक रीति के साथ अनुष्ठान पत्थर की प्रतिमाओं को जागृत करने के लिए ही किया जाता है। प्रतिमा का कई तरह से अभिषेक कर उसके दोषों का शमन किया जाता है। मंदिर जाकर जिस आत्मिक शांति का अनुभव होता है, वह वैदिक मंत्रों और शंख आदि की ध्वनि से ही उत्पन्न होता है। इसे ही प्राण प्रतिष्ठा कहते हैं। श्रद्धालुओं की मान्यता होती है की अब यह प्रतिमा पत्थर की मूर्त नहीं रही बल्कि इनमें साक्षात देवी अथवा देवता का वास है। मानों तो भगवान हैं न मानों तो पत्थर की मूर्त। आज भारत के छोटे शहर से लेकर बड़े शहर तक गली-मोहल्लों से लेकर सड़क के कोनों तक शनि देव के अनेकों मंदिरों का निर्माण हो चुका है। जहां शनिवार के दिन शनि देव की कृपा प्राप्ति के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखने को मिलती हैं। भक्त शनिवार के दिन शनि देव की विशेष पूजा आराधना करके अपनी सभी परेशानियों से मुक्ति पाते हैं और शनि की दशा के समय उनके भक्तों को कष्टों की अनुभूति नहीं होती। शनिदेव की कृपा किसी जातक पर हो जाए तो उसे विजय, धन, काम सुख और आरोग्यता की प्राप्ति होती है। ऐसे शनि मंदिरों में सिर झुकाने का कितना महत्व है ? भारत में शनिदेव के बहुत से पीठ स्थापित हैं किंतु पूर्वकालीन केवल तीन ही चमत्कारिक पीठ हैं जिनकी अत्यधिक अहमियत है। मान्यता है कि केवल इन्हीं स्थानों पर जाकर ही शनि कृपा पाई जा सकती है। किसी अन्य स्थान पर नहीं। आपके जीवन पर मंडरा रहा हो शनि का साया या कठिनाईयों से जूझ रहे हों आप तो केवल इन शनि मंदिरों में सिर झुकाने से हो सकता है, आपकी सभी समस्याओं का समाधान। यह तीन शक्तिपीठ हैं-

शनि शिंगणापुर : यहां की लोक मान्यता है कि यहां देवता हैं लेकिन मंदिर नहीं। घर है लेकिन दरवाजे नहीं। वृक्ष हैं पर छाया नहीं। भय हैं पर शत्रु नहीं। इन सब से हटकर शिंगणापुर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहां घरों में किवाड़ नहीं होते और शनिदेव स्वयं अपने भक्तों के घरों की रक्षा करते हैं। यहां स्त्रियों का शनि विग्रह की सेवा करना और तेलाभिषेक करना वर्जित था, लेकिन अब ऐसा नहीं है।

शनिश्चरा मंदिर: यहां स्थापित शनि पिण्ड हनुमान जी ने लंका से फेंका था जो यहां आकर स्थापित हो गया। यहां पर अद्भुत परंपरा के चलते शनि देव को तेल अर्पित करने के बाद उनसे गले मिलने की प्रथा है।

घर में हैं लड्डू गोपाल तो राधा रानी को विराजमान करने से पहले जान लें ये जरूरी नियम

राधा रानी की पूजा-अर्चना और सेवा का विशेष महत्व होता है। अगर आप लड्डू गोपाल के साथ राधा रानी की स्थापना का मन बना रहे हैं, तो इससे पहले कुछ नियमों के बारे में जानकारी लेना बहुत जरूरी है। आइए जानते हैं इन नियमों के बारे में।

अधिकतर घरों में लड्डू गोपाल की पूजा-अर्चना की जाती है। लड्डू गोपाल की पूजा के दौरान कई नियमों का ध्यान रखा जाता है। वहीं सनातन धर्म में भी लड्डू गोपाल की पूजा का विशेष महत्व माना गया है। ठीक इसी तरह से राधा रानी की पूजा-अर्चना और सेवा का विशेष महत्व होता है। ऐसे में अगर आप लड्डू गोपाल के साथ राधा रानी की स्थापना का मन बना रहे हैं, तो इससे पहले कुछ नियमों के बारे में जानकारी लेना बहुत जरूरी है। आइए जानते हैं इन नियमों के बारे में...

ऐसे करें स्थापित

धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक राधा रानी को हमेशा लड्डू गोपाल के साथ रखा जाना चाहिए। क्योंकि श्री कृष्ण की पूजा राधा रानी के बिना अधूरी मानी जाती है। ध्यान रखना चाहिए कि लड्डू गोपाल की मूर्ति के दाएं हाथ की तरफ ही देवी राधा को स्थापित करना चाहिए।

कैसी होनी चाहिए प्रतिमा

यदि आपके घर में भगवान श्रीकृष्ण लड्डू गोपाल के रूप में विराजमान हैं, तो फिर आपको अपने घर में राधा रानी के बाल स्वरूप को स्थापित करना चाहिए। वहीं यदि आप अपने घर में युवा स्वरूप वाले श्रीकृष्ण को रखते हैं, तो देवी राधी की युवती प्रतिमा घर में स्थापित करें।

ध्यान रखें कुछ जरूरी नियम

अगर आपने घर में लड्डू गोपाल और राधा रानी दोनों को विराजमान किया है, तो पहले श्रीराधा रानी की पूजा-सेवा करनी चाहिए और फिर इसके बाद में लड्डू गोपाल की सेवा करें। क्योंकि मान्यता के मुताबिक राधा रानी की सेवा करने से लड्डू गोपाल जल्द प्रसन्न होते हैं।

घर में लगाएं ऐसी तस्वीर

कुछ लोग अपने घर में श्रीकृष्ण की तस्वीर लगाते हैं। लेकिन धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक घर में कभी भी राधा रानी के बिना श्रीकृष्ण की प्रतिमा या तस्वीर को नहीं स्थापित करना चाहिए। हमेशा घर में राधा-कृष्ण की तस्वीर लगानी चाहिए।

इस ज्योतिर्लिंग में भगवान शिव और मां पार्वती करते हैं शयन

देश के अलग-अलग राज्यों में 12 ज्योतिर्लिंग मौजूद है। मध्यप्रदेश में नर्मदा नदी किनारे मांधाता पर्वत पर ओंकारेश्वर मंदिर स्थित है। बताया जाता है कि इस ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए हर रोज 30-35 हजार श्रद्धालु आते हैं।

देवों के देव महादेव के 12 ज्योतिर्लिंगों के बारे में तो आप सभी ने सुना होगा। यह 12 ज्योतिर्लिंग देश के अलग-अलग राज्यों में मौजूद है। जिनमें से 2 ज्योतिर्लिंग मध्य प्रदेश में मौजूद हैं। इनमें से पहला उज्जैन के महाकालेश्वर महाकालेश्वर और दूसरा खंडवा में ओंकारेश्वर ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग मौजूद है। नर्मदा नदी किनारे मांधाता पर्वत पर ओंकारेश्वर मंदिर स्थित है।

बताया जाता है कि इस ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए हर रोज 30-35 हजार श्रद्धालु आते हैं। वहीं किसी विशेष पर्व पर श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ जाती है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर के बारे में विस्तार से बताने जा रहे हैं।

ये है मान्यता

धार्मिक मान्यता के अनुसार, ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में भगवान

भोलेनाथ रात को शयन के लिए आते हैं। बताया जाता है कि यह एक ऐसा मंदिर है जहां पर भगवान शिव और माता पार्वती रोजाना चौसर पासे खेलते हैं।

लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या

केंद्र और राज्य सरकार द्वारा देश के धार्मिक स्थलों के विस्तार करने के लिए उठाए गए विशेष कदमों धार्मिक स्थलों को बढ़ावा मिला है। पहले इस मंदिर में 10-15 हजार श्रद्धालु पूजा-अर्चना करने और नर्मदा नदी में स्नान करने के लिए यहां पहुंचते थे। वहीं उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर महाकालेश्वर मंदिर को महालाक लोक के रूप में स्थापित किया गया है। जिसके बाद से ओंकारेश्वर-ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। इसके अलावा अवकाश वाले दिन श्रद्धालुओं की संख्या 50-60 हजार तक पहुंच जाती है।

ऐसे पहुचें ओंकारेश्वर

हवाई यात्रा के जरिए भी आप ओंकारेश्वर मंदिर जा सकते हैं। इस मंदिर से 77 किमी दूर इंदौर हवाई अड्डा स्थित है। फिर टैक्सी और बस की मदद से आप मंदिर आसानी से पहुंच सकते हैं। इंदौर से यह मंदिर 80 किमी दूर है। ओंकारेश्वर मंदिर से मोर्टक्का रेलवे स्टेशन 12 किलोमीटर है। यहां से भी आप ओंकारेश्वर पहुंच सकते हैं।

वहीं आप हवाई यात्रा के जरिए भी उज्जैन महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग पहुंच सकते हैं। इस ज्योतिर्लिंग से उज्जैन हवाई अड्डा 133 किमी दूर है। इसके अलावा बस के माध्यम से भी आप यहां पहुंच सकते हैं। इंदौर से महाकालेश्वर की दूरी 56 किमी है।

लोक-परलोक, बैकुंठ, भोग-मोक्ष, समस्त सुखों की प्राप्ति, पापों के नाश हेतु बरूथिनी एकादशी व्रत

दशमी तिथि के पश्चात् एकादशी तिथि आती है। एकादशी तिथि को एकादशी व्रत रखा जाता है। एकादशी व्रत सभी व्रतों में सर्वश्रेष्ठ व अत्यंत फलदायी है। हिन्दू सनातन धर्म में एकादशी व्रत का महात्म्य बहुत बड़ा है। एकादशी व्रत साक्षात् विष्णु भगवान का स्वरूप है। प्रत्येक मास में दो एकादशी तिथि आती है। एक कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि तो दूसरी शुक्ल पक्ष की। इस वर्ष 04 मई 2024 शनिवार को वरूथिनी एकादशी व्रत है। यह व्रत वैशाख कृष्ण पक्ष की एकादशी को किया जाता है. पद्मपुराण व स्कंद पुराण में वरूथिनी एकादशी के विषय में वर्णन है। भगवान श्रीकृष्ण से युधिष्ठिर पूछते है कि वैशाख माह के कृष्णपक्ष की एकादशी का फल एवं महात्मय क्या है? उनके इस कथन पर भगवान उन्हें कहते हैं कि हे धर्मराज! लोक और परलोक में सौभाग्य प्रदान करने वाली है। वरूथिनी एकादशी के व्रत करने से साधक को ज्यादा लाभ की प्राप्ति होती है तथा उसके पापों का नाश संभव हो जाता है. इस दिन भगवान विष्णु को तुलसी वाला जल चढाने से बैकुंठ लोक की प्राप्ति होती है। भय दूर होता है तथा समस्त सुखों का आगमन होता है। घर में धन-धान्य व सुख-समृद्धि बढती है। वरूथिनी एकादशी को कल्याणकारिणी एकादशी भी कहा जाता है। यह एकादशी भक्त को समस्त प्रकार के भोग एवं मोक्ष प्रदान करने वाली होती है। वरूथिनी एकादशी का व्रत करने से मनुष्य को दस सहस्त्र वर्ष तपस्या का व अन्नदान का फल मिलता है। इससे पितृ, देवता सब तृप्त हो जाते हैं। इस व्रत के नियम के अनुसार व्रत रखने वाले को दशमी तिथि के दिन से ही नियम धारण कर लेना चाहिए। संयम व शुद्ध आचरण का पालन करते हुए एकादशी के दिन प्रातःकाल समस्त क्रियाओं से निवृत्त होकर भगवान विष्णु जी का पूजन करना चाहिए. विधिपूर्वक वरूथिनी एकादशी का व्रत करते हुए एकादशी की रात्रि में जागरण करना चाहिए तथा भजन कीर्तन करते हुए श्री हरि का मनन करते रहना चाहिए। इस एकादशी के विषय में एक कथा प्रचलित है, जिसके अनुसार मांधाता, इक्ष्वाकुवंशीय नरेश थे। इनकी प्रसिद्धि दूर दूर तक फैली थी. इनके विषय में कहा जाता है कि इन्हें सौ राजसूय तथा अश्वमेध यज्ञों का कर्ता और दानवीर, धर्मात्मा चक्रवर्ती सम्राट् जो वैदिक अयोध्या नरेश मंधातृ जैसा अभिन्न माना जाता था. यादव नरेश शशबिंदु की कन्या बिंदुमती इनकी पत्नी थीं। जिनसे मुचकुंद, अंबरीष और पुरुकुत्स नामक तीन पुत्र और पचास कन्याएँ उत्पन्न हुई थीं। जो एक ही साथ सौभरि ऋषि से ब्याही गई थीं. पुत्र प्राप्ति हेतु यज्ञ के हवियुक्त मंत्रपूत जल को प्यास में भूल से पी लेने के कारण युवनाश्व को गर्भ रह गया। जिसे ऋषियों ने उसका पेट फाड़कर निकाला. वह गर्भ एक पूर्ण बालक के रूप में उत्पन्न हुआ था। जो इंद्र की तर्जनी उँगली को चूसकर रहस्यात्मक ढंग से पला और बढ़ा हुआ था. इंद्र द्वारा दुध पिलाने तथा पालन करने के कारण इनका नाम मांधाता पड़ा. यह बालक आगे चलकर पराक्रमी राजा बना. इन्होंने विष्णु जी से राजधर्म और वसुहोम से दंडनीति की शिक्षा ली थी. इसी वरूथिनी एकादशी के प्रभाव से राजा मान्धाता स्वर्ग को गए थे, क्योंकि गर्व से चूर होकर और स्वयं को उच्च मानते हुए इनके द्वारा कई गलत कार्य भी हुए। जिनके प्रभाव स्वरूप इन्हें स्वर्ग की प्राप्ति नहीं हुई। अतः अपने पापों से मुक्ति पाने हेतु क्षमा याचना स्वरूप इन्होंने इस एकादशी व्रत का पालन किया। जिसके प्रभाव से इन्हें स्वर्ग की प्राप्ति संभव हो सकती है। इसी प्रकार राजा धुन्धुमार को भगवान शिव ने एक बार क्रोद्धवश श्राप दे दिया था। जिसके कारण उन्हें बहुत सारे कष्टों की प्राप्ति हुई। उनसे मुक्ति के मार्ग के लिए धुन्धुमार ने तब इस एकादशी का व्रत रखा। जिससे उन्हें श्राप से मुक्ति प्राप्त हुए और वह उत्तम लोक को प्राप्त हुए.। वरुथिनी एकादशी के दिन सुबह जल्दी उठ कर स्नान करें। स्नान करते समय पानी में गंगाजल जरूर डालें। स्नान के बाद साफ वस्त्र धारण करें। फिर घर के मंदिर में दीपक जलाएं और भगवान विष्णु की प्रतिमा को स्नान करवाएं। इसके बाद भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा और आरती करें। पूजा के दौरान ओम नमो भगवते वासुदेवाय नमः का जाप करें। वरुथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को भोग अवश्य लगाये। वरुथिनी एकादशी व्रत तिथि इस साल 4 मई 2024 शनिवार को वरुथिनी एकादशी का व्रत किया जाएगा। जो भी व्यक्ति इस वरुथिनी एकादशी का व्रत करते हैं, उन्हें कन्यादान के बराबर फल प्राप्त होता है। इस व्रत के माहात्म्य का पाठ करने से एक सहस्र गौदान का पुण्य प्राप्त होता है। एकादशी तिथि आरंभ-3 मई 2024 शुक्रवार, रात्रि 11:24 मिनट पर एकादशी तिथि समाप्त-4 मई 2024 शनिवार, रात्रि 8:38 मिनट पर वरुथिनी एकादशी व्रत पूजा का समय 4 मई, प्रातः 07:18 से लेकर सुबह 08:58 तक वरुथिनी एकादशी व्रत पारण समय वरुथिनी एकादशी व्रत का पारण 5 मई 2024 रविवार, प्रातः 5:37 से लेकर सुबह 8:17 मिनट तक किया जाएगा। इस दिन द्वादशी तिथि शाम 05:41 मिनट पर खत्म होगी। वरुथिनी एकादशी योग ज्योतिष शास्त्र के अनुसार वरुथिनी एकादशी के दिन प्रातः 11:04 मिनट तक दुर्लभ योग बन रहा है। वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को रात्रि 10:07 मिनट तक पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र का संयोग बन रहा है। सुबह में 10:03 मिनट तक बव और शाम 08:38 मिनट तक बालव करण के योग बन रहे हैं। वरुथिनी एकादशी का महत्व एकादशी स्वयं विष्णुप्रिया है इसलिए इस दिन व्रत, जप-तप, दान-पुण्य करने से प्राणी श्री हरि का सानिध्य प्राप्त कर जीवन-मरण के बंधन से मुक्त होकर मोक्ष को प्राप्त करता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार एकादशी में ब्रह्महत्या सहित समस्त पापों का शमन करने की शक्ति होती है,इस दिन मन,कर्म,वचन द्वारा किसी भी प्रकार का पाप कर्म करने से बचने का प्रयास करना चाहिए साथ ही तामसिक आहार के सेवन से भी दूर रहना चाहिए। वरुथिनी एकादशी का व्रत करने से मनचाहे फल की भी प्राप्ति होती है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

अमेठी में कांग्रेस कार्यालय पर हमला, कारों में तोड़फोड़

लखनऊ। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी और उसकी अमेठी लोकसभा चुनाव की उम्मीदवार स्मृति ईरानी ने रविवार की देर रात गौरीगंज में उसके कार्यालय के बाहर तोड़फोड़ की। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि हमले के दौरान पुलिस मूक दर्शक बनी रही। रविवार की देर रात गौरीगंज में कांग्रेस कार्यालय के बाहर खड़े कांग्रेस कार्यकर्ताओं और कुछ स्थानीय लोगों के वाहनों पर हमला किया गया। कांग्रेस ने ट्वीट किया, यूपी के अमेठी में स्मृति ईरानी और बीजेपी कार्यकर्ता बुरी तरह डरे हुए हैं। हार को देखते हुए बीजेपी के गुंडे लाठी-डंडों से लैस होकर अमेठी में कांग्रेस कार्यालय के बाहर पहुंचे और वहां खड़ी गाड़ियों में तोड़फोड़ की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और अमेठी के लोगों पर जानलेवा हमला हुआ है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रीया श्रीनेत ने कहा कि अमेठी में कांग्रेस कार्यालय के बाहर खड़ी गाड़ियों की तोड़फोड़ की गई। पुलिस मूकदर्शक बनी रही और भाजपाई गुंडागर्दी करते रहे। हवा का रुख़ बदल गया है, गाड़ियाँ तोड़ने से बात नहीं बनेगी भाजपाईयों! यूपी कांग्रेस प्रभारी ने कहा कि यह बेहद निंदनीय कृत्य है।

उत्तर पूर्वी दिल्ली से कन्हैया कुमार ने दाखिल किया नामांकन

नईदिल्ली। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने सोमवार को उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल किया। पूर्व छात्र नेता उसी निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के दो बार के सांसद और भोजपुरी गायक से नेता बने मनोज तिवारी का सामना करने के लिए तैयार हैं। कुमार ने 2019 का आम चुनाव बिहार की बेगुसराय सीट से सीपीआई उम्मीदवार के रूप में लड़ा। कांग्रेस के उदित राज ने शुक्रवार को उत्तर पश्चिमी दिल्ली सीट के लिए अपना नामांकन दाखिल किया और उनकी पार्टी के सहयोगी जय प्रकाश अग्रवाल ने शनिवार को चांदनी चौक सीट के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। जेएनयू छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार पहली बार इस सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। हालांकि, पार्टी के कुछ नेताओं द्वारा उनके विरोध की भी खबर आई थी। दो बिहारियों के बीच होने वाले इस मुकाबले में पर सभी की दिलचस्पी है। नामांकन से पहले कन्हैया ने पूजा और हवन किया और सभी धर्मों के गुरुओं से भी आशीर्वाद लिया।

कांग्रेस और सपा के डीएनए में है राम द्रोह : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और इंडिया गठबंधन पर तीखा हमला करते हुए, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि विपक्ष के नेताओं के डीएनए में राम द्रोह भरा हुआ है। उत्तर प्रदेश के सीएम ने ये टिप्पणी पूर्व कांग्रेस नेता राधिका खेड़ा के इस्तीफे पर बोलते हुए की। उन्होंने कहा कि वह राम लला का आशीर्वाद लेने के लिए अयोध्या आईं और कांग्रेस के नेताओं ने उनका अपमान किया। अपमान से तंग आकर उन्होंने इस्तीफा दे दिया। इससे पता चलता है कि कांग्रेस और सपा के डीएनए में राम द्रोह है। इंडिया गठबंधन से जुड़े लोगों के डीएनए में राम द्रोह है। उन्होंने आगे कहा, और जो व्यक्ति राम द्रोही है, देश की जनता ऐसे लोगों के पक्ष में कभी अपना वोट नहीं देगी। यूपी सीएम ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता अब पार्टी के छद्म स्वरूप से पूरी तरह वाकिफ हो चुकी है। उन्होंने कहा, देश की जनता कांग्रेस के छद्म स्वरूप से भलीभांति परिचित है।

राउज एवेन्यू कोर्ट ने के कविता को जमानत देने से किया इंकार

नईदिल्ली। दिल्ली के राउज़ एवेन्यू ने दिल्ली शराब उत्पाद शुल्क नीति 2021-22 के गठन और कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं के संबंध में केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दर्ज मामलों में बीआरएस नेता के कविता को सोमवार को जमानत देने से इनकार कर दिया। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव की बेटी के.कविता के अलावा, ईडी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उनकी पार्टी के सहयोगी, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के साथ-साथ दिल्ली शराब नीति में कई शराब व्यवसायियों और अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया है। अरविंद केजरीवाल को नीति में कथित अनियमितताओं से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में 21 मार्च को ईडी ने गिरफ्तार किया था। 9 अप्रैल को दिल्ली उच्च न्यायालय ने जेल से रिहाई के लिए अरविंद केजरीवाल की याचिका खारिज कर दी और लोकसभा चुनावों के बीच राजनीतिक प्रतिशोध के उनके तर्क को खारिज कर दिया।

मैं अपने भाई की मानसिक स्थिति को लेकर चिंतित हूं

अमरावती। आंध्र प्रदेश कांग्रेस प्रमुख वाईएस शर्मिला रेड्डी ने कहा कि वह अपने भाई और आंध्र के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी की मानसिक स्थिति को लेकर चिंतित हैं। तेलुगू देशम पार्टी के एन चंद्रबाबू नायडू के निर्देश पर कांग्रेस में शामिल होने के आरोप पर रेड्डी की आलोचना करते हुए शर्मिला ने जानना चाहा कि उनके भाई हर चीज में चंद्रबाबू नायडू को क्यों देखते हैं। मीडिया से बात करते हुए शर्मिला ने कहा कि वह अपने भाई जगन को उपहार के रूप में एक दर्पण भेज रही हैं। शर्मिला ने शीशा दिखाते हुए पूछा,आप आईने में किसे ढूंढते हैं? क्या आप खुद हैं? या चंद्रबाबू? जगन रेड्डी के इस आरोप पर कि चंद्रबाबू नायडू उन्हें नियंत्रित कर रहे हैं, वाईएस शर्मिला ने उन्हें अपने आरोपों के लिए सबूत दिखाने की चुनौती दी। वाईएसआर कांग्रेस में रहते हुए उनके द्वारा चलाए गए अभियानों का जिक्र करते हुए शर्मिला ने कहा कि वह कह रहे हैं कि मैं चंद्रबाबू नायडू के निर्देश पर कांग्रेस में शामिल हुआ हूं।

ओडिशा में पीएम मोदी की चुनावी सभाएं, कहा- डबल इंजन सरकार का भरोसा

भाजपा ने जो कहा वो करके दिखाया : प्रधानमंत्री

भुवनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार (6 मई) को कहा कि ओडिशा में एक साथ दो यज्ञ हो रहे हैं - एक भारत में सरकार बनाने के लिए और दूसरा राज्य में सरकार बनाने के लिए। उन्होंने भाजपा द्वारा पहली बार ओडिशा में डबल इंजन सरकार बनाने पर विश्वास जताया। उनकी यह टिप्पणी ओडिशा के बेहरामपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आई। राज्य में विधानसभा और आम चुनाव एक साथ 13 मई से शुरू हो रहे हैं। दोनों चुनावों की मतगणना 4 जून को होगी।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि ओडिशा में, दो यज्ञ एक साथ हो रहे हैं। एक भारत में एक मजबूत सरकार बनाने के लिए और दूसरा ओडिशा में भाजपा के नेतृत्व में एक मजबूत राज्य सरकार बनाने के लिए। आपका उत्साह दिखाता है कि ओडिशा में पहली बार डबल इंजन की सरकार बनने जा रही है।

प्रधानमंत्री ने राज्य में भाजपा सरकार बनाने का विश्वास जताया और कहा कि वह राज्य में भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह का निमंत्रण देने के लिए शहर आए हैं। उन्होंने कहा आप जानते हैं कि बीजेपी जो कहती है वह करती है। इसलिए हम यहां सरकार बनाने के बाद घोषणा पत्र में की गई घोषणाओं को पूरी ताकत से लागू करेंगे। यह मोदी की गारंटी है। ओडिशा भाजपा ने, ओडिशा की आकांक्षाओं को, यहां के युवा सपनों को ध्यान में रखते हुए, यहां की बहनों-बेटियों के सामर्थ्य को ध्यान में रखते हुए बहुत ही विजनरी संकल्प पत्र जारी किया है। प्रधानमंत्री ने कहा यहां बीजद सरकार की समाप्ति तिथि 4 जून लिखी गई है। आज 6 मई है, भाजपा के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार का फैसला 6 जून को किया जाएगा। भाजपा के मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह 10 जून को भुवनेश्वर में होगा। आज मैं आप सभी को भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित करने आया हूं।

पीएम मोदी ने कांग्रेस और नवीन पटनायक की बीजेडी पर हमला तेज करते हुए कहा कि अमीर राज्य के लोग गरीब बने हुए हैं और इसके लिए दोनों पार्टियां जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा ओडिशा में, यह लगभग 50 वर्षों तक कांग्रेस थी, और लगभग 25 वर्षों तक बीजेडी थी। लेकिन क्या हुआ, सभी ने देखा है। ओडिशा में उपजाऊ

भूमि, खनिज संसाधन, समुद्री तट, बेरहामपुर जैसा व्यापार केंद्र, संस्कृति, विरासत है। और क्या नहीं... फिर भी, इस अमीर ओडिशा के लोग गरीब बने हुए हैं... इस पाप के लिए कौन जिम्मेदार है, इसका जवाब कांग्रेस और बीजद है।

पीएम मोदी ने आगे कहा, ओडिशा में बीजद अस्त है, कांग्रेस पस्त है और लोग भाजपा पर आश्वस्त हैं और सिर्फ भाजपा उम्मीदों का नया सूरज बनकर आई है। ओडिशा में बीजद के के छोटे छोटे नेता भी बड़े बड़े बंगलों के मालिक हो गए हैं। प्रधानमंत्री ने ओडिशा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन के लिए 10 हजार करोड़ रुपये राज्य को दिए। वो पैसे यहां की सरकार सही से खर्च ही नहीं कर पाई। उन्होंने बताया कि गांव की सड़कें बनाने के लिए केंद्र से पैसे भेजे गए, लेकिन गांवों में सड़कों की हालक अभी भी खराब है। दिल्ली से मुफ्त चावल के लिए पैसे भेजे गए, लेकिन बीजद सरकार इस योजन पर भी अपनी फोटो चिपका देती है।

पीएम मोदी ने कहा मोदी ने 5 लाख रुपये तक मुफ्त चिकित्सा उपचार की गारंटी दी है, और देश भर में 6 करोड़ से अधिक लोगों को इसका लाभ मिला है। विशेष रूप से, ओडिशा को इस पहल से कोई लाभ नहीं हुआ है क्योंकि बीजेडी सरकार ने आयुष्मान भारत योजना की अनुमति नहीं दी थी।

बरहामपुर के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने नबरंगपुर की रैली में झारखंड में हो रही ईडी रेड का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आपके पड़ोसी राज्य झारखंड में नोटों का पहाड़ मिल रहा है। हम भ्रष्टाचार के खिलाफ बात करते हैं और करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि हम पाई पाई बचाने में लगे हुए हैं। इनकी चोरी पकड़ी जा रही है तो ये मोदी को गाली दे रहे हैं। क्या मैं गाली के डर से चोरों को पकड़ना बंद कर दूं।

प्रधानमंत्री मोदी ने नबरंगपुर की रैली में कहा कि छत्तीसगढ़ में धान की खेती करने वाले किसानों को प्रति क्विंटल 3,100 रुपये का न्यूनतम समर्थन मूल्य मिला लेकिन ओडिशा के किसानों को 2,100 रुपये मिले। बीजद सरकार ने मोदी द्वारा बनायी योजनाओं को ओडिशा में लागू नहीं होने दिया। इससे पहले बरहामपुर में पीएम मोदी ने कहा कि कल मैं प्रभु राम की नगरी अयोध्या में था, वहां मैंने अयोध्या दर्शन किए। आज मैं प्रभु जगन्नाथ की धरती पर हूं और आशीर्वाद लेने आया हूं।

ओडिशा के नबरंगपुर में एक सार्वजनिक सभा में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज पड़ोसी राज्य झारखंड में नोटों के पहाड़ पाए जा रहे हैं। लोग कह रहे हैं कि चोरी उन्होंने की और पैसा मोदी ले जा रहे हैं। रैली में मौजूद लोगों से प्रधानमंत्री ने सवालिया लहजे में कहा कि अब मुझे बताओ, उनकी चोरी बंद कर दूं, उनकी कमाई बंद कर दूं, उनकी लूट बंद कर दूं, तो वो मोदी को गाली देंगे या नहीं देंगे? लेकिन मुझे ये काम करना चाहिए या नहीं?

पीएम मोदी ने कहा कि 40 साल पहले, एक प्रधानमंत्री ओडिशा आए थे, उन्होंने कहा था कि मैं दिल्ली से एक रुपया भेजता हूं, गरीब तक सिर्फ 15 पैसा पहुंचता है। यानी 100 में से 85 पैसा पंजा लूटने का काम करता था। उन्होंने आगे कहा कि आपने इस गरीब मां के बेटे को मौका दिया, तब मैंने कहा मैं एक रुपया भेजूंगा और एक पाई भी किसी को खाने नहीं दूंगा और जो खाएगा वो जेल की रोटी चबाएगा।

गांधी परिवार के गढ़ को बचाने में कांग्रेस ने झोंकी पूरी ताकत

भूपेश बघेल और अशोक गहलोत को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

नईदिल्ली। कांग्रेस ने भूपेश बघेल को रायबरेली और अशोक गहलोत को अमेठी का एआईसीसी वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। राहुल गांधी उत्तर प्रदेश की रायबरेली सीट से लोकसभा चुनाव 2024 लड़ रहे हैं। नेहरू-गांधी परिवार का गढ़ जो उनकी मां सोनिया गांधी ने खाली किया था। गांधी परिवार के वफादार किशोरी लाल शर्मा को अमेठी से मैदान में उतारा गया है, वह सीट जहां राहुल गांधी 2019 में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी से हार गए थे। कांग्रेस पार्टी ने दो सीटों के लिए नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 3 मई को उम्मीदवारों के नाम जारी किए थे।

ऐसे में गांधी परिवार के गढ़ को बचाने की जिम्मेदारी कांग्रेस के इन दो दिग्गजों भूपेश बघेल और अशोक गहलोत पर होगी। राहुल गांधी और किशोरी लाल शर्मा ने अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में 20 मई को रायबरेली और अमेठी में मतदान होगा। राहुल पहले ही केरल की वायनाड सीट से लोकसभा चुनाव लड़ चुके हैं, जिसे उन्होंने 2019 में जीता था। वायनाड में 26 अप्रैल को दूसरे चरण में मतदान हुआ था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 2 मई को यूपी के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह को रायबरेली से अपना उम्मीदवार घोषित किया। सिंह 2019 के लोकसभा चुनाव में सोनिया गांधी से हार गए थे।

लंबे समय से कांग्रेस के वफादार रहे किशोरी लाल शर्मा पंजाब के लुधियाना से हैं। शर्मा का कांग्रेस पार्टी से जुड़ाव 1983 से है जब उन्होंने पंजाब छोड़ने के बाद राजीव गांधी के साथ काम करना शुरू किया। बाद में, उन्होंने सोनिया गांधी के साथ अमेठी निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारी के रूप में काम किया, जहां से उन्होंने 1999 में चुनाव लड़ा था। बाद में शर्मा ने रायबरेली सीट के प्रभारी के रूप में भी काम किया। कांग्रेस 1999 से लेकर 2019 के लोकसभा चुनाव तक अमेठी और रायबरेली सीटें जीतती रही थी, जब राहुल गांधी केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी से अमेठी हार गए थे। राहुल 2004 से ही अमेठी से जीतते आ रहे थे।

राहुल गांधी पर कार्रवाई की मांग करते हुए देश के कई वाइस चांसलर हुए एकजुट

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मुश्किलें कम नहीं हो रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ अब देश की विभिन्न यूनिवर्सिटी के कुलपति एकजुट हो गए हैं। हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कुलपतियों के चयन प्रक्रिया पर टिप्पणी की थी।

इसके बाद विभिन्न यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलरों और प्रोफेसर ने एक खुला लेटर लिखा है जिसमें राहुल गांधी पर हमला बोला गया है। इस पत्र में कहा गया है कि कुलपतियों का चयन जिस प्रक्रिया से किया जाता है वह योग्यता विद्युत ताप पूर्ण और विशेषता के मूल्य पर आधारित प्रक्रिया होती है। कुलपतियों के चयन की पूरी प्रक्रिया शैक्षणिक और प्रशासनिक कौशल पर आधारित होती है। कुलपतियों का चयन इस तरह से होता है कि वह विश्वविद्यालय के विकास करने का काम कर सके। कुलपतियों ने कहा कि राहुल गांधी अफवाह फैला रहे है। देश भर की युनिवर्सिटी में मेरीट के आधार पर नहीं बल्कि आरएसएस के साथ जुड़ाव और रिश्तों के आधार पर नियुक्तियां हो रही है। इस पत्र में कहा गया कि राहुल गांधी ने राजनीतिक लाभ लेने के इरादे से झूठ का सहारा लिया है। उन्होंने राजनीतिक लाभ के लिए कुलपतियों को बदनाम किया है।

खेल
प्रमुख समाचार

टी20 विश्व कप पर मंडराया आतंकी हमले का खतरा

नई दिल्ली। आईपीएल 2024 सीजन के बाद अमेरिका और वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप का आयोजन होना है। उससे पहले ही वेस्टइंडीज को टूर्नामेंट के दौरान आतंकी हमले की धमकी मिली है। रोहित शर्मा की अगुआई में भारतीय टीम भी इस वैश्विक टूर्नामेंट में शिरकत करेगी। आतंकी हमले की धमकी के बाद वेस्टइंडीज में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने सुरक्षा को लेकर आश्वासन भी दिया है। राहत की बात यह है कि भारत अपने ग्रुप चरण के मैच वेस्टइंडीज नहीं, बल्कि अमेरिका में खेलेगा।

भारतीय टीम टी20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत आयरलैंड के खिलाफ पांच जून को न्यूयॉर्क में करेगी। टीम ग्रुप चरण में अपने सभी मुकाबले अमेरिका में खेलेगी और अगर टीम सुपर-8 चरण के लिए क्वालीफाई करने में सफल रही तो टीम के मैच वेस्टइंडीज में होंगे। भारत आयरलैंड के खिलाफ खेलने के बाद नौ जून को पाकिस्तान, 12 जून को अमेरिका और 15 जून को कनाडा के खिलाफ खेलेगा। भारतीय टीम के शुरुआती तीन मैच न्यूयॉर्क, जबकि ग्रुप चरण का अंतिम मैच लॉडरहिल में होगा।

इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पिछले सप्ताह 15 सदस्यीय टीम घोषित की थी। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में रोहित शर्मा की कप्तानी में खेलने उतरेगी, जबकि हार्दिक पांड्या टीम के उपकप्तान होंगे। भारत ने 2007 के बाद से कभी टी20 विश्व कप का खिताब नहीं जीता है और टीम की नजरें इस बार खिताबी सूखे को समाप्त करने पर होंगी। टी20 विश्व कप में पहली बार 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं और सभी टीमों को पांच-पांच के दो ग्रुप में बांटा गया है। भारत कनाडा, आयरलैंड, पाकिस्तान और अमेरिका के साथ ग्रुप-ए में शामिल है। ग्रुप चरण में शीर्ष दो पर रहनी वाली टीमें प्रत्येक ग्रुप से सुपर-आठ चरण के लिए क्वालीफाई करेंगी।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 73,895 पर बंद निफ्टी 33 अंक गिरा

नईदिल्ली। बेंचमार्क सेंसेक्स सोमवार को हफ्ते के पहले कारोबारी दिन एक सीमित दायरे के कारोबार में साथ लगभग सपाट बंद हुआ। हाई वेल्युएशन से संबंधी चिंताओं के बीच निवेशकों ने इंडेक्स हैवीवेट में मुनाफावसूली की जिसके चलते बाजार आज लगभग सपाट रहा। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 17.39 अंक या 0.02 प्रतिशत बढ़कर 73,895.54 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 74,359.69 अंक के हाईएस्ट और 73,786.29 अंक के निचले लेवल तक चला गया था। दूसरी तरफ, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-फिफ्टी 33.15 अंक या 0.15 प्रतिशत की गिरावट लेकर 22,442.70 अंक के लेवल पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक का शेयर 5 प्रतिशत चढ़ गया। बैंक के शेयरों में यह तेजी मार्च तिमाही के नेट प्रॉफिट में 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करने के चलते आई है।

गौतम अदाणी की कंपनी लेगी विदेशी बैंकों से उधार

नईदिल्ली। एशिया के दूसरे सबसे अमीर उद्योगपति गौतम अदाणी की कंपनी अदाणी टोटल प्राइवेट लिमिटेड अपनी गैस यूनिट के लिए 60 करोड़ डॉलर जुटाने की योजना बना रही है। ब्लूमबर्ग ने जानकारी देते हुए बताया कि कंपनी विदेशी बैंकों से फंड के लिए बातचीत कर रही है, ताकि उसकी गैस यूनिट के लिए मौजूदा डेट को रीफाइनैंस किया जा सके। ब्लूमबर्ग ने सूत्रों के हवाले से खबर दी कि अदाणी टोटल धामरा एलएनजी टर्मिनल के लिए यह रकम जुटाना चाहती है। लोन की अवधि तीन से पांच साल तक हो सकती है, जिसकी कीमत सिक्योर्ड ओवरनाइट फाइनेंसिंग दर से जुड़ी हो सकती है। पोर्ट से लेकर पावर सेक्टर तक बिजनेस करने वाली कंपनी क्रेडिट एग्रीकोल, DBS Bank Ltd, BNP Paribas, Mitsubishi UFJ Financial Group Inc. और Mizuho Bank Ltd से बातचीत कर रही है।

वन97 कम्युनिकेशंस के शेयरों में जबरदस्त गिरावट

नईदिल्ली। भारत की फिनटेक कंपनी पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस के शेयरों में आज जबरदस्त गिरावट देखने को मिली। बाजार खुलते ही इसके शेयर 3 फीसदी से ज्यादा लुढ़क गए। इसके शेयर इस समय 20 अक्टूबर 2023 के 998.30 रुपये के उच्चतम स्तर के मुकाबले 50 फीसदी से भी ज्यादा गिर चुके हैं। 12:09 बजे एनएसई पर कंपनी के शेयर 4.87 फीसदी की गिरावट के साथ 351.90 पर ट्रेड करते देखे गए, जबकि बीएसई पर इसी समय 4.92 फीसदी की गिरावट देखने को मिली। बीएसई पर फिनटेक फर्म के शेयर 352 रुपये पर ट्रेड करते देखे गए। इंट्रा डे ट्रेड के दौरान बीएसई पर 4.99 फीसदी का लोअर सर्किट लग गया। एनएसई पर ये 5 फीसदी तक गिरकर 351.40 के लो लेवल पर आ गए थे। पेटीएम की पेरेंट कंपनी के शेयर आज 358.95 रुपये पर ओपन हुए थे, जबकि पिछले कारोबारी दिन 370.20 रुपये पर बंद हुए थे।

अप्रैल में सर्विस सेक्टर की सुस्त पड़ी रफ्तार

नईदिल्ली। सर्विस सेक्टर की रफ्तार मार्च के मुकाबले अप्रैल 2024 में थोड़ी नरम पड़ गई है। आज यानी सोमवार को एसएंडपी ग्लोबल की तरफ से कंपाइल्ड एचएसबीसी की रिपोर्ट में बताया गया कि 'इंडिया सर्विसेज परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स' मार्च के 61.2 से गिरकर अप्रैल में 60.8 पर आ गया। हालांकि, अनुमान जताया गया था कि अप्रैल में सर्विस पीएमआई 61.7 तक बढ़ जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। रिपोर्ट में बताया गया कि मजबूत घरेलू और विदेशी मांग की वजह से बिजनेस कॉन्फिडेंस लेवल तीन महीने के हाई पर पहुंच गया और इस वजह से परचेंजिंग मैनेजर्स इंडेक्स पर ज्यादा असर देखने को नहीं मिला। सर्विस पीएमआई में भले ही गिरावट देखने को मिली, लेकिन आंकड़ों से पता चलता है कि यह अभी भी पिछले 14 सालों में दूसरी सबसे बडी ग्रोथ है।

आर्थिक क्षेत्र में नित नए विश्व रिकार्ड बनाता भारत

(गतांक से आगे...)

प्रह्लाद सबनानी

भारतीय नागरिकों में आज स्व का भाव जगाने में भी कामयाबी मिली है, जिसके चलते स्वदेश में निर्मित वस्तुओं का उपयोग बढ़ रहा है एवं अन्य देशों से विभिन्न उत्पादों के आयात कम हो रहे हैं। इसके चलते भारत के विदेशी व्यापार घाटे में सुधार दृष्टिगोचर है। आज भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में मामूली वृद्धि दर्ज हो रही है तो कई उत्पादों के आयात में कमी दिखाई देने लगी है। इसे भारतीय नागरिकों के आत्म निर्भर भारत की ओर बढ़ते कदम के रूप में देखा जा सकता है। फरवरी 2024 माह में भारत का व्यापारिक निर्यात 11.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 4140 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया, जो पिछले 20 महीनों में उच्चतम स्तर पर है। इसके अतिरिक्त, सेवा निर्यात 3210 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रिकार्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है। फरवरी 2024 माह में माल एवं सेवाओं को मिलाकर कुल निर्यात 7355 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है, जो फरवर 2023 की तुलना में 14.2 प्रतिशत अधिक है। इसी कारण से, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी आज 64,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है।

आज भारतीय नागरिकों ने सनातन संस्कृति का अनुपालन करते हुए भारत को विकसित एवं मजबूत बनाने के लिए अपने कदम आगे बढ़ा लिए हैं। आज भारत में प्रत्येक नागरिक का औसत जीवन वर्ष 2022 के 62.7 वर्ष से बढ़कर 67.7 वर्ष हो गया है। यह भारत में लगातार हो रही स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के चलते ही सम्भव हो सका है। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रतिवेदन के अनुसार भारत में प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय में पिछले 12 महीनों के दौरान 6.3 प्रतिशत की वृद्ध दर्ज

हुई है। इसी प्रकार, एक सर्वे के अनुसार, आज भारत में 36 प्रतिशत कम्पनियां आगामी 3 माह में नई भर्तियां करने पर गम्भीरता से विचार कर रही हैं, इससे भारत में रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित होते दिखाई दे रहे हैं। गरीब वर्ग को भी केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ पहुंचाये जाने के भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। जल जीवन मिशन ने पूरे भारत में 75 प्रतिशत से अधिक घरों में नल के पानी का कनेक्शन प्रदान करके एक बढ़ा मील का पत्थर हासिल कर लिया है। लगभग 4 वर्षों के भीतर मिशन ने 2019 में ग्रामीण नल कनेक्शन कवरेज को 3.23 करोड़ घरों से बढ़ाकर 14.50 करोड़ से अधिक घरों तक पहुंचा दिया गया है। इसी प्रकार, पीएम आवास योजना के अंतर्गत, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में 4 करोड़ से अधिक पक्के मकान बनाए गए हैं एवं सौभाग्य योजना के अंतर्गत देश भर में 2.8 करोड़ घरों का विद्युतीकरण कर लिया गया है। विश्व भर के सबसे बड़े सरकारी वित्तपोषित स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम- प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना- के अंतर्गत 55 करोड़ लाभार्थियों को माध्यमिक एवं तृतीयक देखभाल एवं अस्पताल में भर्ती के लिए प्रति परिवार 5 लाख रुपए का बीमा कवर प्रदान किया जा रहा है। साथ ही, पीएम गरीब कल्याण योजना के माध्यम से मुफ्त अनाज के मासिक वितरण से 80 करोड़ से अधिक परिवारों को लाभ प्राप्त हो रहा है।

पीएम उज्जवल योजना के अंतर्गत 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन प्रदान किये गए हैं। इन महिलाओं के जीवन में इससे क्रांतिकारी परिवर्तन आया है क्योंकि ये महिलाएं इसके पूर्व लकड़ी जलाकर अपने घरों में भोजन सामग्री का निर्माण कर पाती थीं और अपनी आंखों को खराब होते हुए देखती थीं। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत भी 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण कर महिलाओं की सुरक्षा एवं गरिमा को कायम रखा जा सका है। जन धन खाता योजना के अंतर्गत 52 करोड़ से अधिक खाते खोलकर नागरिकों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली में लाया गया है। इससे गरीब वर्ग के नागरिकों के लिए वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिला है। पूरे भारत में 11,000 से अधिक जनऔषधि केंद्र स्थापित किए गए हैं, जो 50-90 प्रतिशत रियायती दरों पर आवश्यक दवाएं प्रदान कर रहे हैं। अंत में यह कहा जा सकता है कि भारत आर्थिक क्षेत्र में आज पूरे विश्व में एक चमकते सितारे के रूप में दिखाई दे रहा है।

कांग्रेस के अधिकांश प्रधानमंत्री पर घोटाले के आरोपः साय

कांग्रेस का भेदभाव का आरोप गलत, मोदी जी ने छत्तीसगढ़ को बहुत कुछ दिया

रायपुर। अगर मैं कहूं कि कांग्रेस ही भ्रष्टाचार की जननी है तो ये कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। आजादी के बाद जितने कांग्रेसी प्रधानमंत्री हुए, उनमें स्व. पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर श्री मनमोहन सिंह तक अधिकांश पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे। स्व. राजीव गांधी जी के कार्यकाल में बोफोर्स घोटाले के कारण उनकी सरकार चली गई। यहां तक कि खुद राजीव गांधी स्वीकार करते थे कि मैं दिल्ली से 1 रुपए भेजता हूं, तो लोगों तक केवल 15 पैसा ही पहुंच पाता है। मनमोहन सिंह सरकार में भी अनेक घोटाले हुए, उस समय जब भी कोई समाचार पत्र या टीवी में न्यूज चैनल देखते तो हर दिन कोई नया स्कैंडल सामने आता था। कोलगेट घोटाला, कॉमनवेल्थ गेम घोटाला, अगस्ता हेलीकॉप्टर खरीदी घोटाला जैसे आरोप मनमोहन सरकार पर लगे। इन्होंने जमीन छोड़ा ना आसमान, हर जगह घोटाला और भ्रष्टाचार किया।

एक साक्षात्कार में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में जब 2018 में विधानसभा चुनाव हुए तो जनता ने कांग्रेस पार्टी पर बहुत बड़ा विश्वास करके उन्हें सरकार में बैठाया था लेकिन यहां भी पांच साल कांग्रेस सरकार ने सिर्फ घोटाले किए। पूर्व मुख्यमंत्री पर भी महादेव सट्टा ऐप में प्रोटेक्शन मनी लेने का आरोप लगा। भारतीय जनता पार्टी में भ्रष्टाचार के लिए कोई जगह नहीं है। नरेंद्र मोदी जी ने जब पहली बार प्रधानमंत्री के रूप में अपना दायित्व संभाला तो उन्होंने कहा था कि ना खाऊंगा ना खाने दूंगा और सौभाग्य है इस देश का कि दो कार्यकालों के बाद भी मोदी सरकार व उनके किसी मंत्री पर भ्रष्टाचार या घोटालों के आरोप नहीं लगे। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ में भी हम भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रहे हैं और जो भी इसमें लिप्त पाया जाएगा उस पर हमारी सरकार सख्त से सख्त कार्रवाई करेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वोट जिहाद शब्द बोलने के सवाल पर सीएम साय ने कहा कि कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति करती है इनके पूर्व प्रधानमंत्री रहे मनमोहन सिंह बोल चुके हैं कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। लेकिन ये सब यहां नहीं चलने वाला। एसी, एसटी, ओबीसी व सामान्य, सभी वर्ग के लोग इस देश में रहते हैं जो इस देश की चिंता करते हैं इसलिए, सबका हक बराबर है। एक विशेष समुदाय के वोट बैंक के लिए तुष्टिकरण की राजनीति कांग्रेस पार्टी करती आई है।

पिछली कांग्रेस द्वारा मोदी सरकार पर भेदभाव के आरोप पर श्री साय ने कहा कि केन्द्र की मोदी की सरकार कभी किसी से भेदभाव नहीं करती है। पिछली कांग्रेस सरकार के साथ भी कोई भेदभाव नहीं किया गया था। लेकिन यहां की पूर्व कांग्रेस सरकार एवं स्वयं भूपेश बघेल नहीं चाहते थे कि केंद्र की योजनाओं का लाभ छत्तीसगढ़ की जनता को मिले क्योंकि इसका श्रेय भाजपा और मोदी जी को चला जाएगा।

उन्होंने कहा कि पिछले 5 वर्षों में 18 लाख गरीब परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित हो गए। भारत सरकार द्वारा इसका पैसा भी भेजा गया, गरीबों के पक्का मकान बनवाने हेतु लगातार छत्तीसगढ़ सरकार को पत्र लिखा गया लेकिन यहां की कांग्रेस सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया। हर घर जल पहुंचाने के लिए संकल्पित भारत सरकार द्वारा शुरू की गई जल जीवन मिशन योजना भी कांग्रेस सरकार में कमीशनखोरी की भेंट चढ़ गई। जबसे छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनी है केंद्र सरकार की सभी योजनाएं एवं मोदी की गारंटी का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचाने का काम हमारी सरकार कर रही है।

चुनाव के बाद विष्णु सरकार की जनहितैषी योजनाओं के बंद हो जाने के सवाल पर विष्णु देव साय ने कहा कि कांग्रेस मुद्दाविहीन हो गई है। उन्हें अपनी हार स्पष्ट दिखाई दे रही है इसलिए ये मुद्दे की बात नहीं कर रहे है, केवल भ्रम और झूठ फैला रहे हैं। संविधान खतरे में पड़ जाएगा, आरक्षण समाप्त कर देंगे, महतारी वंदन का पैसा व 3100 रूपया धान खरीदी चुनाव तक है, कांग्रेसी ये भ्रम लोगों के बीच पैदा कर रहे हैं। लेकिन जनता वास्तविकता को जानती है वह इनके झांसे में नहीं आने वाली। उन्होंने कहा कि मैं बतौर

मुख्यमंत्री प्रदेश की जनता को आश्वस्त करना चाहता हूं कि जब तक हमारी सरकार है, हमारी कोई भी योजना या मोदी की गारंटी बंद नहीं होगी। प्रधानमंत्री जी ने भी कहा है कि न संविधान को कोई खतरा है, न किसी का आरक्षण समाप्त होगा।

अनुसूचित क्षेत्रों में धर्मांतरण को रोकने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि धर्मांतरण का विरोध हमने लगातार किया है और जब हम सरकार में हैं, तो आने वाले समय में यदि जरूरत पड़ी तो इसके खिलाफ हम कठोर कानून लेकर आएंगे।

राधिका खेड़ा विवाद मामला

महिला न्याय की बात करना कांग्रेस का एक नाटक है

रायपुर। भाजपा की वरिष्ठ नेत्री सरोज पांडे ने कहा कांग्रेस ने लगातार महिलाओं के साथ अन्याय किया है शाह बानो के तलाक के मामले के केस में जब एक बूढ़ी मां को वर्षो के केस लड़ने के बाद कोर्ट ने उसके हक गुजारा भत्ता देने का फ़ैसला सुनाया था तब राजीव गांधी की सरकार ने उस फैसले को बदलने सरकारी आदेश निकाला,और उस बूढ़ी मां से उसका हक छीन लिया था,महिलाओ को कुचलना और उनका अधिकार मारना उन्हे अपमानित करना आज भी कांग्रेस का यही चरित्र है इसीलिए महिलाएं कांग्रेस से घृणा करने लगी है। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता अगर सुरक्षित नहीं है तो कांग्रेस की आम कार्यकर्ता का क्या हाल होगा ,सोनिया गांधी को इस विषय पर चुप्पी तोड़नी चाहिए। प्रियंका गांधी के निजी सहयोगी ने दलित नेता अर्चना गौतम के साथ दुर्व्यवहार किया था कोई कार्यवाही नहीं हुई,फिल्म अभिनेत्री नगमा के साथ भी यही हुआ कोई कार्यवाही नहीं हुई,आज राधिका खेड़ा के साथ भी यही हुआ कोई कार्यवाही नहीं हुई। प्रियंका गांधी सोनिया गांधी को देश की महिलाओ से माफी मांगनी चाहिए।

कांग्रेस की कई महिलाओ ने दुर्व्यवहार की शिकायत की किसी को न्याय नहीं मिला

भाजपा की वरिष्ठ नेत्री, पूर्व मंत्री वर्तमान विधायक रेणुका सिंह ने कहा कि कांग्रेस की कई नेत्रियां दुर्व्यवहार का शिकार हुई है कईयों ने शिकायत की ,सुनवाई किसी की नही हुई,न्याय किसी को नही मिला ऐसे में लड़की हूं लड़ सकती प्रियंका गांधी का यह नारा एक कोरा झूठ साबित होता है। छत्तीसगढ़ में ही कांग्रेस भवन में महिलाएं अपमानित होती रहीं है कांग्रेस महिला न्याय के नारे के साथ चुनाव मैदान में है राधिका खेड़ा प्रकरण ने इसकी हवा निकाल कर इसकी सच्चाई को जनता के सामने ला दिया है।नारी सम्मान ये शब्द कांग्रेस की डिक्शनरी में नही ,नारी न्याय ये कांग्रेस की नीति में नही।

कांग्रेस के अन्याय से महिलाओं में निराशा

भाजपा विधायक भावना बोहरा ने कहा कांग्रेस द्वारा महिलाओ के साथ दुर्व्यवहार,उन्हे अपमानित करना इसका एक लंबा इतिहास है एक महिला होने के नाते राधिका खेड़ा के बयान सुनकर आश्चर्यचकित हूं, हम हमेशा महिलाओ युवतियों के ये कहते है प्रोत्साहित करते है की उनके साथ अगर गलत हो रहा है तो जरूर बताएं यही काम राधिका खेड़ा ने किया है अपनी आपबीती को बताया है अगर उसकी आवाज को दबाया जायेगा,उसे न्याय नहीं मिलेगा तो पूरे देश की महिलाएं इससे निराश होंगी और शायद अपने साथ हो रहे दुर्व्यवहार को बताने से डरे,अब यह विषय केवल राधिका खेड़ा का नही रह गया बल्कि महिला अस्मिता का विषय बन गया है शर्म की बात है की सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी इस विषय पर चुप है कांग्रेस महिलाओ का भला कभी नही कर सकती । प्रियंका चतुर्वेदी ने राष्ट्रीय प्रवक्ता रहते इसी दुर्व्यवहार के कारण और सुष्मिता देव कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष रहते हुए इस्तीफा दिया था।

प्रियंका गांधी,अब झूठे नारे लगाना बंद करे

भाजपा की प्रदेश महिला मोर्चा की अध्यक्ष शालिनी राजपूत ने कहा कि कांग्रेस में लगातार महिलाओ का उत्पीड़न होता रहा है,जब जब महिलाओ ने अपने हक की आवाज कांग्रेस ने उठाई है उनकी आवाज दबाने का प्रयास हुआ है उन्हे अपमानित किया गया है राधिका खेड़ा के साथ हुआ बर्ताव पूरी कांग्रेस पार्टी को कटघरे में खड़े कर रहा है आखिर कांग्रेस के भवन आखिर महिलाओ के असुरक्षित क्यों हो गए है लड़की हूं लड़ सकती हूं का नारा लगाने वाली प्रियंका गांधी इस विषय पर मौन क्यों है?

मतदान के तीसरे चरण में भी जनता-जनार्दन का भरपूर आशीर्वाद भाजपा को प्राप्त होगा : अजय

मुख्य प्रवक्ता चंद्राकर ने कहा - विपक्ष के पास प्रधानमंत्री मोदी से बड़ा कोई विश्वसनीय चेहरा नहीं

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता व पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने विश्वास व्यक्त किया है कि प्रथम दो चरणों की तरह ही 7 मई को मतदान के तीसरे चरण में छत्तीसगढ़ के शेष सात लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में जनता-जनार्दन का भरपूर आशीर्वाद भाजपा को प्राप्त होगा और पार्टी प्रदेश की सभी 11 लोकसभा सीटों पर अपनी विजय पताका फहराएगी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सिर्फ औपचारिकता निभाने के लिए चुनाव लड़ रही है। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता श्री चंद्राकर ने कहा कि हमने भविष्य के भारत का एक रोड मैप जनता के सामने प्रस्तुत किया है ।

कांग्रेस सिर्फ दिशा हीन होकर विरोध की राजनीति कर रही है कांग्रेस में भगदड़ की स्थिति है। कांग्रेस में न कोई नेता है और न ही कोई नीति है। कांग्रेस के कार्यकर्ता कोई कार्य नहीं कर रहे हैं और अधिकांश नेता कांग्रेस त्यागकर भाजपा में आ रहे हैं जहां एक मजबूत भारत का निर्माण होगा, भविष्य के भारत का निर्माण होगा। श्री चंद्राकर ने कहा कि कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है। इसलिए घूम-फिरकर तीन-चार मुद्दों को लेकर ही झूठ फैला रहे हैं। जातिगत जनगणना की बात करेंगे, वेल्थ-क्रियेटर को गाली देंगे, राम मंदिर का विरोध करेंगे। कांग्रेस की तरफ से इन्हीं विषयों को लेकर भाषण होता है। कांग्रेस आरक्षण खत्म करने का झूठ परोस रहे हैं जबकि किसी ने इस बारे में बात नहीं की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि किसी का आरक्षण कभी खत्म नहीं होगा।

अब विपक्ष के पास क्या श्री मोदी से बड़ा कोई विश्वसनीय चेहरा है? कांग्रेस पार्टी केवल भ्रम फैलाकर राजनीति कर रही है। इनके पास कोई नैतिक नहीं है। परिवारवाद का उदाहरण देते हुए श्री चंद्राकर ने कहा कि उत्तरप्रदेश में मुलायम सिंह और अखिलेश सिंह, बिहार में लालूप्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, राबड़ी यादव के परिवार में कितने लोगों को टिकट मिला है?

उनके परिवार में कोई बेरोजगार नहीं है। जो 21 वर्ष का होता है उसके लिए यह लोग पहले ही तय कर लेते हैं कि यह कहाँ से सांसद या विधायक होगा? उनकी नजर में यह एक नए तरह का समाजवाद है। उनके लिए परिवारवाद ही समाजवाद कहलाता है। हिंदुस्तान की जनता इसे देख भी रही है और लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और इंडी ठगबंधन के खिलाफ मतदान करके उसकी राजनीतिक हैसियत दिखा देगी।

रायपुर। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले से आज राज्य के 2023 बैच के प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की. इस दौरान रीना बाबासाहेब कंगाले ने प्रशिक्षु अधिकारी अनुपमा आनंद, एम.भार्गव, तन्मय खन्ना और दुर्गा प्रसाद को विस्तार से निर्वाचन प्रक्रिया की बारीकियों से अवगत कराया.

महिलाओं को अपमानित करना कांग्रेस की फितरत है - चौधरी

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता राधिका खेड़ा प्रकरण पर अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि बहन राधिका खेड़ा के साथ हुए दुर्व्यवहार से साबित हो गया है कि महिलाओं को अपमानित करना कांग्रेस की फितरत है। उन्हें कमरे में बंद करना, गाली-गलौच करना और शराब की पेशकश करना छत्तीसगढ़ को शर्मसार करने वाली घटना है। कांग्रेस पार्टी के लिए महिलाएं सिर्फ घोषणा पत्र में महालक्ष्मी है, बाकी समय वो इस्तेमाल की वस्तु है। हद तो यह है कि राधिका खेड़ा ने भूपेश बघेल सहित प्रदेश और शीर्ष नेतृत्व से शिकायत की, तो उन्हें डराकर चुप करा दिया गया इसके पहले प्रियंका गांधी वाड्रा की सहयोगी अर्चना गौतम और कांग्रेस नेत्री नगमा के साथ दुर्व्यवहार की घटना सामने आई थी। कांग्रेस और उनके पदाधिकारियों के कारण छत्तीसगढ़ महतारी का सिर शर्म से झुक गया। बहन @Radhika_Khera के साथ हुए दुर्व्यवहार से साबित हो गया है कि महिलाओं को अपमानित करना कांग्रेस की फितरत है। उन्हें कमरे में बंद करना, गाली-गलौच करना और शराब की पेशकश करना छत्तीसगढ़ को शर्मसार करने वाली घटना है। कांग्रेस पार्टी के लिए महिलाएं सिर्फ घोषणा पत्र में महालक्ष्मी है,

---

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

मुख्यमंत्री साय अपने गृह ग्राम बगिया में करेंगे मतदान

रायपुर/बगिया। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जशपुर जिला स्थित गृह ग्राम बगिया में अपना मतदान करेंगे। इसके लिए वे रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास से बगिया जाएंगे। श्री साय ने छत्तीसगढ़ की जनता से मतदान में शामिल होने की अपील की है। अपने 47 दिन के तूफानी जनसभाओं के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कल प्रातः 08.35 बजे अपने गृह ग्राम बगिया के लिए रवाना होंगे। जहाँ कल वो गांव के प्राथमिक शाला बूथ क्रमांक 49 में सपरिवार मतदान करेंगे। श्री साय कल प्रातः 10.05 बजे से शाम 04.10 बजे तक अपने निज निवास बगिया में रहेंगे और क्षेत्र के लोगों के साथ मेल-मुलाकात करेंगे। सायं 04.15 बजे सीएम साय वापस राजधानी रायपुर के लिए रवाना होंगे। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में तीसरे व अंतिम चरण में होने वाले चुनाव के लिए प्रचार थम चुका है। जिसके अंतर्गत बची हुई 7 सीटों में कल 7 मई को वोट डाले जाएंगे। कल दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, सरगुजा, जांजगीर-चांपा लोकसभा सीटों के लिए मतदान होगा।

स्कॉय ऑटोमोबाइल्स को एक साथ मिले तीन अवार्ड

रायपुर। मारुति सुजुकी कंपनी के अधिकृत डीलर स्कॉय ऑटोमोबाइल्स को तुर्की के अंतालिया में आयोजित ऑल इंडिया डीलर कॉफ्रेंस में तीन अवार्ड एक साथ मिले हैं, जो कि ऑटोमोबाइल्स सेक्टर के लिए, एक बड़ी उपलब्धि है। छत्तीसगढ़ (तब अविभाजित मध्यप्रदेश) के लोगों को कार की सवारी के लिए, अपने शहर में पहली बार सुविधा मुहैया कराने वाले स्कॉय ऑटोमोबाइल्स जिन्होंने वर्ष 1987 से अपना सफर शुरु किया वो मुकाम समय के साथ-साथ उसी तर्ज पर आगे बढ़ते गया और आज एक विश्वसनीय स्थापित ब्रांड नाम छत्तीसगढ़ व ओडिसा में है। स्कॉय ऑटोमोबाइल्स के संचालक अनिल अग्रवाल ने मिले तीनों अवार्ड के संबंध में बताया कि क्लब-1000 मारुति सुजुकी कंपनी का सबसे प्रेस्टिजियस क्लब होता है और खुशी की बात है कि छत्तीसगढ़ से स्कॉय ऑटोमोबाइल्स को इकलौते डीलर्स के रूप में यह अवार्ड मिला। वैसे डीलर कॉफ्रेंस में देश भर से 36 डीलर शामिल थे। दूसरा अवार्ड एन्थार प्रैक्टिस के लिए मिला,जिसमें संस्थान में कार्यरत कर्मचारियों को उपलब्ध करायी जानी वाली सुविधाओं को लेकर था।

जग्गी के हत्याकांड में शामिल तीन अभियुक्तों ने किया सरेंडर

रायपुर। रामअवतार जग्गी के हत्याकांड में शामिल तीन अभियुक्त राजू भदौरिया, धर्मेंद्र उर्फ लल्लन, एक अन्य ने सोमवार को रायपुर न्यायालय में न्यायाधीश के समक्ष सरेंडर किया। ये तीनों पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश के के भिंड से परिजनों व वकीलों के साथ पहुंचे हुए थे। वहीं पिछले दिनों अनवर ढेबर, चिमन सिंह, सूर्यकांत तिवारी, तीन पूर्व पुलिस अफसरों ने सरेंडर किया था। कुल 27 में से 10 आरोपी अब तक सरेंडर कर चुके हैं।

टुटेजा 20 तक जेल में

रायपुर। प्रवर्तन निदेशाय (ईडी) ने सोमवार को शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार सेवानिवृत्त आईएएस अनिल टुटेजा को पीएमएलए विशेष कोर्ट में पेश किया। जहां कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। टुटेजा अब 20 मई तक जेल में ही रहेंगे।

पूर्व विधायक की बहन सहित परिवार पर एफआईआर दर्ज

दुर्ग. कांग्रेस की पूर्व विधायक प्रतिमा चंद्राकर की सगी बहन मीना बाघमार और जीजा नरेश सहित भांजे सौम्य पर महिला थाने में दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में पीड़िता पूरे एक साल से भटक रही थी, लेकिन राजनैतिक दबाव के चलते अब तक एफआईआर नहीं हो पाई थी, लेकिन कुछ दिन पहले एसपी जितेंद्र शुक्ला को आवेदन देने के बाद कल महिला थाना सेक्टर 6 में मामला दर्ज किया गया। पीड़िता मेघा बाघमार ने आरोप लगाया है कि ससुराल वालों ने पहले उससे मारपीट कर घर से निकाला. जब वह अपने पति के साथ रहना चाहती थी और कोर्ट में धारा 9 के तहत साथ रहने का आवेदन दिया तो उस पर तलाक देने दबाव बनाया गया. उनके घर महिला आयोग की अध्यक्ष और पूर्व महापौर किरणमयी नायक, दुर्ग के पूर्व महापौर आरएन वर्मा के संग कुछ लोग पहुंचे और महिला को तलाक देने के लिए धमकाने लगे. उसके बाद नेवई थाने में शिकायत दी थी, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई. इसके अलावा महिला थाने में काउंसिलिंग के दौरान भी उसके साथ ससुर ने दुर्व्यवहार किया था. पीड़िता के वकील गौरव शर्मा ने बताया कि देर से ही सही सालभर बाद एफआईआर हुई है. उन्हें न्याय पालिका पर पूरा भरोसा है. वकील गौरव शर्मा ने बताया कि पीड़िता की सास मीना बघमार की बड़ी बहन प्रतिमा चंद्राकर पूर्व विधायक रह चुकी है.

भूपेश रायबरेली व गहलोत बनाए गए अमेठी के वरिष्ठ पर्यवेक्षक

रायपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के निर्देश पर रायबरेली और अमेठी संसदीय क्षेत्र में एआईसीसी के वरिष्ठ पर्यवेक्षकों की नियुक्त की है। जिसमें छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को रायबरेली और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अमेठी का वरिष्ठ पर्यवेक्षक बनाया गया है। रायबरेली लोकसभा सीट से राहुल गांधी और अमेठी से केएल शर्मा चुनाव लड़ रहे हैं।

राधिका खेड़ा विवाद मामलाः किसी का चरित्र हनन करना उचित नहींः बघेल

रायपुर. छत्तीसगढ़ के कांग्रेस भवन में दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए राधिका खेड़ा ने कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। इस मामले में पूर्व सीएम भूपेश बघेल की प्रतिक्रिया सामने आई है. उन्होंने कहा है कि, ऐसा कोई विवाद ही नहीं हुआ है. उन्हें भाजपा में जाना है तो उन्हें शुभकामनाएं.

मैं बेहद आहत मन से यह पत्रकार वार्ता बुलाया हूं- शुक्ला

राधिका खेड़ा भाजपा के इशारे पर झूठ बोल रही है

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने राजीव भवन में पत्रकारों से चर्चा करते हुये कहा किमैं बेहद आहत मन से यह पत्रकार वार्ता बुलाया हूं. एआईसीसी की मीडिया कोर्डिनेटर राधिका खेड़ा ने मुझ पर बहुत सारे अनर्गल तथ्यहीन मिथ्या आरोप लगाये है। मेरी चरित्र हत्या करने का प्रयास किया है।

मुझ पर यह आरोप लगया कि मैंने उनको शराब ऑफर किया जबकि सारा छत्तीसगढ़ जानता है जो लोग मुझे जानते है वे विश्वास नहीं कर सकते कि मैंने कोई अभद्रता की होगी। जहां तक शराब ऑफर का सवाल है मैं तो

क्या मेरे पूरे खानदान में किसी ने आज तक शराब नहीं पिया है।

हम खंडन करते है- वे झूठ बोल रही है कि हमने या हमारे साथी ने उनको शराब ऑफर किया। हमने कभी उनका दरवाजा ठोका, यह भी भद्दा आरोप है। हमारे द्वारा हमारे किसी साथी के द्वारा उनके साथ कोई गाली-गलौच नहीं किया। केबिन में कोई दुर्व्यवहार नहीं हुआ। पूरे विवाद का वीडियो उन्होंने बनाया था सार्वजनिक करें। पार्टी मामले की जांच कर रही थी उनको पता था वे दोषी है, झूठ बोल रही है, जांच से सच्चाई सामने आयेगी इसलिये उन्होंने इस्तीफा देकर भाग गयी।

उनका यह कहना है कि मैंने और मेरे साथियों ने उनको कमरे बंद किया, सरासर झूठ है यह पूरा घटनाक्रम इस प्रकार है कि कांग्रेस मीडिया विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन खेड़ा का 1 मई को रायपुर आने का कार्यक्रम बना था राधिका खेड़ा 30 मई को मेरे केबिन में आई उस समय हमारे कक्ष में वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा, नितिन भंसाली, मीडिया कोर्डिनेटर परवेज अहमद, दीपक पाण्डे उपस्थित थे। जब वे कमरे में आई तो मैंने उनसे बैठने को कहा कमरे में रखे सोफे पर बैठ गयी।

मैंने उनसे पूछा पवन जी कल कितने बजे आएंगे, उनका क्या कार्यक्रम रखना है। उन्होंने कहा कल 11 बजे आ रहे है उनके विभिन्न मीडिया संस्थानों (6 संस्थानों का नाम बताया) में जाने का कार्यक्रम है। मैंने उनसे कहा कि सारे संस्थानों के प्रमुखों से बात कर लूं तो उन्होंने कहा सभी से बात हो गयी है।

मतदान अभिकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया

भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने ली बैठक

रायपुर।? भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने सोमवार को तेलीबांधा और शंकर नगर मंडल इकाइयों की बैठक ली जिसमें कल 7 मई मंगलवार को लोकसभा के तीसरे चरण के लिए होने जा रहे मतदान के लिए पार्टी के मतदान अभिकर्ताओं का मार्गदर्शन किया गया। ज्ञातव्य है, छत्तीसगढ़ की 7 लोकसभा सीटों के लिए कल सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान किया जाएगा। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री श्रीवास्तव ने बताया कि रायपुर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत रायपुर उत्तर विधानसभा के तेलीबांधा और शंकर नगर मंडल के अभिकर्ता कल के मतदान के लिए अभी से पूरी तरह तैयार रहें।

बैठक में श्रीवास्तव ने मतदान अभिकर्ताओं को प्रशिक्षण देते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।? सर्वप्रथम मतदान अभिकर्ताओं को समय पर उपस्थित होकर अपने- अपने मतदान केंद्र में पहुँचने कहा गया है। साथ ही मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को अपने-अपने मंडल के एक-एक मतदाताओं के घरों में सीधे संपर्क करने एवं ज्यादा-से-ज्यादा मतदान कराने के लिए मतदाताओं को जागरुक एवं प्रेरित करने के भी निर्देश दिए गए हैं।? एक भी मतदाता मतदान करने से न चूके, इसके लिए भी मतदाताओं को यह निवेदन करना है कि यह उनका देश के प्रति एक महती दायित्व भी है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.